हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 23 मार्च 2025

कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में लगा बॉलीवुड का तड़का

शाहरुख ने बांधा समां...श्रेया के ढोलना वाले गाने पर पूरा स्टेडियम ही झूम उठा

10 टीमें खेलेंगी 74 मैच, चौकों व छक्कों की होगी बरसात

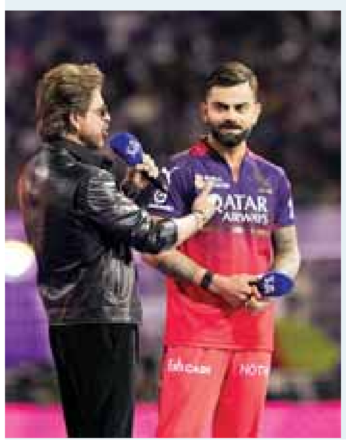

एजेंसी ⏭ कोलकाता

आईपीएल के 18वें सीजन की ओपनिंग सेरेमनी धूम-धड़ाके वाली हुई। इसे बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान ने होस्ट किया। उन्होंने पठान फिल्म के डायलॉग- 'पार्टी पठान के घर में रखोगे... तो मेहमान नवाजी के लिए पठान तो आएगा, और साथ में पटाखे भी लाएगा...' से सेरेमनी की शुरुआत की। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में पहली प्रस्तुति श्रेया घोषाल ने दी। उन्होंने 'भूल भुलैया' फिल्म के गाने 'मेरे सुन'...पहला गाना गाया।

रीवा के बाद शहडोल में पुलिस पर बड़ा हमला...ईरानी मोहल्ले की महिलाओं ने की पत्थरबाजी

बाइक की तलाश में गई थी पुलिस, एसआई व महिला पुलिसकर्मी घायल, 18 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिसकर्मी सराफा व्यापारी पर गोलीबारी की जांच करने गए थे। खबर थी कि जिस गाड़ी पर आरोपी थे, वैसी ही गाड़ी ईरानी मोहल्ले में है

हरिभूमि न्यूज ⏭ शहडोल

रीवा में पुलिस टीम पर जानलेवा हमले के बाद शहडोल में भी पुलिस की टीम पर हमला हुआ। यहां एक बाइक की तलाश में गई पुलिस टीम के साथ स्थानीय लोगों ने मारपीट करने की कोशिश की। पत्थरबाजी में दो पुलिसकर्मियों को हल्की चोट आई हैं। घायलों में एक महिला पुलिसकर्मी भी है।

पुलिस 18 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, लेकिन, अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। कुछ दिन पहले ही रीवा के मऊ गंज पर पुलिस हमले में सब इंस्पेक्टर की मौत हो गई थी। शहडोल में बुढ़ार पुलिस संदेही तलाश में गई थी।

ईरानी बाड़े में हुआ हमला

सराफा व्यापारियों पर गोली चलाते वक्त आरोपी जिस बाइक में थे, उसी तरह का वाहन ईरानी बाड़ा में होने की सूचना पुलिस को मिली थी। जिस पर रात करीब 10 बजे पुलिस ईरानी मोहल्ला पहुंची, लेकिन रास्ता संकरा होने के कारण गाड़ी नहीं जा सकी। पुलिस गाड़ी से उतकर आरक्षक बलभद्र सिंह पैदल पहुंचे। मोहल्ले में मिले फिरोज अली जाफरी से उक्त बाइक के संबंध में पूछा तो वह गाली गलौज करने लगा। इसके बाद ईरानी मोहल्ला के अन्य लोग आ पहुंचे और आरक्षक के साथ झूमा झटकी कर धक्का-मुक्की करने लगे। यह देख वाहन में मौजूद पुलिस का स्टॉफ दौड़कर बीच बचाव करने पहुंचा, लेकिन दर्जनों लोग पत्थर लेकर पुलिस स्टाफ को मारने दौड़े।

व्यापारियों पर हमला करने वाले पुलिस की पहुंच से दूर

हमले में आरक्षक सहित अन्य स्टॉफ को चोटें आईं। हमले में महिला आरक्षक सरिता, आरक्षक आशीष तिवारी भी चोटिल हुए। पुलिस वाहन में भी तोड़-फोड़ की गई। आरक्षक की शिकायत पर धारा 132, 221, 296, 115 (2), 351 (3), 3 (5) बीएनएस का मामला दर्ज कर लिया गया है। गोलीकांड के आरोपी अभी तक पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। सराफा व्यापारियों को उस समय गोली मारी गई थी, जब वे साप्ताहिक बाजार से दुकान लगाकर लौट रहे थे।

सहारनपुर में बड़ी वारदात

भाजपा नेता ने पत्नी और तीन बच्चों को मारी गोली

भाजपा नेता मानसिक रूप से बीमार था

एजेंसी ⏭ सहारनपुर

सहारनपुर जनपद के गंगोह में सांगाखेड़ा ने एक भाजपा नेता ने पत्नी और तीन बच्चों को गोली मार दी। हमले में चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां बेटे शिवांश, देवांश और बेटी श्रद्धा ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बताया गया कि भाजपा जिला कार्यसमीति के सदस्य योगेश रोहिला ने अपनी पत्नी पत्नी नेहा (32), शिवांश (4), देवांश (7), श्रद्धा (8) को गोली मार दी। चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली की आवाज सुनकर व शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

अमेरिकी मुक्केबाज और हेवीवेट चैंपियन

जॉर्ज फोरमैन का निधन, 19 की उम्र में जीता था ओलंपिक गोल्ड

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अमेरिकी मुक्केबाज जॉर्ज फोरमैन का शुक्रवार, 21 मार्च को 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने उनके सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए इस खबर की पुष्टि की।

■ पेशेवर बनने से पहले लगातार 37 मैच जीते

फोरमैन ने 1968 में मैक्सिको सिटी में हुए ओलंपिक में अपना नाम बनाया था, जहां उन्होंने सिर्फ 19 साल की उम्र में अपने 25वें शौकिया मुकाबले में ही हैवीवेट का गोल्ड मेडल जीता था। पेशेवर बनने के बाद फोरमैन ने किंग्स्टन, जमैका में मौजूदा चैंपियन जो फ्रेजियर का सामना करने से पहले लगातार 37 मैच जीते। उन्होंने दो राउंड के बाद तकनीकी नॉकआउट से फ्रेजियर को हराया। फोरमैन को 1974 में प्रसिद्ध रंबल इन द जंगल के लिए जाना जाता है, जहां उन्होंने अपना पहला खिताब प्रतिष्ठित मुहम्मद अली से खो दिया था।

सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों का मणिपुर दौरा

जस्टिस गवई : हम आपके साथ, मणिपुर समृद्ध होगा

विस्थापित लोग हमसे पीछे न छूटें

एजेंसी ⏭ इंफाल

सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह वाला प्रतिनिधिमंडल शनिवार को मणिपुर पहुंचा।

प्रतिनिधिमंडल ने चुराचांदपर में मणिपुर की जातीय हिंसा के विस्थापितों से मुलाकात की। राहत शिविरों का दौरा भी किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल बिष्णुपुर के मोइरांग कॉलेज पहुंचा। चुराचांदपुर में 295 विधिक सेवा शिविर, स्वास्थ्य शिविर और विधिक सहायता क्लिनिक का जस्टिस गवई ने उद्घाटन किया।

'दीवार में एक खिड़की रहती थी'...'नौकर की कमीज' जैसी कृतियां लिखी

झानपीठ पाने वाले छत्तीसगढ़ के पहले लेखक

साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को 'ज्ञानपीठ पुरस्कार'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हिंदी साहित्य के सुप्रसिद्ध लेखक विनोद कुमार शुक्ल (88) को देश के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वे यह प्रतिष्ठित पुरस्कार पाने वाले छत्तीसगढ़ के पहले लेखक होंगे। शुक्ल अपनी कहानियों, कविताओं और लेखों के लिए जाने जाते हैं और

समकालीन हिंदी साहित्य के सबसे प्रभावशाली रचनाकारों में शुमार हैं। यह पुरस्कार 11 लाख रुपए की राशि, मां सरस्वती की कांस्य और प्रशस्ति पत्र के साथ दिया जाता है।

रचनात्मकता और अनूठी लेखन शैली

ज्ञानपीठ चयन समिति की बैठक में विनोद कुमार शुक्ल के नाम को अंतिम रूप दिया गया। इस बैठक की अध्यक्षता ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित लेखिका प्रतिभा राय ने की। चयन समिति ने अपने बयान में कहा कि यह सम्मान विनोद कुमार शुक्ल को हिंदी साहित्य में उनके विशिष्ट योगदान, रचनात्मकता और अनूठी लेखनशैली के लिए दिया जा रहा है।

सीएम ने कड़ी कार्रवाई का दिया निर्देश

दंगाइयों से करेंगे नुकसान की भरपाई, बुलडोजर चलेंगे और कुर्की भी होगी

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कानून व्यवस्था के संबंध में की समीक्षा बैठक

नागपुर हिंसा पर अब बड़े एक्शन की तैयारी

एजेंसी ▶▶ नागपुर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शहर में कानून व्यवस्था के संबंध में नागपुर पुलिस मुख्यालय में समीक्षा बैठक की। नागपुर हिंसा के बाद फडणवीस ने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह की वजह से हालात बिगड़े। हमने दंगाइयों की पहचान कर ली है। हम नुकसान की भरपाई उनसे ही करेंगे। जिन लोगों ने भी पुलिस को निशाना बनाया, उन उपद्रवपियों को अब परिणाम भुगतने होंगे। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट पर भी शिकंजा कसा जा रहा है। ऐसी पोस्ट करने वाले भी आरोपी ही माने जाएंगे। अब तक हम कई ऐसे पोस्ट हटा चुके हैं। हम दोषियों को नहीं बख्शेंगे।

फडणवीस ने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह की वजह से हालात बिगड़े। हमने दंगाइयों की पहचान कर ली है।

पुलिस अधिकारियों के साथ नागपुर में की घटना की समीक्षा

फडणवीस ने कहा कि मैंने पुलिस अधिकारियों के साथ नागपुर में हुई घटना की समीक्षा की। इस दौरान पूरे घटनाक्रम की समीक्षा हुई और अब तक की गई कार्रवाई की भी विस्तार से समीक्षा की गई। औरंगजेब की कब्र की प्रतिकृति को सुबह जला दिया गया था। इस पर एफआईआर दर्ज की गई थी, लेकिन इस पर कुरान की आयत लिखी होने की अफवाह फैलने के बाद लोग इकट्ठा हो गए। भीड़ ने पथराव और आगजनी की। पुलिस ने एहतियाती कार्रवाई की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दंगा करने वालों को गिरफ्तार किया जा रहा है।

पुलिसकर्मियों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे

सीएम फडणवीस ने कहा कि पुलिसकर्मियों पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि महिला पुलिस कांस्टेबलों पर पत्थर फेंके गए। उन्होंने यह भी कहा कि छेड़छाड़ की खबरें सच नहीं हैं। फडणवीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हाल ही में हुई हिंसा के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नागपुर यात्रा प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि नागपुर हिंसा को खुफिया एजेंसियों की विफलता कहना गलत है।

हिंसा में पहली मौत, घायल इरफान ने तोड़ा दम

नागपुर हिंसा में घायल 38 वर्षीय इरफान अंसारी की इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गई। नागपुर हिंसा में इरफान अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनको शहर के मेयो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इरफान के भाई इमरान सानी ने कहा कि हमने उसे बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन हम नहीं बचा पाए, डॉक्टरों ने उसका अच्छा इलाज किया।

बांग्लादेशी कनेक्शन भी आया सामने

साइबर सेल की चौकसी से बड़ा खुलासा हुआ है। इस हिंसा के बाद माहौल बिगाड़ने में बांग्लादेश कनेक्शन सामने आया है। पता चला जो हिंसा हुई, उसके बाद बांग्लादेश से सोशल मीडिया पर माहौल बिगाड़ने की कोशिश हो रही है। वहां के एक यूजर ने दंगे को छोटा दंगा बताते हुए और बड़े दंगे कराने की धमकी दी है।

12 नाबालिग समेत 104 उत्पाती गिरफ्तार

अब तक 12 नाबालिगों समेत 104 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस और लोगों को गिरफ्तार करेगी। जो लोग दंगे में शामिल हैं या दंगाइयों की मदद कर रहे हैं, उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को भी सह-आरोपी बनाया जाएगा। अब तक 68 सोशल मीडिया पोस्ट की पहचान कर उन्हें हटाया गया है। उन्होंने कहा कि दंगाइयों से हिंसा में हुई नुकसान की भरपाई की जाएगी। उनकी प्रोप्टी भी जब्त की जाएगी। फडणवीस ने बुलडोजर एक्शन को लेकर कहा कि जहां चलाने की आवश्यकता होगी, वहां बुलडोजर चलाया जाएगा। अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दंगा करने वालों को गिरफ्तार किया जा रहा है। जो लोग दंगे में शामिल हैं या मदद कर रहे हैं, वेभी नहीं बचेंगे।

खबर संक्षेप

नवी मुंबई के शिरावने में लगी भीषण आग

मुंबई। नवी मुंबई के शिरावने के महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम इलाके में भीषण आग लग गई।

अधिकारी ने कहा कि औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) इलाके में लगी भीषण आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। फायर डिपार्टमेंट के अधिकारी एसएल पाटिल ने कहा कि वे जल्द आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। जल्द काबू कर लिया जाएगा।

कई नेताओं ने दी बिहार दिवस की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार दिवस के मौके पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दी।

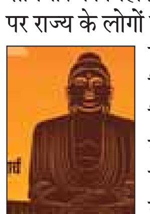

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव प्रयास करेगी। बिहार दिवस पर सभी बिहारवासियों को हार्दिक बधाई! इस पावन भूमि ने भारतीय इतिहास को गौरवान्वित किया है। सात अन्य नेताओं ने भी बदाई दी है।

पहाड़गंज में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, 22 अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के पहाड़गंज में देह व्यापार के एक बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। यहां लड़कियों को

ऑर्डर पर होटलों में पहुंचाया जा रहा था। जोमैटो और स्विगी की तर्ज पर यह कारोबार संचालित हो रहा था। डिलीवरी बॉय स्कूटी पर लड़कियों को होटलों तक पहुंचाकर वापस लाने का काम कर रहा था। इस ऑपरेशन में 22 लड़कियां बरामद हुईं।

हरियाणा में जजपा नेता को गोली से उड़ाया

पानीपत। हरियाणा के पानीपत में जननायक जनता पार्टी (जजपा) नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

युवा नेता रविंद्र उर्फ मीना की शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे उसी के पड़ोसी ने गोली मारकर हत्या कर दी। साथ में 2अन्य लोगों को भी गोली मारी गई है। जांच में साली और उसके पति के बीच अनबन के कारण वारदात को अंजाम देने की बात सामने आई है।

प्राचीन गणेश व काली मंदिर पर चला बुलडोजर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अतिक्रमण हटाने का काम भी चल रहा है। शनिवार तड़के यमुना नगर

में पुराने मंदिरों पर प्रशासन का बुलडोजर चल गया। इससे लोगों में काफी नाराजगी है। यमुना बाजार में सिंदूरी गणेश ,काली मंदिर को बुलडोजर से तोड़ दिया गया। लोगों का दावा है कि इन मंदिरों का निर्माण 1902 में हुआ था। नाराज लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

जेएसी की बैठक में सीएम स्टालिन ने दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

परिसीमन को स्वीकार नहीं करेगा दक्षिण भारत, हम अपना 'हक' नहीं छीनने देंगे

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

परिसीमन के मुद्दे पर शनिवार को विपक्षी पार्टियों के मुख्यमंत्रियों की चेन्नई में बैठक हुई। इस बैठक को ज्वाइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) नाम दिया गया। इस बैठक का आयोजन तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने किया। स्टालिन ने साफ किया कि वे परिसीमन के मुद्दे पर कानूनी लड़ाई भी लड़ेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने बिना किसी से चर्चा के परिसीमन के मुद्दे पर कदम बढ़ाया। बस्टालिन ने कहा कि विशेषज्ञों का एक पैनल गठित किया जाना चाहिए, जो इस मुद्दे पर लड़ाई लड़ने के लिए राजनीतिक और कानूनी दोनों योजनाओं पर सुझाव दे। उन्होंने इस मुद्दे पर राजनीतिक लड़ाई के साथ-साथ कानूनी लड़ाई लड़ने का समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि हम परिसीमन के खिलाफ नहीं हैं लेकिन हम निष्पक्ष परिसीमन चाहते हैं और हमें अपने अधिकारों के लिए लगातार कोशिश करनी होगी। स्टालिन ने इस मुद्दे पर लोगों को जागरुक करने और इस लड़ाई में एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारा प्रतिनिधित्व कमजोर नहीं पड़ना चाहिए।

परिसीमन के मुद्दे पर शनिवार को विपक्षी पार्टियों के मुख्यमंत्रियों की चेन्नई में बैठक हुई। इस बैठक को ज्वॉइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) नाम दिया गया।

सभी को एकजुट रहने की अपील की

एक निष्पक्ष परिसीमन की वकालत की

हमारा प्रतिनिधि कमजोर नहीं पड़ना चाहिए

स्टालिन ने कही कानूनी लड़ाई लड़ने की बात

हमें शाह के आश्वासन पर यकीन नहीं

इस चर्चा के बीच कि 2026 के बाद होने वाला परिसीमन दक्षिण भारतीय राज्यों को राजनीतिक रूप से कमजोर कर सकता है। स्टालिन ने स्पष्ट किया कि विपक्ष परिसीमन के खिलाफ नहीं है बल्कि एक अनुचित फॉर्मूले के खिलाफ है, जो उन राज्यों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। स्टालिन ने गृह मंत्री अमित शाह के इस आश्वासन पर संदेह जताया कि आगामी परिसीमन के कारण दक्षिण भारतीय राज्य संसदीय सीटें नहीं खोएंगे। उन्होंने इस टिप्पणी को अस्पष्ट बताया।

कम से कम 8 सीटें खो जाएंगी

स्टालिन ने कहा कि मणिपुर दो साल से जल रहा है और इसके लोगों की मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है । स्टालिन ने तर्क दिया जनसंख्या के आकार के आधार पर पुनः आवंटन प्रगतिशील राज्यों के लिए सजा के समान होगा जबकि उत्तर-दक्षिण असमानताओं को गहरा करेगा। उन्होंने कहा कि अगर वे योजना के अनुसार परिसीमन करते हैं तो कम से कम 8सीटें खो जाएंगी।

प्रस्तावित परिसीमन अस्वीकार्य : रेड्डी

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि आज देश गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। भाजपा जनसंख्या नियंत्रण की सजा दे रही है। हम एक देश हैं और हम इसका सम्मान करते हैं। यह परिसीमन अस्वीकार्य है।

यह जनसंख्या नियंत्रण कर रहे राज्यों के लिए गलत: नवीन

बीजद प्रमुख और ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने कहा कि बैठक राज्यों में रहने वाले लोगों के अधिकारों और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के लिए हो रही है। देश के विकास के लिए जनसंख्या नियंत्रण अहम है, लेकिन जनसंख्या के आधार पर परिसीमन कुछ राज्यों के प्रति गलत है।

यह संविधान के खिलाफ: विजयन

केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन ने कहा,लोकसभा सीटों का परिसीमन का मुद्दा हमारे सिर पर लटकती तलवार जैसा है। इसे संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ बताया।

7 प्रस्ताव पारित किए

- **ट्रांसपेरेंसी की जरूरत** प्रस्ताव दिया कि लोकतंत्र को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा किए जाने वाले किसी भी परिसीमन की प्रक्रिया को ट्रांसपेरेंट रखें
- **संविधान संशोधन पर जोर** 1971 की जनगणना पर आधारित संसदीय क्षेत्रों की सीमा को 25 और वर्षों के लिए बढ़ाया जाना चाहिए।
- **राज्यों को सजा न दी जाए** जो राज्य जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को प्रभावी रूप से लागू कर चुके हैं और जिनकी जनसंख्या का हिस्सा घट गया है, उन्हें सजा नहीं दिया जाना चाहिए।
- **संसदीय रणनीतिः** प्रतिनिधि राज्यों के सांसदों की कोर कमेटी केंद्र द्वारा किसी विपरीत परिसीमन की कोशिश के खिलाफ को-आर्डिनेट करेगी।
- **संयुक्त प्रतिनिधित्वः** कोर सांसद मौजूदा संसदीय सत्र के दौरान भारत के प्रधानमंत्री को इस संदर्भ में संयुक्त प्रतिनिधित्व पेश करेंगे।
- **विधानसभा प्रस्तावः** राज्यों की राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने राज्यों में इस मुद्दे पर उपयुक्त विधानसभा में प्रस्ताव लाने की कोशिश करेंगी। केंद्र को भेजेंगी।
- **जन जागरूकता अभियान** एक समन्वित जनमत संग्रह अपनाएगी। जन जागरूकता अभियान चलाएगी।

कुरुक्षेत्र 1000 कुंडी यज्ञ में बवाल

फायरिंग में एक को लगी गोली, बाउंसरों ने 'पीटा'

ब्राह्मणों को बासा खाना परोसने को लेकर विवाद

एजेंसी ▶▶ कुरुक्षेत्र

केशव पार्क में चल रहे 1000 कुंडीय महायज्ञ में शनिवार को खाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि ब्राह्मणों को बासी खाना परोसने को लेकर कहासुनी हो गई, जिसके बाद स्थिति बिगड़ गई। विवाद के दौरान एक सुरक्षाकर्मी ने गोली चला दी, जो आशीष तिवारी नामक ब्राह्मण को लगी। उन्हें गंभीर हालत में लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जिसके बाद ब्राह्मणों ने जमकर हंगामा किया। ऐसा कहा जा रहा है कि इसमें 23 लोग घायल हो गए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ब्राह्मणों ने बैनर होर्डिंग फाड़े

नाराज ब्राह्मण महायज्ञ स्थल से बाहर निकले और तोड़फोड़ व पथराव शुरू कर दिया। गुस्साए ब्राह्मणों ने महायज्ञ की यज्ञशाला का मुख्य द्वार तोड़ दिया। डंडे-पत्थरों से रोड पर लगे बैनर-होर्डिंग भी फाड़ दिए। फिर उन्होंने थीम पार्क के बाहर कुरुक्षेत्र-कैथल रोड पर जाम लगा दिया। वहां से गुजरने वाली गाड़ियों को जबरन रोकना शुरू कर दिया।

बाउंसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो

इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज करके ब्राह्मणों को रोकने की कोशिश भी की, लेकिन बड़ी संख्या में ब्राह्मण सड़कों पर जमे रहे। ब्राह्मण का कहना है कि बाउंसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। फिलहाल मामला तनावपूर्ण किंतु नियंत्रण में है। आयोजकों और पुलिस प्रशासन ने मामले को शांत किया है। पुलिस प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

यज्ञ नष्ट करने की साजिश: आयोजक

इस बवाल के बाद यज्ञ आयोजक स्वामी हरिओम दास ने कहा कि हमारे ऊपर आरोप-प्रत्यारोप जो लगाते है, ठीक है, लेकिन यज्ञ को संपूर्ण करें, मेरी ये प्रबल इच्छा है। किसी भी प्रकार से कोई त्रुटि हुई होगी, उसकी जांच कर उचित दंड दिया जाए। इतने लोग है, अब हम हर आदमी को नहीं जानते। कौन बहरूपिया किस रूप में आकर फायरिंग करता है, मैं कैसे कहूं। कुछ षडयंत्रकारी यज्ञ को किसी भी तरह नष्ट करना चाहते हैं।

विश्व जल दिवस पर प्रधानमंत्री ने कहा

जल संरक्षण और इसके सतत विकास के प्रति सरकार प्रतिबद्ध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएमनरेंद्र मोदी ने विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण और सतत विकास के प्रति

सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने पानी बचाने पर जोर दिया और जल सुरक्षा के लिए चल रहे प्रयासों को उजागर किया। हर साल 22 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व जल दिवस 1993 से शुरू हुआ था। इसका उद्देश्य ताजे पानी के महत्व को उजागर करना और सतत विकास लक्ष्य 6 को पूरा करना है।

यह जीवन का आधार और अहम संसाधन

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, विश्व जल दिवस पर हम जल संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के अपने संकल्प को दोहराते हैं। जल ही जीवन का आधार है। जल जीवन का आधार और दुनिया का सबसे अहम संसाधन है। पीएम मोदी ने जल संकट को देश के विकास के लिए भी खतरा बताया।

थरूर-पांडा की सेल्फी पर सवाल

सेम डायरेक्शन... मैं केवल भुवनेश्वर के लिए सहयात्री था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर एक बार फिर सेल्फी को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बार

सेल्फी में शशि थरूर भाजपा सांसद बैजयंत जय पांडा के साथ दिख रहे हैं। कुछ समय कांग्रेस और शशि थरूर के बीच आपसी मतभेद की खबरें हैं। थरूर की नई सेल्फी कई तरह के सवाल पूछ जरूर खड़े कर रही है। इस बार की ये सेल्फी पांडा ने साझा किया है।

हम एक ही दिशा में यात्रा कर रहे थे

पांडा ने शुक्रवार रात फोटो शेयर किया। मेरे मित्र और सहयात्री ने मुझे यह कहने पर शरारती कहा कि हम अंततः एक ही दिशा में यात्रा कर रहे हैं। पांडा के इस पोस्ट का जवाब देते हुए थरूर ने लिखा कि यात्रा के दौरान की सेल्फी थी। मैं सिर्फ एक सहयात्री था। केवल भुवनेश्वर के लिए सहयात्री!मैं सुबह कलिंग लिटफेस्ट को संबोधित कर रहा हूं।

'डोल' उत्सव में नाचते-झूमते बच्चे

उत्तरी त्रिपुरा। उत्तरी त्रिपुरा जिले के धर्मनगर इलाके में शनिवार को 'डोल' उत्सव जुलूस के दौरान नृत्य करते बच्चे। इसे 'डोलो जात्रा' के नाम से भी जाना जाता है।

अमृत उद्यान में 'पर्पल फेस्ट' का किया गया आयोजन

सामाजिक न्याय, गरिमा और समानता रहे अक्षुण्ण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को 'सुगम्य भारत अभियान' सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से दिव्यांग लोगों को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जो भौतिक और डिजिटल दोनों तरह की पहुंच पर केंद्रित है। उन्होंने सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा राष्ट्रपति भवन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'पर्पल फेस्ट 2025' को संबोधित करते हुए सामाजिक न्याय, गरिमा और समानता के भारत के संवैधानिक मूल्यों को दोहराया। इस उत्सव का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त बनाना है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने महोत्सव का किया दौरा, संबोधन भी दिया

सामाजिक मानव के आदर्श का पालन करें

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि देवियों और सज्जनो, भारत का संविधान हमें आदर्श सामाजिक मानव प्रदान करता है। हमारे संविधान की प्रस्तावना सामाजिक न्याय, प्रतिष्ठता, क्षमता और व्यक्ति की गरिमा की बात करती है। 'सबका साथ, सबका विकास' के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर सरकार विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने और उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है।

कौशल दिखाने का अहम मंच बताया

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि करुणा, समावेशिता और सद्भावना भारतीय सभ्यता का अभिन्न अंग हैं। राष्ट्रपति भवन में दिव्यांग लोगों का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने उन्हें आश्वासन दिया कि हमारे दरवाजे हमेशा उनके लिए खुले हैं और पर्पल फेस्ट को कौशल और प्रतिभा दिखाने का एक अवसर बताया।

सरकार दिव्यांगों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध

उन्होंने कहा कि सरकार 'सुगम्य भारत अभियान' सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से दिव्यांगों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो भौतिक और डिजिटल दोनों तरह की पहुंच पर केंद्रित है। मुझे खुशी है कि सरकार विशिष्ट विकलांगता पहचान (यूडीआईडी) कार्ड योजना के माध्यम से दिव्यांगों के लिए एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए प्रयास कर रही है। कौशल विकास और उद्यमिता विकलांग व्यक्तियों को भारत की उभरती अर्थव्यवस्था में समान हितधारक बनने के लिए तैयार कर रहे हैं।

मेवाड़ का सुप्रसिद्ध कृष्णाधाम बना 'कुबेर'

श्री सांवलिया सेठ मंदिर को मिला 29 करोड़ का चढ़ावा

एजेंसी ▶▶ मेवाड़

यहां के सुप्रसिद्ध कृष्णधाम सांवलियाजी में भगवान श्री सांवलिया सेठ के भंडार से 29 करोड़ 09 लाख 63 हजार 292 की रिकॉर्ड भेंट राशि निकली है।

प्रतिमाह कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को ठाकुरजी का भंडार खोला जाता है, लेकिन इस बार गुरुवार को होलिका दहन के दिन डेढ़ महीने में खोला गया। भंडार से प्राप्त राशि की गणना गुरुवार को पहले चरण के रूप में की गई। पहले चरण में 07 करोड़ 55 लाख, दूसरे चरण में ठाकुरजी के भंडार से 04 करोड़ 97

लाख 20 हजार, तीसरे चरण की गणना में 04 करोड़ 72 लाख 75 हजार, चौथे चरण की गणना में 04 करोड़ 75 लाख 20 हजार और अंतिम पांचवें चरण की गणना में ठाकुरजी के भंडार से 02 करोड़ 44 लाख 79 हजार 700 रुपए की राशि प्राप्त हुई।

जबलपुर
रविवार, 23 मार्च 2025
■ चैत मास कृष्ण पक्ष-9
■ वर्ष : 19, अंक : 316
■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 33
न्यून. 18

पूर्व केंद्रीय मंत्री बोले राहुल गांधी माओवादियों के प्रभाव में

बेटियों को लेकर संवेदनशील रहें जजः रविशंकर प्रसाद

इंदौर। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे किस मेरिट के आधार पर नेता बने हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी होमवर्क नहीं करते, वे माओवादियों के प्रभाव में हैं। दरअसल, एक इंटरव्यू में राहुल गांधी ने कहा था कि मेरिट एक पूरी तरह से दोषपूर्ण अवधारणा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज की टिप्पणी को लेकर कहा कि न्यायाधीश बेटी और बच्ची के बारे में संवेदनशील बनें।

IPL आज का मुकाबला
हैदराबाद - राजस्थान
दोपहर 3.30 बजे से
चेन्नई - मुंबई
रात 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

शिकायत की, तार नहीं हटे, भाई-बहन की मौत

जबलपुर। खेत में फैले करंट के तारों को शिकायत के बाद भी बिजली विभाग ने नहीं हटाए। नतीजा ये हुआ कि खेत में जानवर भगाने गए सगे बहन भाई की करंट से मौत हो गई। एक अन्य गंभीर रूप से झुलस गया। घटना सुरैया टोला गांव की है। खेत के किनारे झूल रहे बिजली के तार की चपेट में बच्चे आ गए।

उड़ान में देरी पर एयर इंडिया पर भड़कीं सांसद सुप्रिया सुले

नई दिल्ली। सांसद सुप्रिया सुले ने उड़ान में देरी को लेकर एयर इंडिया की तीखी आलोचना की है। उन्होंने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से अपील की कि वे एयरलाइंस को जवाबदेय बनाने के लिए कड़े नियम लागू करें। सुले ने बताया कि उनकी फ्लाइट करीब एक घंटे 19 मिनट देर हुई। उन्होंने कहा कि ये लगातार देखा जा रहा है कि फ्लाइट्स में देरी हो रही है और इससे यात्री परेशान हो रहे हैं।

सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा- प्रताड़ना की धार्मिक वजह भी

संघ ने कहा: बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के 'मानवाधिकारों' का हो रहा उल्लंघन

■ हम बांग्लादेश के हिंदू वर्ग के साथ एकजुटता दिखाते हैं

संघ ने कहा कि हमें ये नहीं मानना चाहिए कि इस हिंसा की वजह सत्ता में बदलाव के चलते राजनीतिक ही है बल्कि इसका धार्मिक कारण भी है। अल्पसंख्यकों और हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है।

■ साल 1951 में बांग्लादेश में हिंदू जनसंख्या 22 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 7.95 प्रतिशत रह गई

■ भारत और इसके पड़ोसी देश सिर्फ देशों का समूह नहीं हैं बल्कि इनका साझा इतिहास

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरू

यहां चल रही संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में बांग्लादेश का मुद्दा उठा और वहां अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा पर चिंता जाहिर की गई। सह-सरकार्यवाह अरुण कुमार ने एक बयान में कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा की वजह राजनीतिक ही नहीं बल्कि धार्मिक भी है। अरुण कुमार ने बयान कहा कि हम बांग्लादेश के हिंदू वर्ग के साथ एकजुटता दिखाते हैं।

भारत और पड़ोसी देशों के बीच अविश्वास पैदा करने की कोशिश

अरुण कुमार ने कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा कोई नई नहीं है। साल 1951 में बांग्लादेश में हिंदू जनसंख्या 22 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 7.95 प्रतिशत रह गई है। यह बड़ी गिरावट है। इस बार जो हिंसा हो रही है, उससे ऐसा लग रहा है कि इसे सरकार और सरकारी संस्थानों का भी समर्थन है। वहां भारत विरोध बढ़ रहा है। अपने प्रस्ताव में हमने अंतरराष्ट्रीय ताकतों को लेकर भी चिंता जाहिर की है। भारत और इसके पड़ोसी देश सिर्फ देशों का समूह नहीं हैं बल्कि इनका साझा इतिहास है। हमारे बीच बहुत कुछ समान है। कई वैश्विक शक्तियां भारत और इसके पड़ोसी देशों के बीच अविश्वास पैदा करने की कोशिश कर रही हैं।

भाजपा अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया जारी

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर अरुण कुमार ने कहा कि संघ के तहत 32 से ज्यादा संगठन काम करते हैं। हर संगठन अपने आप में स्वतंत्र है और उसकी फैसले लेने की स्वतंत्र प्रक्रिया है। हर संगठन के अपने सदस्य, चुनाव और उनकी पूरी प्रक्रिया अलग है। भाजपा और संघ के बीच कोई मतभेद नहीं है। हम देश और समाज के लिए मिलकर काम करते हैं। संगठन की प्रक्रिया चल रही है और जिले और राज्य स्तर पर समीतियां गठित कर दी गई हैं। भविष्य में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव होगा।

कई प्रस्ताव होंगे पारित

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक बंगलुरू में शुक्रवार से चल रही है। यह संघ की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था है। इस बैठक के दौरान बांग्लादेश हिंसा के साथ ही मणिपुर, भाषा विवाद और संघ के शताब्दी समारोह को लेकर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे।

सिंगरौली, सीधी, रीवा, शहडोल, उमरिया डिंडोरी, मंडला बालाघाट जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

10 जिलों में बारिश के साथ ओले

दो दिन बाद फिर तेज गर्मी का दौर, अभी रात का पारा गिरेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बड़े तालाब का दृश्य

प्रदेश में ओले-बारिश का दौर अब सोमवार से खत्म हो जाएगा। दो दिन गर्मी का असर ऐसा ही रहेगा, इसके बाद फिर तेजी पकड़ेगी। हालांकि, अभी आसमान साफ होने से रात के तापमान में कमी आएगी। शनिवार को भी भोपाल सहित कुछ जिलों को छोड़कर शेष प्रदेश में रात का पारा औसतन दो डिग्री तक गिरा। पूर्वी मप्र में अधिक कमी रही है। भोपाल में दिन का पारा 34.9 डिग्री पर थमा रहा। रात का पारा 1.4 डिग्री बढ़कर 18.4 डिग्री रहा। सबसे अधिक कमी रीवा में 4.5 डिग्री की रही। सबसे अधिक दिन का पारा खरगौन में 37.2 डिग्री रही। नर्मदापुरम, रतलाम में भी पारा 37 डिग्री तक रहा। शुक्रवार से शनिवार के बीच करीब 10 से अधिक जिलों में बारिश के साथ ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को भी नुकसान की आशंका है। मौसम केंद्र के अनुसार रविवार तक आधा दर्जन जिलों में अंधड़ के साथ बारिश का यलो अलर्ट है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अब सिस्टम आगे निकल रहा है। इससे में कमी आएगी। अभी गर्मी में ज्यादा बढ़त नहीं होगी, रात का पारा गिरेगा। लेकिन दो से तीन दिन में गर्मी फिर तेज असर करेगी।

रानी दुर्गावती विवि के कुलगुरु की मुश्किलें बढ़ी

हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान, दस साल का टीचिंग अनुभव नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

■ अगली सुनवाई अब 4 सप्ताह बाद

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में पदस्थ कुलगुरु की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन जबलपुर के जिला अध्यक्ष सचिन रजक ने कुलगुरु डॉक्टर राजेश वर्मा की नियुक्ति पर सवाल खड़े करते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। जिसमें शनिवार को सुनवाई हुई। जस्टिस विवेक जैन की कोर्ट ने राज्य सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, एमपीपीएससी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय और कुलगुरु को नोटिस जारी किया है। अगली सुनवाई अब 4 सप्ताह बाद तय की गई है।

कर्ज से परेशान था, पत्नी को मायके भेजा

भोपाल में छठी बटालियन के जवान ने फांसी लगाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

■ सात साल पहले हुई थी शादी

नेहरू नगर पुलिस लाइन में रहने वाले छठी बटालियन के जवान भूर सिंह जामोद ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। वह कर्ज से परेशान थे। पुलिस को उनके घर से लोन संबंधी दस्तावेज मिले हैं। हालांकि उनके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उनकी पत्नी प्रेग्नेंट है। डिलीवरी के लिए जवान ने कुछ दिन पहले पत्नी को मायके भेज दिया था। मामले में कमला नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। भूर सिंह जामोद (35) पुत्र जाम सिंह जामोद मूल रूप से देही जिला धार के रहने वाले थे। छठी बटालियन भोपाल में पदस्थ थे और नेहरू नगर पुलिस लाइन में रहते थे।

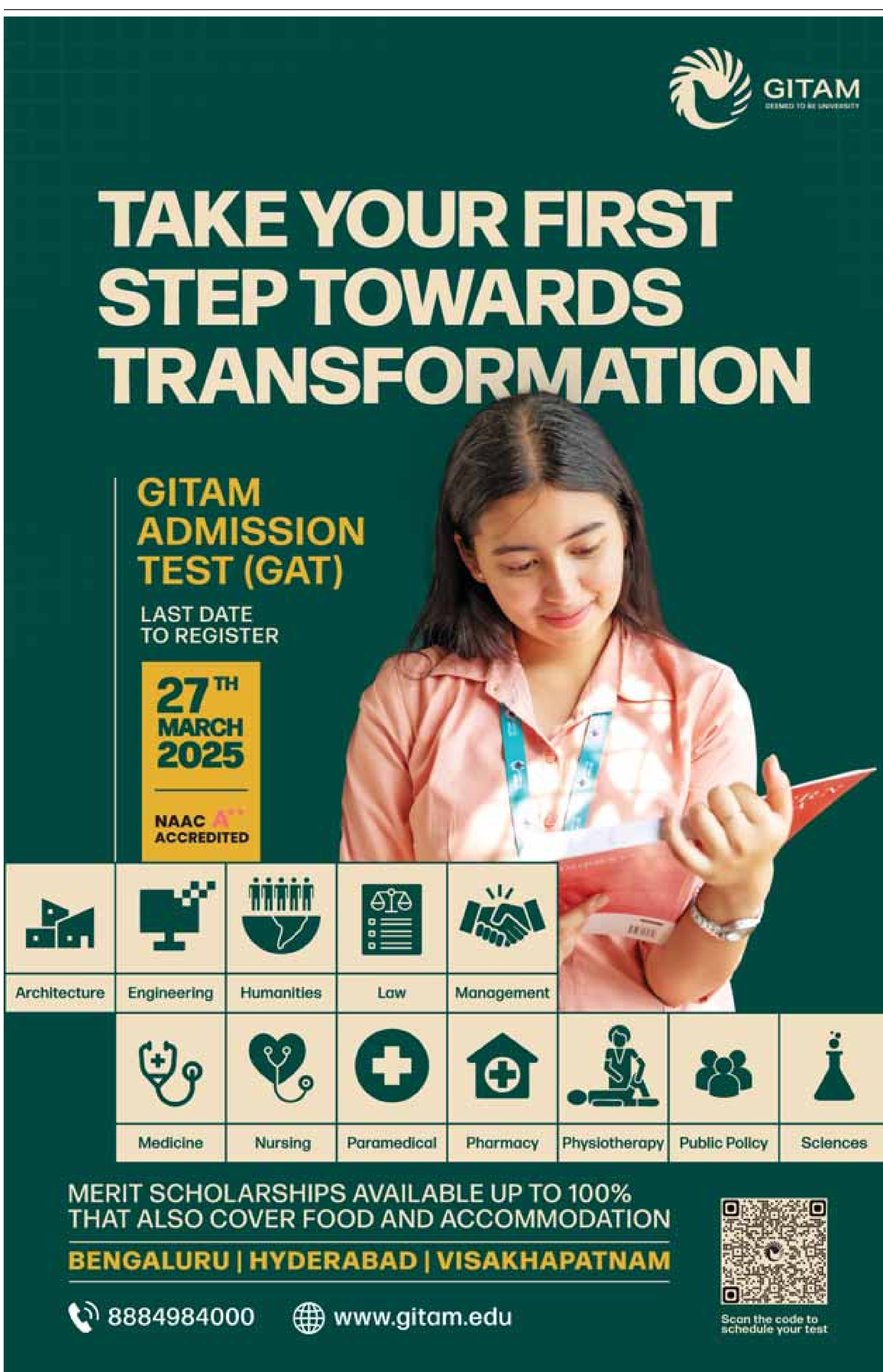

हैप्पीनेस इंडेक्स में भारत की स्थिति पर हो रहा विवाद

गुरु रविशंकर बोले- कठघरे में ऑक्सफोर्ड सूचकांक खुशियां गरीबी से जुड़ी नहीं, भारत में हुए कई सुधार

- भारत में सामाजिक जुड़ाव बहुत ज्यादा
- भारतीय अपने संसाधनों को साझा करते हैं

विदेशी संस्था की तरफ से जारी हालिया हैप्पीनेस इंडेक्स में भारत की स्थिति पर विवाद हो रहा है। पाकिस्तान समेत कई ऐसे देशों को भारत से बेहतर बताया गया है, जहां बीते कुछ समय से हिंसक संघर्ष जैसे हालात हैं। ऐसे में इस सूचकांक की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े रहे हैं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

विश्व खुशहाली सूचकांक 2025 की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर ने इस संबंध में कहा कि सूचकांक में भारत को 118वें नंबर पर दिखाया गया है। जिन देशों या इलाकों में संघर्ष हो रहा है, वैसे कई क्षेत्र भारत से काफी आगे हैं। ऐसे में सूचकांक काफी हैरान करने वाला है। फिलहाल अमेरिका दौरे पर गए रविशंकर ने वाशिंगटन में कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने भारत के मानवीय मूल्यों, समाज में रहन-सहन और समस्याओं पर भी अपनी राय रखी।

सूची में सबसे खुशहाल देश फिनलैंड, सबसे नीचे अफगानिस्तान

फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन, नीदरलैंड, कोस्टा रिका, नॉर्वे, इजराइल, लक्जमबर्ग, मेक्सिको ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, स्विटजरलैंड, बेल्जियम, आयरलैंड, लिथुआनिया, ऑस्ट्रिया, कनाडा, स्लोवेनिया, और चेक गणराज्य शामिल हैं। वहीं, हैप्पीनेस इंडेक्स में सबसे खराब रैंकिंग में सबसे नीचे अफगानिस्तान (नंबर 147), सिएरा लियोन (नंबर 146), लेबनान (नंबर 145), मलावी (नंबर 144) और जिम्बाब्वे (नंबर 143) खुशहाली के मामले में सबसे निचले पांच देशों में शामिल हैं।

भारत में उल्लेखनीय सुधार हुए

श्रीश्री रविशंकर ने कहा कि संघर्ष वाले क्षेत्रों में रह रहे लोगों के बीच अधिक जुड़ाव का तर्क दिया जा रहा है, लेकिन खुशहाली सूचकांक के लिए केवल जुड़ाव ही काफी नहीं है। रविशंकर के मुताबिक आज भारत की स्थिति काफी बेहतर है। बीते एक दशक में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं।

भारत में मानवीय मूल्य बहुत ऊंचे

श्रीश्री रविशंकर ने कहा कि मैंने पूरी दुनिया की यात्रा की है और देखा है कि भारत में मानवीय मूल्य बहुत ऊंचे हैं। बात चाहे करुणा की हो, या जिस तरह से आप मेहमानों तक पहुंचना चाहते हैं, जिस तरह से लोग अपने संसाधनों को साझा करते हैं, सबकुछ अविश्वसनीय है।

पूरा गांव मदद करता है

उन्होंने कहा कि भारत में अगर आपके परिवार के साथ कुछ होता है, तो पूरा गांव उनकी मदद करने के लिए खड़ा हो जाएगा। देश में इस तरह का सामाजिक जुड़ाव बहुत ज्यादा है। बेशक, देश में समस्याएं भी हैं, लेकिन। पिछले एक दशक में बहुत सुधार हुआ है। वास्तव में खुशी या नाखुशी गरीबी से जुड़ी नहीं है।

भारत से ऊपर युद्धग्रस्त देश

गौरतलब है कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की ओर से प्रकाशित वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2025 के अनुसार, खुशहाली सिर्फ आर्थिक विकास से तय नहीं होती, बल्कि इसमें लोगों का आपसी भरोसा और सामाजिक जुड़ाव भी बड़ी भूमिका निभाते हैं। इस रिपोर्ट में लगातार आठवीं बार फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुशी देश माना गया है। इसमें भारत को पाकिस्तान समेत युद्धग्रस्त यूक्रेन व फिलिस्तीन से भी ज्यादा अवसादग्रस्त व असंतुष्ट बताया गया है। इस सूचकांक ने एक बार फिर इस बहस को जन्म दिया है कि क्या इस तरह के वैश्विक सूचकांक वाकई तथ्यों पर आधारित होते हैं? चौंकाने वाली बात यह भी है कि सकल खुशहाली सूचकांक का विचार देने वाला भूटान, जिसकी 2024 की रिपोर्ट में 79वीं रैंकिंग थी, इस वर्ष कोई रैंकिंग नहीं पा सका।

खबर संक्षेप

यूक्रेन पर रूसी हमलों में तीन लोगों की मौत

कीव। यूक्रेनी शहर जापोरीज्जिया पर रूस द्वारा किए गए ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी के क्षेत्रीय प्रमुख इवान फेडोरोव ने जानकारी दी कि इस हमले में आवासीय इमारतों, निजी कारों और सामाजिक अवसंरचना में आग लग गई। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि रूस ने शुक्रवार रात से शनिवार सुबह के बीच 179 ड्रोन भेजे थे।

मैकग्रेगर लड़ेंगे आयरलैंड के राष्ट्रपति का चुनाव

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने के बाद अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) के जाने-माने फाइटर कॉनर मैकग्रेगर ने शुक्रवार को आयरलैंड के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। मैकग्रेगर(यूएफसी के कई बार चैंपियन भी रह चुके हैं। निजी और पेशेवर जिंदगी में लगातार विवादों का हिस्सा रहा है।

नाइजर में जिहादी हमला, 44 की मौत

डाकार। अफ्रीकी देश नाइजर के पश्चिमी हिस्से में एक गांव पर जिहादी समूह द्वारा किए गए एक हमले में कम से कम 44 नागरिकों की मौत हो गई है। हमला शुक्रवार दोपहर फंबिता गांव में हुआ, जो कोकोरोउ की ग्रामीण इलाके में स्थित है और माली तथा बुर्किना फासो की सीमा के करीब है। हमले के लिए इस्लामिक स्टेट इन द ग्रेट सहारा (ईआईजीएस) को जिम्मेदार ठहराया है।

हीथ्रो एयरपोर्ट से आंशिक परिचालन शुरू हुआ

हीथ्रो। यूरोप के सबसे व्यस्त हवाईअड्डे- हीथ्रो पर आंशिक परिचालन शुरू हो गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी की तरफ से शुक्रवार देर रात करीब 11.40 बजे (भारतीय समय) जारी बयान के मुताबिक, लगभग 18 घंटे तक परिचालन बाधित रहने के बाद देर रात पहले विमान की सुरक्षित लैंडिग कराने में सफलता मिली। सबसे पहले लंदन आने वाली उड़ानों को प्राथमिकता मिलेगी।

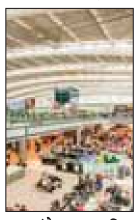

35000 डॉलर में नीलाम हुआ ट्विटर का लोगो

न्यूयॉर्क। ट्विटर के सेन फ्रांसिस्को स्थित मुख्यालय में लगा मशहूर चिड़िया वाला लोगो करीब 35,000 अमेरिकी डॉलर में नीलाम हुआ। एलन मस्क के ट्विटर को एक्स में बदलने के बाद यह लोगो हटा दिया गया था। नीलामी करने वाली कंपनी आरआर ऑक्शन के मुताबिक, इस लोगो का वजन 254 किलो था और यह 12 गुणा 9 फीट का था। खरीदार का नाम नहीं बताया गया।

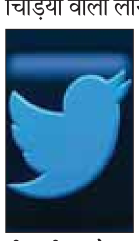

स्वागत से गदगद हुए पीएम लक्सन बोले

मेरी यात्रा के दौरान और मजबूत हुई भारत व न्यूजीलैंड साझेदारी

मुक्त व्यापार समझौते शुरू करने की घोषणा की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने कहा है कि उनकी हाल ही में हुई भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच साझेदारी और मजबूत हुई है। गौरतलब है कि लक्सन 16 से 20 मार्च तक भारत दौरे पर थे, जहां उन्होंने नई दिल्ली और मुंबई का दौरा किया।

भारत से लौटने के बाद लक्सन ने कहा कि भारत, जो दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, न्यूजीलैंड का एक अहम साझेदार बनता जा रहा है। इस सप्ताह मेरी यात्रा के दौरान हमारी साझेदारी और मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत की। हमने व्यापारिक संबंध मजबूत करने पर सहमति जताई और व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता शुरू करने की घोषणा की। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। लक्सन ने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ यह समझौता न्यूजीलैंड के व्यापार को नई ऊंचाई देगा।

रक्षा समझौता भी किया

लक्सन ने आगे कहा कि व्यापार के अलावा, दोनों देशों ने रक्षा सहयोग के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए। इसका मकसद समुद्री सुरक्षा और संचार मार्गों की रक्षा को मजबूत करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समुद्री सुरक्षा को लेकर नियमित बातचीत जरूरी है। बता दें, लक्सन की यह यात्रा महत्वपूर्ण थी, क्योंकि यह 2016 के बाद किसी न्यूजीलैंड पीएम की भारत की पहली यात्रा थी। उनके साथ पर्यटन मंत्री लुईस अप्स्टन, जातीय समुदाय और खेल मंत्री मार्क मिशेल, व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले और एक उच्च-स्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल था।

कई क्षेत्रों में साझेदारी को बढ़ावा

पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने कहा कि यात्रा के दौरान शिक्षा, प्रौद्योगिकी, पर्यटन, निवेश, मैन्युफैक्चरिंग, खाद्य और कृषि जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को बढ़ावा देने पर फोकस रहा। इस दौरान 33 समझौते किए गए, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते व्यावसायिक सहयोग को दर्शाते हैं। लक्सन ने कहा कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंध आर्थिक और रणनीतिक रूप से और मजबूत होंगे, जिससे दोनों को लाभ मिलेगा।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में दी जानकारी

चीन का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं, राजनयिक स्तर पर जताया विरोध, संप्रभुता पर नहीं असर

सीमावर्ती क्षेत्रों के आर्थिक विकास को गति दी जा रही | *सामरिक और सुरक्षा जरूरतों को पूरा कर रहे*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि भारत को चीन के दो नए काउंटी (कस्बे) बनाने की जानकारी मिली है, जिसका कुछ हिस्सा लद्दाख में आता है। सरकार ने कहा कि इसका राजनयिक माध्यमों से 'कड़ा' विरोध दर्ज कराया गया है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि भारत सरकार ने उक्त क्षेत्र में भारतीय भू-भाग पर चीन के अवैध कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। नई काउंटी बनाए जाने से न तो इस क्षेत्र पर भारत की संप्रभुता के संबंध में हमारे दीर्घकालिक रुख पर कोई असर पड़ेगा और न ही इससे चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने 'राजनयिक माध्यमों से इन घटनाक्रमों पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है।'

सीमा के करीब बुनियादी ढांचे में तेजी से सुधार किए जा रहे

विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या सरकार को लद्दाख में भारतीय क्षेत्र को शामिल करते हुए होटन प्रांत में चीन द्वारा दो नई काउंटी बनाने के बारे में जानकारी है, यदि हां, तो सरकार ने इस मुद्दे को हल करने के लिए क्या रणनीतिक और कूटनीतिक उपाय किए हैं। इसके जवाब में विदेश राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि भारत सरकार चीन के होतान प्रांत में तथाकथित दो नई काउंटी की स्थापना से संबंधित चीन की घोषणा से अवगत है। इन तथाकथित काउंटी के अधिकार क्षेत्र के कुछ हिस्से भारत के केंद्र-शासित प्रदेश लद्दाख में आते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इस बात से भी अवगत है कि चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास कर रहा है। भारत सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार पर सावधानीपूर्वक और विशेष ध्यान दे रही है, ताकि इन क्षेत्रों के आर्थिक विकास को गति दी जा सके और साथ ही भारत की सामरिक और सुरक्षा आवश्यकताओं को भी पूरा किया जा सके।

सड़क-पुल और सुरंगों के नेटवर्क में इजाफा

विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि पिछले दशक (2014-2024) में सीमा के पास के इलाकों में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप करने के लिए बजट आवंटन में इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि अकेले सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने पिछले दशक की तुलना में तीन गुना ज्यादा खर्च किया है। उन्होंने कहा कि सड़क नेटवर्क, पुलों और सुरंगों की संख्या में पहले की तुलना में काफी ज्यादा इजाफा हुआ है। इससे स्थानीय आबादी को कनेक्टिविटी देने और सैनिकों को बेहतर रसद पहुंचाने में मदद मिली है।

चीन की काउंटी भारत में नगरपालिका जैसी

लद्दाख के करीब शिनजियान में होतान इलाके में दो नई काउंटी बनाई गई हैं। चीन में काउंटी एक प्रशासनिक इकाई है। इसे 'श्येन' कहा जाता है। काउंटी नगर पालिकाओं के नीचे की इकाई है, इसे कस्बा कहा जा सकता है। किसी काउंटी में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्र आ सकते हैं। चीन ने पिछले साल दिसंबर में होतान प्रांत में दो नई काउंटी हेआन और हेकांग बनाने का ऐलान किया था। तब भारत ने साफ-साफ कहा था इन काउंटियों में मौजूद कुछ इलाके भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का हिस्सा हैं और चीन का दावा पूरी तरह से अवैध है। तब चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर एक डैम बनाने की भी घोषणा की थी।

इस साल शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा इस साल फिर से शुरू करने पर सहमति बन गई है, लेकिन इसके तौर-तरीकों को अब भी तय किया जाना बाकी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान इस तीर्थयात्रा के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कहा यह सहमति बन गई है कि यात्रा 2025 में फिर से शुरू होगी। हालांकि, यह फिर से कैसे शुरू होगी और इसके तौर-तरीके क्या होंगे, इस पर अभी चर्चा होनी बाकी है। सरकार हर साल जून से सितंबर के बीच उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रा (1981 से) और सिक्किम में नाथू ला (2015 से) के दो आधिकारिक मार्गों से कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन करती है।

हमास का एक और शीर्ष कमांडर ढेर, सैन्य खुफिया विभाग का प्रमुख था ओसामा तबाश

इजराइल ने गाजा में फिर हमले शुरू किए

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइली सेना ने शुक्रवार को दावा किया है कि उन्होंने हमास के सैन्य खुफिया विभाग के प्रमुख को ढेर कर दिया है। इजराइली सेना ने कहा कि गुरुवार को दक्षिणी गाजा में एक हमले में हमास की सैन्य इकाई के खुफिया विभाग के प्रमुख ओसामा तबाश की मौत हो गई है। तबाश हमास के सर्विलांस और हमलावर यूनिट का प्रमुख था। हालांकि अभी तक हमास की तरफ से इसे लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। शुक्रवार को ही इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने धमकी दी है कि अगर हमास ने बाकी बंधकों को नहीं छोड़ा तो वे गाजा के कुछ हिस्सों को अपने देश में मिला लेंगे।

गाजा में तुरंत युद्धविराम की मांग की

जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के विदेश मंत्रियों ने शुक्रवार को गाजा में तुरंत युद्धविराम की मांग की। दरअसल इजराइली सेना ने दूसरे चरण के युद्धविराम समझौते पर सहमति नहीं बनने के बाद गाजा में फिर से हमले शुरू कर दिए हैं। संयुक्त बयान में तीनों देशों के विदेश मंत्रियों ने कहा कि गाजा में इजराइली हवाई हमलों का फिर शुरू होना, गाजा के लोगों के लिए पीछे जाने वाला कदम है। हमलों में आम नागरिकों की मौत से हम दुखी हैं और मांग करते हैं कि गाजा में तुरंत युद्धविराम लागू किया जाए।

भारत-ईयू समुद्री सुरक्षा वार्ता

वैश्विक कल्याण और सुरक्षा पर दिया जोर, बढ़ेगा समुद्री सहयोग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने 21 मार्च को दिल्ली में चौथी भारत-ईयू समुद्री सुरक्षा वार्ता आयोजित की। इसमें दोनों पक्षों ने समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा को मजबूत करने और वैश्विक कल्याण के लिए सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुआनपुई सैयावी, संयुक्त सचिव ने किया। वहीं, ईयू प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मेसिएज स्टाडेजेक, निदेशक (सुरक्षा और रक्षा नीति), यूरोपीय बाह्य कार्रवाई

सेवा ने किया। बैठक में दोनों पक्षों ने समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने, अवैध समुद्री गतिविधियों (आईएमए) पर रोक लगाने और महत्वपूर्ण समुद्री बुनियादी ढांचे की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने क्षमता निर्माण और क्षेत्रीय कौशल विकास में संयुक्त प्रयासों को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

भारत-मंगोलिया की द्विपक्षीय बैठक

कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा, रणनीतिक साझेदारी पर जोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और मंगोलिया ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का संकल्प लिया है। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल ही में एक बैठक में द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

इसके अलावा, दोनों देशों ने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में उच्च स्तरीय कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई। भारत के विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने मंगोलिया के विदेश मंत्रालय के राज्य सचिव मुंखतुषिग लखानाजव के साथ परामर्श बैठक की।

क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों साझा किए विचार

इस दौरान उन्होंने विकास साझेदारी, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, संपर्क, संस्कृति, क्षमता निर्माण, खनन, रक्षा और सुरक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। बैठक में दोनों देशों ने विदेश कार्यालय परामर्श को सचिव स्तर तक औपचारिक रूप से अपग्रेड करने का निर्णय लिया। साथ ही, उन्होंने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचार साझा किए।

भारत ने यूएन और एनएम में दिया समर्थन

गौरतलब है कि भारत और मंगोलिया के संबंध ऐतिहासिक रूप से 2,000 साल पुराने हैं। 20वीं शताब्दी में मंगोलिया के एक आधुनिक राष्ट्र बनने के बाद, दोनों देशों ने अपने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत किया। 17 मई 2015 को पीएम नरेंद्र मोदी की मंगोलिया यात्रा के दौरान दोनों देशों ने औपचारिक रूप से रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की थी। भारत ने 24 दिसंबर 1955 को मंगोलिया के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। भारत ने मंगोलिया को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) की सदस्यता दिलाने में भी समर्थन दिया था।

जम्मू-कश्मीर पर्यटकों के लिए बना आकर्षण का केंद्र

बादाम के फूलों से गुलजार हुआ बादामवारी गार्डन

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में बसंत का आगमन होते ही श्रीनगर का बादामवारी गार्डन पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है। इस खूबसूरत बाग में बादाम के पेड़ फूलों से लदे हुए हैं, जिससे पूरा बाग अत्यंत मनोरम हो गया है। यह गार्डन हरी पर्वत किले की तलहटी में स्थित है और इसके आसपास हजरत मखदूम साहिब दरगाह और गुरुद्वारा छट्टी पादशाही जैसे सांस्कृतिक स्थल भी हैं, जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। उद्यानिकी विभाग ने गार्डन को आकर्षक बनाने के लिए लैवेंडर के पेड़ भी लगाए हैं। इसका उद्देश्य इसे थीम गार्डन में बदलना है, जिससे आने वाले वर्षों में यहां और अधिक पर्यटक आकर्षित होंगे।

पास में हजरत मखदूम दरगाह और गुरुद्वारा छट्टी पादशाही | बागीचे को आकर्षक बनाने के लिए लैवेंडर के पेड़ भी लगाए

मार्च से अप्रैल के मध्य लगते हैं फूल

बादाम के पेड़ कश्मीर में सबसे पहले खिलने वाले पेड़ों में शामिल हैं, जो आमतौर पर मार्च के मध्य से अप्रैल के मध्य तक फूलों से लदे रहते हैं। इस दौरान बाग में बादाम के फूलों की भीनी-भीनी खुशबू बिखर जाती है, जो प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिए आकर्षण का केंद्र बन जाती है। बादामवारी गार्डन में बहुरंगी फूलों के बीच से दिखता ऐतिहासिक हरी पर्वत किला एक अद्भुत नजारा पेश करता है।

थीम गार्डन में विकसित करने की योजना

उद्यानिकी विभाग के मुताबिक, गार्डन की लोकप्रियता को देखते हुए इसे और आकर्षक बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हजारों लैवेंडर के पेड़ लगाए गए हैं और इसे थीम गार्डन के रूप में विकसित करने की योजना है। इससे आने वाले वर्षों में यहां और अधिक पर्यटक पहुंचने की उम्मीद है। बादामवारी गार्डन कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक बन गया है। बसंत के मौसम में यह गार्डन प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आदर्श स्थल है, जहां वे फूलों की खूबसूरती और शांति का आनंद ले सकते हैं।

पाटन में दुर्घटना, बिजली कंपनी की लापरवाही के खिलाफ चकाजाम

मासूम भाई-बहन की करंट लगने से मौत, 1 गंभीर

हरिभूमि जबलपुर।

पाटन थाना अतंर्गत देवी सुरैया मोड़ में शनिवार की सुबह 11 केव्ही की लाईन टूटने से उसकी चपेट में आए मासूम भाई बहन की मौत हो गई वहीं एक अन्य बच्चा घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना से गुस्साएं ग्रामीणों ने चकाजाम कर विद्युत कंपनी के कर्मचारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया।

पाटन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरैया मोड़ स्थित राम अग्रवाल के खेत में रहकर मजदूरी करने वाला जबेरा जिला दमोह निवासी सुखदेव प्रधान अपने बच्ची 9 वर्षीय कुमारी पूजा, 5 वर्षीय देव प्रधान और 13 वर्षीय गनेश प्रधान के साथ खेत में बने मकान में रहता हैं। गत दिवस देवी सुरैया मोड़ में चालू हालत में 11 केव्ही लाईन टूटने पर उसकी चपेट में आए कुमारी पूजा, देव प्रधान और गनेश प्रधान को करंट लग गया, जिससे कुमारी पूजा और देव प्रधान की मौके पर ही मौत हो गई वहीं गनेश प्रधान घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शव रखकर ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

तीनों बच्चे खेत के आसपास घूम रहे जानवरों को भगाने गए थे। इसी दौरान खेत के किनारे झूल रहे बिजली के तार की चपेट में आ गए। घटना ग्राम सुरैया टोला में शनिवार सुबह करीब 8 बजे की है। घायल दिलीप पाटन स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती है। बच्चों की मौत की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों ने शवों को पाटन-शहपुरा मार्ग पर रखकर चक्कजाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग की लापरवाही से इतना बड़ा हादसा हुआ है। शिकायत के बाद भी तार नहीं हटाए गए। उन्होंने पाटन में पदस्थ जेई और लाइनमैन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

एमपीईबी में की थी शिकायत

जानकारी के मुताबिक, दो दिन पहले ग्रामीणों ने खेत के किनारे बिजली का तार जमीन पर पड़े होने की सूचना एमपीईबी को दी थी। बिजली विभाग की तरफ से लाइन बंद कर तार ठीक करने का आश्वासन दिया जा रहा था। सुरैया टोला गांव में रहने वाले कुछ ग्रामीणों ने शुक्रवार शाम को भी बिजली विभाग के दफ्तर में जाकर तार को ठीक करने के लिए कहा था। विभाग के कर्मचारियों ने शनिवार को मौके पर जाकर तार सही करने की बात कही थी और शनिवार सुबह यह हादसा हो गया। चकाजाम की सूचना मिलने पर एसडीएम पाटन मानवेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को कार्रवाई का आश्वासन दिया। घटना के संबंध में पुलिस मर्ग कायम कर मामलें की जांच कर रही है।

50 मरीजों को वितरित की गई पोषण आहार किट

जबलपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने तथा टीबी को समाप्त करने के प्रयासों को और अधिक गति प्रदान करने चलाये जा रहे सौ दिवसीय नि-क्षय शिविर अभियान के अंतर्गत शनिवार को मोतीनाला स्थित टीबी यूनिट में आयोजित कार्यक्रम में 50 क्षय रोगियों को पोषण आहार किट के तौर पर ड्राय फ्रूट फूड बास्केट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा भी मौजूद थे। क्षय रोगियों को ड्राई फ्रूट फूड बास्केट का वितरण निक्षय मित्र डॉ शब्बीर हुसैन की ओर से किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा ने बताया कि क्षय रोग के संबंध में किसी को भी किसी प्रकार की भ्रांति नहीं रखनी चाहिये। यह रोग अब बिल्कुल ठीक हो जाता है। जरूरत है, समय पर मरीज की जांच होना और उसका उपचार प्रारंभ हो जाना। उन्होंने कहा कि क्षय रोग की दवाएं बहुत महंगी होती है, लेकिन सरकारी अस्पताल में इसकी जांच और इलाज के साथ ही रोगियों को दवायें भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि अच्छा पोषण आहार क्षय रोगियों को जल्द स्वस्थ होने में बहुत मदद करता है। इसीलिये सरकार द्वारा निक्षय पोषण योजना के तहत प्रत्येक क्षय रोगी को पोषण आहार के लिये प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है। इसके अलावा कोई भी व्यक्ति, गैर सरकारी संस्था, उद्योगपति अथवा व्यवसायी निक्षय मित्र बनकर पोषण प्रोत्साहन के लिये निजी तौर पर क्षय रोगियों को पोषण आहार किट उपलब्ध करा सकता है।

राज्य सरकार लोक सेवा आयोग व अन्य को नोटिस

कुलगुरु की नियुक्ति का मामला हाई कोर्ट पहुंचा

हरिभूमि जबलपुर।

रादुविवि के कुलगुरू डॉ राजेश वर्मा की प्रोफेसर के रूप में मूल नियुक्ति और कुलगुरू के पद पर नियुक्ति को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। मामले पर शनिवार को प्रारंभिक सुनवाई के बाद जस्टिस विवेक जैन की एकलपीठ ने कहा कि इस याचिका में विशुद्ध कानूनी मुद्दा उठाया गया है। कोर्ट ने राज्य सरकार, मप्र लोक सेवा आयोग, उच्च शिक्षा विभाग और रादुविवि के कुलगुरू को को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन जबलपुर के जिला अध्यक्ष सचिन रजक और अभिषेक तिवारी ने याचिका दायर कर आरोप लगाया कि डॉ वर्मा की नियम विरुद्ध तरीके से प्रोफेसर के पद नियुक्ति हुई थी। यूजीसी गाइडलाइन के अनुसार प्राफेसर के पद पर नियुक्ति के लिए पीएचडी डिग्री मिलने के बाद 10 साल अध्यापन का अनुभव जरूरी है।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता उत्कर्ष अग्रवाल ने दलील दी कि डॉ. वर्मा को पीएचडी 25 नवंबर 2008 को प्रदान की गई थी। इसके बाद 19 जनवरी 2009 को एमपीपीएससी ने प्राध्यापक पद पर नियुक्ति का विज्ञापन जारी किया था। इस पद के लिए पीएचडी डिग्री मिलने के बाद 10 साल पढ़ाने का अनुभव जरूरी था। आवेदन करने वालों के पास यह अनुभव विज्ञापन की अंतिम तारीख, यानी 20 फरवरी 2009 तक होनी चाहिए थी। कुलगुरु की प्रथम नियुक्ति जो कि प्रोफेसर के पद पर हुई है, वह नियम के खिलाफ है।

दलील दी गई कि पूर्व में संगीता बारूकर के केस में एमपीपीएससी ने शपथ पत्र में कहा था कि प्रोफेसर में नियुक्ति के लिए पीएचडी के बाद कम से कम 10 साल टीचिंग का अनुभव होना चाहिए, जो कि डॉक्टर राजेश वर्मा के केस में नहीं है। तर्क दिया गया कि जब मूल नियुक्ति नियम विरुद्ध है तो कुलगुरू के पद पर नियुक्ति वैधानिक कैसे मानी जा सकती है।

कलेक्टर व हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश का पालन न करने का आरोप

एमपी नगर भोपाल के पूर्व व वर्तमान तहसीलदार को हाजिर होने के निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने पूर्व आदेश की नाफरमानी पर भोपाल में पदस्थ वर्तमान व पूर्व तहसीलदार को हाजिर होने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 24 अप्रैल को नियत की है। याचिकाकर्ता पंजाब नेशनल बैंक की ओर से अधिवक्ता कपिल दुग्गल ने अवमानना याचिका पर पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि राजधानी भोपाल के एमपी नगर जोन क्रमांक-एक में स्थित कान्हा कैसल होटल की प्रापर्टी के वैधानिक दस्तावेज को बंधक रखकर उसके संचालकों ने बैंक से लोन लिया था। बैंक से लोन लेने के बाद उन्होंने किशत जमा नहीं की थी। बैंक ने सरफेसी एक्ट के अंतर्गत संपत्ति पर कब्जे के लिए जिला कलेक्टर के समक्ष आवेदन दायर किया था। कलेक्टर ने बैंक के पक्ष में आदेश पारित करते हुए तहसीलदार एमपी नगर को कब्जा सुपुर्द करने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर द्वारा पारित आदेश का पालन तहसीलदार द्वारा न किए जाने पर बैंक ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसकी सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने तहसीलदार को 60 दिनों में बैंक को कब्जा सुपुर्द करने के आदेश जारी किए थे। हाईकोर्ट के उक्त आदेश का भी पालन नहीं किया गया। लिहाजा, अवमानना याचिका दायर की गई। हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि पूर्व में तहसीलदार को आदेश के परिपालन के लिए निर्देश जारी किए गए थे, जिसका पालन नहीं हुआ। इस पर पूर्व व वर्तमान तहसीलदार हाजिर होकर स्पष्टीकरण पेश करने को कहा।

कचहरी दरगाह में हुआ अफ्तार

जबलपुर। हाईकोर्ट के सामने स्थित हजरत ख्वाजा अमीनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह कचहरी वाले बाबा साहब की दरगाह बीसवें रोजे पर मुफ्ती ए आज़म मध्यप्रदेश हजरत मौलाना मोहम्मद मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी की सरपरस्ती में विशाल रोजा अफ़्तार का एहतेमाम किया गया, जिसमें हजरत मौलाना इनामुल हक कादरी, रफीक खान, सादिक खान, सैय्यद कादिर अली कादरी, एसके मुद्दीन, सरदार टीटू जग्गी, नरेश मलिक, ताहिर खान सहित काफी तादाद में रोजेदारों ने शिरकत की। खादिम ए आला चंगेज खान अशरफी ने इस मौके पर बताया कि बाबा साहब की दरगाह में सभी धर्म के लोग हाजरी पेश करने आते हैं और आज भी सभी धर्म के लोग अफ़्तार ए आम में शामिल हुए हैं और कौमी एकता भाईचारे का पैगाम दिया है। अफ़्तार बाद मगरिब की नमाज अदा की गई और मुल्क की तरक्की खुशहाली की दुआएं मांगी गईं। सज्जादानशीन बाबर खां बंदानवाजी, खादिमे आला चंगेज खान अशरफी ने तमाम रोजेदारों का शुक्रिया अदा किया। जुमा- रमजान शरीफ के तीसरे जुमे पर नगर एवं उपनगर की 100 से ज़्यादा मस्जिदों व नमाजगाहों में दोपहर डेढ़ बजे जुमा की नमाज अदा की गई। सभी मस्जिदों में हज़ारों की तादाद में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज अदा की और दुआएं मांगी।

माता गुजरी महिला महाविद्यालय में विदाई समारोह आयोजित

जबलपुर। माता गुजरी महिला महाविद्यालय में 20 मार्च 2025 को एम.ए. फाइनल ईयर, बीए थर्ड ईयर और बीए फोर्थ ईयर की छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जो एक यादगार और भावपूर्ण क्षण था। इस समारोह का आयोजन इंचार्ज डॉ. दीप्ति मिश्रा और डॉ. अंजु मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया, जिन्होंने इसे एक सफल और यादगार आयोजन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।समारोह में बी.ए. फोर्थ सेमेस्टर और एमए सेकंड सेमेस्टर की छात्राओं ने अपने सीनियर्स के लिए ग्रुप डांस और स्पीच प्रस्तुत की, जो बहुत ही प्रभावशाली और भावपूर्ण थे। इसके अलावा, तृतीय वर्ष, चतुर्थ वर्ष और एमए फाइनल की छात्राओं को रैंप वॉक कराया गया, जिसमें सभी छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपना जलवा बिखेरा। इस समारोह में कुछ छात्राओं को विशेष पुरस्कार दिए गए, जिनमें मिस फेयरवेल संजना चक्रवर्ती, मिस फैशन इस्टा अंशिका तिवारी, बेस्ट वॉक श्वेता चौधरी, बेस्ट स्माइल निशा चौधरी और अन्य शामिल थे। इसके अलावा छात्राओं ने पासिंग द पार्सल, दमशराज, टैलेंट हंट और पिरामिड जैसे गेम्स में भाग लिया और खूब सारे प्राइजेज जीते।

रॉयल राजपूताना लेडीज क्लब का होली मिलन आयोजित

जबलपुर। रॉयल राजपूताना लेडीज क्लब के सौजन्य से होली महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन में 18 मार्च को जावाली पैलेस धनवंतरी नगर में लगभग 200 राजपूत महिलाएँ पारंपरिक उत्साह के साथ शामिल हुईं। खास बात यह है कि अधिकांश महिलाओं ने फाग महोत्सव की पारंपरिक परंपरा को संजोते हुए फाग परिधान में गोपियाँ बनकर अनेक ईनाम जीते, जो हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को जीवंत करता है। कृष्ण स्वरुप में वैभव गुप्ता ने अपनी प्रस्तुति और फूलों की होली से वृन्दावनमय कर दिया। कुछ कलाकार डायरेक्टर्स प्रिया सिंह, रत्ना सिंह, अनुराधा सिंह और शेफाली सिंह ने मिलकर शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में संरक्षक माला राकेश सिंह, सुजाता लेखराज सिंह, डॉ. तनु सिंह, उमा सिंह, विश्रान्ति सिंह, डॉ. अनसुईया सिंह, डॉ. शोभा सिंह, मोनिका सिंह, दीपमाला सिंह, सुनीता सिंह और संस्थापक डॉ. आराधना सिंह, सहसंस्थापक अल्पना परिहार, प्रियंका कलचुरी, डायरेक्टर्स सीमा सिंह, प्रिया सिंह, सुनीता भदौरिया, रहे।

युवा कांग्रेस नेता सहित अन्य पर चाकू चलाने के आरोपित को जमानत नहीं

जबलपुर । जिला अदालत ने युवा कांग्रेस नेता रितेश तिवारी उर्फ चिंटू, विजय उर्फ सोनू श्रीवास, पुरुषोत्तम पासी व विनय श्रीवास पर चाकू से हमला करने के आरोपित एक्स सर्विस मैन रंजीत सिंह को जमानत देने से इनकार कर दिया। अपर सत्र न्यायाधीश अजय रामावत की अदालत ने आरोपी की जमानत अर्जी निरस्त कर दी। फरियादी आपत्तिकर्ता विजय श्रीवास सहित अन्य की ओर से कोर्ट को बताया गया कि 13 मार्च, 2025 को आरोपित रंजीत सिंह दुकान पर पहुंचा। वहां टिकट बुक कराने को लेकर विवाद हो गया। इसी दौरान मोटर साइकिल से चाकू निकालकर फरियादी पक्ष पर हमला बोल दिया। इससे सभी लहुलुहान हो गए। हमले से पूर्व आरोपित गाली-गलौच करते हुए कह रहा था कि मैं आर्मी से रिटायर हुआ हूं। मेरा दम देखना है। यह कहकर उसने चाकू निकलकर हमला कर दिया। इससे क्षेत्र में दहशत फैल गई। गंभीर रूप से घायल फरियादियों को अविलंब जबलपुर अस्पताल ले जाया गया।

एपीएन स्कूल में ग्रेजुएशन सेरेमनी आयोजित

हरिभूमि जबलपुर।

एपीएन सीबीएसई सीनियर सेकण्डरी स्कूल सदर में ग्रेजुएशन सेरेमनी का प्रारंभ सरस्वती जी के पूजन के साथ हुआ। यूकेजी के विद्यार्थियों ने क्लास फस्ट में प्रवेश किया। अभिभावकों द्वारा संस्था की शिक्षा को सराहा गया। शाला के अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय प्रतियोगिता का समय है, हमारे शिक्षक, शिक्षिकाएं विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने के लिए लगातार प्रयासरत हैं और विद्यार्थियों को नई-नई तकनीक के माध्यम से शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, जिससे विद्यार्थी उन्नति की ओर अग्रसर हो सकें एवं इन विद्यार्थियों का भविष्य सुनहरा हो सके, जिसके परिणामस्वरूप हमारी शाला के विद्यार्थी लगातार उन्नति की ओर अग्रसर हो रहे हैं। कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में संस्था सहसचिव मयंक श्रीवास्तव, महाविद्यालय रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंग, सीबीएसई प्राचार्य महेश मोरे, उप प्राचार्य स्वाति नोटियाल, कोआर्डिनेटर जतिन कोहली, स्टेट बोर्ड प्राचार्य अजय वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिल्पी शुक्ला, रिचा राकेश, ममता दीक्षित का योगदान रहा। कार्यक्रम में सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं उपस्थित थे, कार्यक्रम का संचालन शिल्पी शुक्ला एवं रिचा राकेश ने किया।

गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ का निशुल्क चिकित्सा शिविर आज

जबलपुर। वरिष्ठ संघ समिति द्वारा आज रविवार को प्रथम सत्र में प्रातः 9.30 बजे से सार्वजनिक नि शुल्क चिकित्सा शिविर अभिलाष पाण्डेय विधायक के मुख्य आतिथ्य में एवं डॉ एल एल अहिरवाल, डाक्टर श्याम जी रावत के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया गया है। द्वितीय सत्र में स्थापना दिवस एवं वार्षिक सभाआयोजित किया गया है। इसमें मुख्यअतिथि राधेश्याम कुचिया पूर्व अध्यक्ष महासभा एवं विशिष्ट अतिथि द्वय राधेश्याम सेठ मंत्री महासभा वरिष्ठ संघ एवं रामेश्वर नीखरा, पूर्व सांसद रहेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट समाजसेवी संज्ञाओं का सम्मान, नये सदस्यों का सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम गहोई वैश्य पंचायती भवन, तमरहाई चौक जबलपुर में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता इं कमल कांत गुप्ता बहरे, अध्यक्ष, गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ म प्र जबलपुर करेंगे।

हॉटलाइन मेंटेनेन्स करने वाले कर्मियों का भत्ता हुआ दोगुना

जबलपुर। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश पर एक बार पुनः मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कम्पनी (एम.पी. ट्रांसको) में एकस्ट्रा हाईटेंशन लाइनों एवं सबस्टेशनों का हॉटलाइन पद्धति से बिना शटडाउन लिये मेंटेनेन्स जॉब या ऑपरेशन करने वाले कर्मियों के भत्ते में दोगुनी बढ़ोतरी की गई है। साथ ही प्रति ऑपरेशन के लिये दिये जाने वाले भत्ते में भी दोगुनी वृद्धि कर दी गई है। पहले जहाँ यह 6 रुपये से 40 रुपये के मध्य मिलता था, अब यह 12 रुपये से 80 रुपये तक प्रति जॉब, ऑपरेशन के हिसाब से मिलेगा। उल्लेखनीय है कि हॉटलाइन पद्धति के माध्यम से बिना शटडाउन लिये एकस्ट्रा हाईटेंशन लाइनों का मेंटेनेन्स जॉब करने के लिये कार्मिक की सहमति आवश्यक होती है, एम.पी. ट्रांसको द्वारा उन कार्मिकों को बैंगलुरु के केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण से प्रशिक्षण दिलवाने के बाद ही वह जॉब या आपरेशन के लिये पात्र होता है। जॉब या हाटलाइन आपरेशन अत्यंत जोखिम भरा होने के कारण कार्मिकों को यह भत्ता दिया जाता है।

आदेश हुए जारी

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की पहल पर एम.पी ट्रांसको के कार्मिकों को हाट लाइन मेंटेनेंस भत्ते में 2013 के बाद बढ़ोतरी की गई। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने इस संबंध में कल आदेश जारी भी कर दिये हैं।

संविदा कार्मिको को भी मिलता है हाट लाइन भत्ता

इसके पहले ऊर्जा मंत्री के निर्देश पर ही एम.पी. ट्रांसको में कार्यरत संविदा कार्मिकों को भी हॉटलाइन मेंटेनेन्स प्रशिक्षण देकर उन्हें भी हॉटलाइन भत्ता दिया जाता है पहले यह सिर्फ नियमित कार्मिकों के लिए लागू था।

जबलपुर में आयोजित हुआ तकनीकी समागम

एमपी ट्रांसको के फ्रंट लाइन कार्मिक हैं कनिष्ठ अभियंता : एमडी

जबलपुर। जबलपुर में आयोजित कनिष्ठ अभियंताओं के प्रदेश स्तरीय तकनीकी समागम को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसकों) के प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी ने कहा कि कनिष्ठ अभियंता उच्च अधिकारियों और फील्ड के कर्मियों के बीच की एक महत्वपूर्ण कड़ी है जो फ्रंटलाइन कार्मिक के रूप में कार्य करते हैं। तरंग ऑडिटोरियम में आयोजित हुए इस समागम में उन्होंने कहा कि कनिष्ठ अभियंता एमपी ट्रांसको की धुरी हैं और राष्ट्रीय स्तर पर कंपनी की हर उपलब्धि में इनका विशिष्ट योगदान रहता है।

उन्होंने उपस्थित कनिष्ठ अभियंताओं का आह्वान करते हुए कहा कि सभी कंपनी की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी को ध्यान में रखकर सतर्कता ,सजगता, पूर्ण मनोयोग व आत्मविश्वास के साथ मेंटेनेंस कार्य करवाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में तेजी से बदल रही तकनीकों से सामंजस्य बना कर ही वे बेहतर इंजीनियर बनकर अपना उत्तरदायित्व निभा सकते हैं। उन्होंने कनिष्ठ अभियंताओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि जबलपुर में आयोजित हुई प्रशिक्षण कार्यशालाओं के कारण उनकी कार्य कुशलता, सोच, समर्पण में अद्भुत सुधार आया है।

टेक्निकल सेशन में साझा हुई विविध जानकारियां कनिष्ठ अभियंताओं के इस प्रदेश स्तरीय तकनीकी समागम के सूत्रधार और संयोजक मुख्य अभियंता श्री प्रवीण गार्गव ने बताया कि एमपी ट्रांसको में पहली बार आयोजित कनिष्ठ अभियंताओं के इस तकनीकी समागम में प्रदेश भर से कंपनी के लगभग 350 कनिष्ठ अभियंताओं ने हिस्सा लिया। श्री गार्गव ने बताया कि इस समागम में ज्ञान को साझा करने, सहयोग को बढ़ावा देनें, पेशेवर विकास, नेटवर्किंग को सुविधाजनक बनानें, कंपनी की वर्तमान में चल रही परियोजनाओं के साथ भविष्य की योजनाओं आदि के संबंध में विचार विमर्श हुआ। इस समागम के दौरान कंपनी में क्रियान्वयन के तहत नवीन एवं भविष्य में उपयोग की जाने वाली अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का एक प्रेजेंटेशन भी दिया गया। इस दौरान कनिष्ठ अभियंताओं ने कंपनी के कार्य से संबंधित मुद्दों पर उच्च प्रबंधन से वार्तालाप भी किया। कनिष्ठ अभियंताओं के लिए एक तकनीकी प्रश्नोत्तरी प्रतिस्पर्धा भी आयोजित की गई।

भाजपा का स्नेह मिलन कार्यक्रम

एक भारत-श्रेष्ठ भारत की कल्पना को लेकर हम आगे बढ़ रहे

हरिभूमि जबलपुर।

एक भारत श्रेष्ठ भारत की कल्पना को साकार करते हुए बिहार दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जबलपुर द्वारा स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि रिटायर्ड सूबेदार राम सिंहासन राय, नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, महामंत्री पंकज दुबे, रजनीश यादव, पूर्व पार्षद श्रीमती विदामो सिंह, उप्र बिहार महासंघ के संयोजक डॉ राजेश जायसवाल की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम एवं बिहार गान के गायन साथ हुआ। इसके पश्चात बिहार से जबलपुर को अपनी कर्मभूमि बनाने वाले जनों का सम्मान किया गया।

भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में सबका साथ और सबका विकास के भाव को लेकर कार्य कर रही है और इसी उद्देश्य को लेकर संगठन ने तय किया कि बिहार दिवस के अवसर पर जिनकी जन्मभूमि तो बिहार रही पर कर्मभूमि उन्होंने जबलपुर को बनाया ऐसे हमारे वरिष्ठजनों, साथियों और मातृशक्ति के साथ स्नेह मिलन का कार्यक्रम किया जाए और सम्मान किया जायेगा।

सोनकर ने कहा बिहार हमारे देश का ऐसा प्रदेश है जिसकी संस्कृति और संस्कार हमे एक दूसरे से जोड़ते है चाहे सनातनी परंपरा को मानने वाले सिख संप्रदाय हो, जैन पंत हो या अलग अलग जातियों के लोग हो सभी का बिहार से नाता रहा है। बिहार का एक गौरवशाली इतिहास रहा है, नालंदा विश्वविद्यालय, वैशाली नगर, पाटलीपुत्र नगर, सीतामढ़ी जैसा पुरातन इतिहास हमारे बिहार का रहा है। पूर्व में बिहार एक समृद्ध और वैभवशाली प्रदेश रहा है किंतु बिहार के लंबे समय तक सत्ता में राजनैतिक पार्टियों ने वहां जातिवाद को बढ़ावा दिया पर विकास पर ध्यान नहीं दिया इसका परिणाम हुआ कि तेजी से पलायन होने लगा किंतु भाजपा की सरकार केंद्र और प्रदेश में बनने के बाद से बिहार तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में हम एक विकसित बिहार देखेंगे। कार्यक्रम को विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, उप्र बिहार महासंघ के संयोजक डॉ राजेश जायसवाल ने संबोधित करते हुए कहा बिहार के गौरवशाली इतिहास, परंपरा, संस्कृति पर संवाद किया।

स्नेह मिलन के कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा अनिल कुमार ओझा, आनंद मिश्रा, सुदामा सिंह, अनंत मिश्रा, राजकुमार सिन्हा, एम एस सिंह, अमरेंद्र नारायण श्रीवास्तव, ब्रजकिशोर बिहारी, श्रीमती अन्नू सिंह, प्रिया उज्ज्वल, पुष्पा तिवारी, शैलेश सिंह, उमेश चंद्र दिवेदी, राजेंद्र प्रसाद का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री रजनीश यादव एवं आभार महामंत्री पंकज दुबे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अभय सिंह ठाकुर, जय सचदेवा, रंजीत पटेल, अरविंद कहार, विश्मभर सिंह, नागेंद्र सिंह, रूपा राव, शिवा चौधरी, श्रीकांत साहू, रवि शर्मा के साथ पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निकलेगी भव्य साइकिल रैली, विशाल प्रभात यात्रा

चेटीचंड महोत्सव पर होंगे दस दिवसीय कार्यक्रम

जबलपुर। भगवान श्री झूलेलाल के अवतरण दिवस चेटीचंड महोत्सव के पावन अवसर पर 10 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, स्वामी रामदास महाराज (महंत श्री विष्णु धाम), स्वामी अशोकानंद महाराज (महंत भक्ति धाम), स्वामी प्रदीप महाराज (युगल धाम) के पावन सानिध्य में अशोक ईश्वरदास रोहाणी (विधायक) की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में 25 मार्च को सुबह 7:00 बजे एक विशाल साइकिल रैली का आयोजन किया गया है जो श्री झूलेलाल मंदिर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए सिंधु भवन घंटाघर में समाप्त होगी। 26 मार्च को ब्रह्माकुमारी साध्वी बहन मीना द्वारा आध्यात्मिक सत्संग का कार्यक्रम शाम 5 से 7 बजे तक श्री झूलेलाल मंदिर में रखा गया है, 28 मार्च 2025 को सिंधियत आनंद मेला सिंधु जागृति महिला सेवा समिति द्वारा सिंधु भवन घंटाघर में शाम 4 से 10 बजे तक आयोजित है, 29 मार्च को श्री झूलेलाल प्रभात शोभायात्रा का आयोजन सुबह 7:00 बजे श्री झूलेलाल मंदिर से प्रारंभ होकर नगर का भ्रमण करते हुए सिंधु भवन में समापन होगा, तत्पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया है 30 मार्च को चेटीचंड के दिन सुबह 8:00 बजे पूज्यना साहब जी की ज्योति प्रज्जवलित की जाएगी तथा शाम 07 बजे से विशाल शोभा यात्रा सिंधु भवन घंटाघर से प्रारंभ होकर बड़ी ओमती, भरतीपुर, मुकदमगंज, तुलाराम चौक, करमचंद चौक से कॉफी हाउस रोड होते हुए श्री झूलेलाल मंदिर में समाप्त होगी, जिसमें अनेक झांकियां, बैंड दल शामिल होंगे।

सेंट मेरीज हायर सेकण्डरी स्कूल का दीक्षांत समारोह संपन्न

जबलपुर। सेंट मेरीज हायर सेकण्डरी स्कूल वीएफजे जबलपुर ने एक भव्य किंडरगार्टन दीक्षांत समारोह का आयोजन किया, जो नन्हें विद्यार्थियों की शैक्षिक यात्रा में मील का पत्थर साबित हुआ। समारोह की शुरुआत इंचार्ज रेणु सूरी और कामेश्वरी द्वारा प्री प्राइमरी विद्यार्थियों के शैक्षणिक और अन्य सहपाठ्यक्रम गतिविधियों में कार्यक्रम और उपलब्धियों के परिचय के साथ हुई। इसके बाद रंग-बिरंगे परिधानों में प्रायमरी कक्षा के विद्यार्थियों ने नन्हें स्नातकों को संबोधित करते हुए स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। स्कूल के उपाध्यक्ष रेवरेंड फादर शाजी पी जोशुआ ने यूकेजी के नन्हें बच्चों को उनके बेहतर भविष्य के लिए आशीर्वाद और बधाई दी। प्रधानाचार्य मिनाती एस चार्ल्स ने इस प्रीप्रायमरी स्तर पर मूल्यों और मूल कौशलों के विकास के साथ प्रारंभिक बचपन की शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। किंडरगार्टन के बच्चों ने अपनी रचनात्मकता, प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समारोह का समापन प्री प्रायमरी इंचाज्र गुरप्रीत गुजराल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने अभिभावकों, शिक्षकों और स्कूल प्रशासकों को उनके समर्थन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

श्रीराम जन्मोत्सव तैयारियों के लिए बैठक आज

जबलपुर। श्री राम मंदिर मदन महल में आगामी 30 मार्च से 6 अप्रैल 2025 तक श्री राम जन्मोत्सव बड़े ही धूम धाम से लगातार 57 वें वर्ष मनाया जायेगा । राम जन्मोत्सव आयोजन के लिए रविवार 23 मार्च 2025 को सुबह 11:30 बजे सामान्य बैठक आयोजित है। श्री राम जन्मोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देने श्री राम भक्तों से बैठक में पधार कर श्री राम काज में धर्म प्रेमियो से सहभागिता करने का आग्रह संयोजक गुलशन मखीजा,रमेश शर्मा, गीता पांडे, मनोज शर्मा, जितिन नारंग,मनीष पोपली, शैलू कपूर,अनिल जग्गी,राहुल सहगल पुनीत गुलाटी,योगेश अबरोल,नवीन हांडा,श्री राम मन्दिर समिति,महिला मंडल,नवयुवक मंडल ने की है।

"होला महल्ला, रंग दे बसंती" सांस्कृतिक आयोजन के साथ मनाई जाएगी पंजाबी होली

जबलपुर। पंजाबी साहित्य अकादमी भोपाल द्वारा 24 मार्च को स्थानीय सभागार मानस भवन में रंग-बिरंगे सांस्कृतिक परिवेश में पंजाबी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ होली का पावन त्यौहार "होला महल्ला एवं रंग दे बसंती" के रूप में मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में पंजाबी साहित्य अकादमी के निर्देशक सरदार इन्द्रजीत सिंह खनूजा भी शामिल होने भोपाल से जबलपुर आ रहे हैं। इस संदर्भ में पंजाबी साहित्य अकादमी जबलपुर संभाग के संयोजक अजीत सिंह नैय्यर सीटू ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में पंजाब से कलाकारों के एक विशेष दल का आगमन हो रहा है, जो भांगड़ा, गिद्दा, बेलिया, टप्पे आदि की अपनी विशेष प्रस्तुति देंगे, यह कार्यक्रम संस्कारधानीवासियों के लिए पूर्णतः निःशुल्क आयोजित किया जा रहा है। प्रेस वार्ता को पूर्व राज्यमंत्री हरेन्द्रजीत सिंह बब्बू ने भी संबोधित किया। प्रेस वार्ता में केन्द्रीय गुरुसिंह सभा से राजेन्द्र छाबड़ा, गुलजीत साहनी, प्रताप सिंह विर्दी, हरमिंदर सिंह ब्रोका, सतपाल सिंह संधू, विशेष रूप से सम्मिलित रहे।

बिजली कम्पनी की कुर्की कार्रवाई, मोटर साईकिल, ट्रेक्टर, चल-अचल संपत्ति सब कर रही जप्त

सिहोरा। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी स्लिमनाबाद उप संभाग के अंतर्गत कुल पांच वितरण केंद्र बहोरीबंद, बाकल, बचैया, स्लीमनाबाद एवं तेवरी आते है जिसमें कुल 54465 उपभोक्ताओं पर 21 करोड़ 22 लाख की बकाया राशि है।

12 करोड़ राजस्व संग्रहण का दिया लक्ष्य

वित्तीय वर्ष 2024 -25 की समाप्ति में मात्र 9 दिन शेष बचे हैं परंतु आज दिनांक तक 11888 उपभोक्ताओं पर मात्र एक करोड़ 42 लाख का राजस्व संग्रहण हो सका है। जबकि शासन की ओर से 12 करोड़ का राजस्व संग्रहण का लक्ष्य दिया गया है एवं 80 प्रतिशत उपभोक्ताओं से बकाया राशि जमा करने का लक्ष्य दिया गया है।

वसूली के लिए 8 टीमों का किया गया गठन

समय की कमी के कारण 8 टीम अलग-अलग वितरण केंद्रों में बकायेदार उपभोक्ताओं के बकाया राशि जमा न होने पर कुर्की की कार्रवाई की जा रही है जिसमें मोटरसाइकिल,ट्रैक्टर,समरसेबल पंप,कुलर एवं चल अचल संपत्ति बैंक अकाउंट सीज किया जा रहा है। जप्त सामग्री की नीलामी हेतु कार्रवाई की जा रही है 90 प्रतिशत से अधिक बकायदार उपभोक्ताओं वाले ग्राम को बंद किया जा रहा है। उपभोक्ताओं से बिजली कम्पनी ने अपील कि है की वह अपनी बकाया राशि तत्काल जमा कराकर शासन के कार्यों में सहयोग प्रदान करें एवं होने वाली कार्रवाई से बचे।

यादव महाससभा का युवक, युवती परिचय सम्मेलन आज

जबलपुर। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा जबलपुर के द्वारा 23 मार्च 2025 रविवार को विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन प्रदेश अध्यक्ष भारत सिंह यादव की अध्यक्षता में महेश भवन, गोपालबाग दमोहनाका में पूर्वान्ह 11 से शाम 4 बजे तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें परिचय सम्मेलन, फूलों की होली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। परिचय सम्मेलन में जबलपुर संभाग (जबलपुर, मंडला, डिंडोरी, नरसिंहपुर, कटनी, सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा) और मध्यप्रदेश अन्य जिलों से यादव समाज के स्वाजातीय बन्धु शामिल होने जा रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थिति का आग्रह प्रदेश अध्यक्ष भारत सिंह यादव, शहर अध्यक्ष चंदन सिंह यादव, ग्रामीण अध्यक्ष राममिलन यादव, महिला प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष विनीता यादव, जिलाध्यक्ष सुमन यादव, महिला शहर अध्यक्ष तृप्ति यादव, महिला ग्रामीण अध्यक्ष उमेदा यादव, प्रदेश महिला महासचिव कमलेश यादव, युवा शहर अध्यक्ष शशांक यादव, प्रभा यादव, हेमलता यादव, रचना यादव, आदि ने किया है।

ॐ नमः शिवाय के जाप से होता है हर रोगों का नाश : हरिओम देव

सिहोरा। निकटवर्ती ग्राम जुनवानी पहरेवा में चल रहे शिव पुराण में पंडित हरिओम देव जी महाराज ने कहा कि शिवलिंग पर चढ़ा हुआ जल पीना बहुत ही शुभ होता है शिव पुराण में बताया गया है कि इस जल के सेवन से सभी रोगों से मुक्ति मिलती है तथा व्यक्ति का मन शांत रहता है और मानसिक तनाव दूर होता है शिव पुराण की कथा पढ़ने या सुनने से पहले शिवजी का ध्यान करते हुए संकल्प लेना चाहिए। आगे कहा शिव पुराण को महर्षि वेद व्यास ने लिखा था जिसमें शिवजी के मूल मंत्र 'ॐ नमः शिवाय' के बारे में बताया गया है इस मंत्र का जाप करने से शरीर हमेशा रोग मुक्त रहता है जबकि शिव पुराण में कलियुग के बारे में बताया गया है कि इस युग में अधार्मिक और असंस्कारी लोग सत्ता हासिल करेंगे।सुबह भक्तों ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण कर उनका पूजन अभिषेक रुद्राभिषेक किया। कथा के पूर्व रघुनाथ खम्परिया, मिथला खम्परिया, बिहारी खम्परिया, रजनी खम्परिया, मनोज खम्परिया, अंकिता खम्परिया, अतुल खम्परिया, स्वाति खम्परिया, लकी खम्परिया आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया।

सहारा के निवेशकों ने राशि वापस दिलाने सांसद दुबे को लिखा पत्र

सिहोरा के हजारों निवेशकों के फंसे हैं लाखों

सिहोरा। सहारा इंडिया में जबलपुर,सिहोरा,कटनी तथा उससे लगे अनेक ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने निवेश किया है। वही राशि वापस दिलवाने के लिए अनेक निवेशकों ने जबलपुर सांसद आशीष दुबे को पत्र लिखकर अपनी परेशानियों से अवगत कराया है तथा सहयोग की अपेक्षा की है। वर्ष 2016 से आज 2025 के बीच लोगों की जमा की गई रकम की मेचारिटी हो चुकी पर अभी तक लोगों को रिर्टन नहीं मिला है। सन 2023 जुलाई माह में केन्द्रीय गृह मंत्री ने सहारा निवेशकों को रिर्टन हेतु सहारा रिर्टन पोर्टल ऐप जारी किया जिसमें कहा गया था कि सभी निवेशक रिर्टन पोर्टल में अपना रजिस्ट्रेशन करा लेवे। 45 दिन के बाद रिर्टन भुगतान प्रक्रिया लागू होगी लगभग 3 माह बाद आनलाइन से पता किया गया तो बतलाया गया की रिर्टन पोर्टल में कुछ त्रुटियां हैं जिसके कारण नया रिर्टन पोर्टल एप जारी होगा। जब फिर ऐप देखा तो उसमें बताया गया कि दस्तावेजो से पोर्टल में मिलान नहीं हो रहा है सहारा आफिस जाकर त्रुटियों में सुधार करायें।ऐसी स्थिति में रिर्टन पोर्टल ऐप चालू कराने की भी मांग की है जो कि सन 2023 में रजिस्ट्रेशन के बाद से बंद है। निवेशकों ने पत्र के माध्यम से बताया कि जब यहां का आफिस ही बंद है तो निवेशक आखिर कहा जाये।कुछ निवेशकों की मृत्यु हो गई तथा जिसमें पत्नी या बच्चे नामिनी है वो भी परेशान हैं बेटी की शादी या अन्य कार्य के लिए खुद की जमा की गई राशि नहीं मिल पा रही है। निवेशक आखिर क्या करें उसे कुछ समझ में सहारा में खाता खोलने वाले अधिकांश मध्यम वर्गीय जो सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं। और सभी की नजरे जबलपुर सांसद की ओर टिकी है और सभी उनसे ही सहयोग की अपेक्षा कर रहे हैं।

सहारा निवेशकों में धर्मेन्द्र चौरसिया, मनोज गुप्ता, श्यामू चौरसिया, करतार सिंधी, गोरेलाल यादव, मुकेश पहारिया, प्रकाश गुप्ता, परषोत्तम विश्वकर्मा, सतेन्द्र त्रिपाठी, अभिषेक चौरसिया, संदीप चौरसिया,आदि ने प्रधानमंत्री, केन्द्रीय गृह मंत्री, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री, सौरभनाटी शर्मा शहर नगर कांग्रेस अध्यक्ष जबलपुर को भी पत्र द्वारा अवगत कराया गया है तथा मांग की है कि उनकी जमा राशि वापस दिलवाने में निवेशकों की मदद करें।

न्यायमूर्ति श्रीधरन सोमवार को संभालेंगे पदभार

जबलपुर । जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाई कोर्ट से पुनः मूल हाई कोर्ट यानी मध्यप्रदेश हाईकोर्ट स्थानांतरित होकर आए न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन सोमवार को शपथ लेंगे और कार्यभार संभालेंगे। विगत 13 मार्च को उनका स्थानांतरण मप्र हाई कोर्ट किया गया था। उल्लेखनीय है कि वकालत करते हुए अतुल श्रीधरन मप्र हाई कोर्ट में 2016 में न्यायाधीश के रूप में पदस्थ हुए थे। बेटी की वकालत के चलते उनके आग्रह पर अप्रैल, 2023 में उनका स्थानांतरण जम्मू-कश्मीर व लद्दाख हाईकोर्ट किया गया था।

आम सूचना

मेरे पक्षकार क्र.1 अमित यादव पिता श्री सी.एल. यादव विक्रेता निवासी- म.नं. 303, जयनगर, कॉलोनी, जबलपुर म.प्र. यादव आधार नं. 3508 5148 1603 द्वारा विक्रेता लोचन त्रिवेदी पिता स्व. श्री रामस्वर दयाल त्रिवेदी निवासी म.नं. 16, वार्ड क्रमांक 15, प्रेमबाग, बैकुंठपुर, कोरिया, छत्तीसगढ़ आधार नं. 2765 7754 2201 विक्रय अनुबंधित संपत्ति का विवरण - सम्पत्ति मौजा करमेता, नं.बं.-497, प.ह.नं. 78, रा.नि.मं. महाराजपुर तहसील पनागर, जिला जबलपुर स्थित खसरा नंबर-537/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1 एवं 538/2 का भाग रकबा 0.60 हे. में से विक्रय प्लाट 24, विक्रय रकबा 20×50=1000 वर्गफुट भूमि को सभी अधिकारों, सुखाधिकारों सहित विक्रय किया गया उक्त संपत्ति की चौहद्दी इस प्रकार है उत्तर में साइड रोड दक्षिण में प्लाट नं. 23पूर्व में रोड़ पश्चिम में प्लाट नं. 39 विक्रय संपत्ति का मूल्य- यह जो संपत्ति विक्रय की जा रही है, इसका विक्रय मूल्य क्रेता पक्षकार एवं विक्रेता पक्षकार के द्वारा 10,75,000/- रू. अंकन दस लाख पचहत्तर हजार रूपये तय किया गया है जिसमें क्रेता द्वारा विक्रेता को 1,00,000/- रू. अंकन एक लाख रूपये का भुगतान ऑनलाईन माध्यम से दिया है। कुछ समय बाद क्रेता द्वारा विक्रेता को 50,000/- अंकन पचास हजार रूपये ऑनलाईन माध्यम से दिये गये। आज दिनांक को क्रेता द्वारा विक्रेता को 1,00,000/- अंकन एक लाख रूपये अदा किये जा रहे हैं। अनुबंध के उपरांत जब 7 दिन का प्रकाशन के बाद शेष राशि 8.25,000/-अंकन आठ लाख पच्चीस हजार रूपये रजिस्ट्री के समय अदा की जावेगी। उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति कहीं भी रहन, विक्रय, दान, वसीयत बैंक, ऋण में बंधन नहीं है और समस्त प्रकार के झगड़ा, वाद विवाद से पाक साफ हालत में है और मुझ विक्रेता ने इस विक्रय अनुबंध के पूर्व इस संपत्ति का विक्रय करने का अनुबंध किसी अन्य व्यक्ति से नहीं किया है। यदि भविष्य में उक्त संपत्ति के संबंध में मुझ विक्रेता या मेरे परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा अपना हक हिस्सा बताया जाता है तो वह गैरकानूनी, नाजायज व झूठ समझा जावेगा। विक्रय पत्र के निष्पादन के पूर्व यदि किसी प्रकार की वित्तीय हानि क्रेता को होती है तो उसकी सम्पूर्ण जबावदारी मुझ विक्रेता की होगी। यदि भविष्य में किसी भी व्यक्ति के द्वारा उक्त संपत्ति को लेकर अपना हक व हिस्सा जताया जाता है तो उसके समस्त दायित्वों की जबावदारी मुझ विक्रेता की होगी। आप क्रेती उक्त विक्रय की जा रही संपत्ति पर निर्माण कार्य करें मुझ विक्रेता को या मेरे वारसानों को किसी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं होगी। आप क्रेती उक्त संपत्ति को विक्रय या दान, रहन या किसी अन्य व्यक्ति को विक्रय करें एवं समस्त शासकीय अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराए इस पर मुझ विक्रेता को कोई आपत्ति नहीं होगी। अतः यह विक्रय अनुबंध पत्र मुझ विक्रेता ने आप क्रेता के पक्ष में पढ़कर सुनकर समझकर अपने पूर्ण होशो हवास में गवाहों की उपस्थिति में एवं मुझ विक्रेता के परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में स्वच्छ मन से बिना किसी डर, दबाव, प्रलोभन के लिख गया है ताकि सनद रहे वक्त पर काम आवे।

उदयनाथ पाठक (एडवोकेट)
56, ए.पी.आर. कॉलोनी बिलहरी,
मंडला रोड जबलपुर मो.9826503670

श्री अरविंद कुमार श्रीवास्तव- सौरभ रेल कॉलोनी सिविल लाइन निवासी श्री अरविंद कुमार श्रीवास्तव (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अनिल कुमार गुप्ता- तमरहाई चौक निवासी श्री अनिल कुमार गुप्ता (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नारायण दास खत्री- शंकर नगर माढ़ोताल निवासी श्री नारायण दास खत्री (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सावन गोंटिया- भानतलैया निवासी श्री शगुन गोंटिया के पुत्र श्री सावन गोंटिया (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुरेश तिवारी- स्टेट बैंक कॉलोनी उखरी रोड निवासी श्री सुरेश तिवारी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सतीश प्रजापति- सिद्धबाबा वार्ड सिंधी धर्मशाला के निकट निवासी श्री छिदामी लाल प्रजापति के पुत्र श्री सतीश प्रजापति (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती नीलेश सक्सेना- गोल बाजार दत्त मंदिर के पास निवासी श्री बिशन स्वरूप सक्सेना की धर्मपत्नी श्रीमती नीलेश सक्सेना (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गायत्री घोष- नेपियर टाउन निवासी श्री रॉबिन घोष की धर्मपत्नी श्रीमती गायत्री घोष (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अश्विनी थापा- मॉडल टाउन बिलहरी निवासी श्री अश्विनी थापा (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री अरूण महावर- बिलहरी पोस्ट आफिस के पास निवासी श्री अरूण महावर (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सिया पांडे- बेलबाग तिराहा निवासी श्री शीतला प्रसाद पांडे की धर्मपत्नी श्रीमती सिया पांडे (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

हिरन नदी पर श्रमदान एवं जल संगोष्ठी

पाटन। विश्व जल दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जबलपुर पाटन विकास खंड के सकरा एवं पाटन नवांकुर संस्था अनिता बाई जनकल्याण एवं कुंवर संकर सिंह जनकल्याण के संयोजन में ग्राम कोनिकला में स्थित हिरन नदी घाट पर श्रम दान कर लोगो को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। प्राचीन जैन तीर्थ कोनी जी में ग्राम वासियों के साथ जल गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें विकास खंड समन्वयक श्री मति नूपुर खरे ने संबोधित करते हुए कहा कि जंतु पादप एवं रासायनिक क्रियाकलापों के लिए जल की महती आवश्यकता है। अनिता बाई जनकल्याण के सचिव उमाकांत यादव ग्राम समिति से संकर बर्मन cmcldp छात्र जितेंद्र राज दिव्यांशु दुबे रीना बर्मन मुकेश यादव संतोष मिश्रा सहित बड़ी संख्या में ग्राम वासी उपस्थित रहे।

नाम सुधार सूचना

मैं किरण कुमार वाते पिता स्व. भास्करराव वाते निवासी – एमआईजी – 11 शाही नाका रोड रॉयल विद्यालय के पास श्री परिसर शाही नाका रोड गढ़ा जबलपुर म.प्र. 482 003 कथन करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट नंबर M 0644689 में मेरा नाम किरण वाते पिता भास्करराव वाते लिखा है । जिसे मैंने बदलकर किरण कुमार वाते पिता स्व. भास्करराव वाते कर लिया है। अतः मुझे किरण कुमार वाते जन्मतिथि 31.08.1972 पिता स्व. भास्करराव वाते नाम से जाना व लिखा जावे ।

शपथकर्ता

निवेश का 'गुरु मंत्र' जब लोग डर रहे हों तो आप लालची बन जाएं

● निवेश में सफलता के लिए हमेशा लक्ष्य तय कर पैसा लगाएं ● दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट का मंत्र- बाजार में जब दूसरे डरे हुए हों तो लालची बनो और जब दूसरे लालची हों तो डरो। घबराहट में अपना निवेश भुना लेने से सिर्फ घाटा ही बढ़ता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट का एक पॉपुलर कोट है कि बाजार में जब दूसरे डरे हुए हों तो लालची बनो और जब दूसरे लालची हों तो डरो। घबराहट में अपना निवेश भुना लेने से सिर्फ घाटा ही बढ़ता है, जबकि निवेश बनाए रहने से टाइम और कंपाउंडिंग निवेशक के फेवर में काम करते हैं। उनका कहना है कि जब बाजार में घबराहट होती है तो हम अपनी दौलत नहीं गंवाते हैं, बल्कि जब हम घबराते हैं तो हम अपने पैसों का नुकसान कर लेते हैं। तो क्या मौजूदा बाजार की गिरावट में भी दिग्गज निवेशक का ये मंत्र लंबी अवधि में सफलता का राज बन सकता है। अगर हम बाजार की हिस्ट्री में बड़ी गिरावट और उसके बाद रिकवरी के आंकड़े देखें तो यह बात समझ में आ सकती है।

निवेश बनाए रखना जरूरी

जानकारों का कहना है कि फंड हाउस की एक स्टडी के अनुसार पिछले 2 दशक में, ऐसे 13 मौके आए, जब एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स ने 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की।

इनमें से 11 मौकों पर, इंडेक्स ने एक साल बाद पॉजिटिव रिटर्न दिया। इनमें से 9 मौकों पर रिटर्न डबल डिजिट में था, जबकि एवरेज रिटर्न 21 फीसदी रहा।

अगर आप 10 फीसदी की गिरावट के बाद भी निवेश के लिए 3 साल तक समय-सीमा बढ़ाते हैं, तो निगेटिव रिटर्न का एक भी उदाहरण नहीं है। रिसर्च के अनुसार 18 अप्रैल 2005 से 18 अप्रैल 2006 के बीच बाजार में 80 फीसदी से ज्यादा बढ़त रही।

15 सितंबर 2008 से 15 सितंबर 2009 तक बाजार में 20 फीसदी तेजी आई। 8 मई 2012 से 8 मई 2013 के बीच बाजार में 21 फीसदी तेजी रही।

17 नवंबर 2016 से 17 नवंबर 2017 के बीच बाजार में 27 फीसदी तेजी रही। 23 मार्च 2018 से 23 मार्च 2019 के बीच 15 फीसदी तेजी रही, जबकि इन सभी साल के पहले तक बाजार में करेक्शन का दौर चला था। तो यह डाटा तो वॉरेन बफेट के प्रसिद्ध कोट को सही साबित करता है।

● बाजार में उतार-चढ़ाव टेंशन बढ़ाने वाला हो सकता है, लेकिन घबराएं नहीं

● यह लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करने का अहम समय

एसआईपी बनाए रखने का फायदा

घबराहट की स्थिति में कई बार निवेशक घबराकर जल्दबाजी में फैसले लेने लगते हैं। जैसे पहले से चल रहे एसआईपी को बंद कर देना या टारगेट पूरा हुए बिना निवेश को भुना लेना, लेकिन वास्तव में ये कदम फाइनेंशियल हेल्थ के लिए नुकसानदायक है। एसआईपी के पीछे मूल उद्देश्य रूपी कास्ट एवरेजिंग है। जब आप लोअर मार्केट लेवल पर एसआईपी जारी रखते हैं, तो आप अपने समान मंथली निवेश की राशि से अधिक यूनिट खरीद सकते हैं, क्योंकि नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) कम होती है। यह रणनीति सुनिश्चित करती है कि जब बाजार में रिकवरी आती है, तो इन बढ़ी हुई यूनिट पर आपको ज्यादा लाभ होता है।

बाजार में उतार-चढ़ाव से कैसे निपटें

हालांकि बाजार में उतार-चढ़ाव टेंशन बढ़ाने वाला हो सकता है, लेकिन यह लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो का फिर से मूल्यांकन करने का एक सुनहरा अवसर पेश करता है। इस डर का उपयोग प्रोडक्टिवली यह मूल्यांकन करने के लिए करें कि आपका वर्तमान एसेट एलोकेशन आपकी जोखिम लेने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। अक्सर, बुल मार्केट यानी तेजी वाले बाजारों में निवेशक दूसरों को फॉलो करते हुए या हाल ही में टॉप प्रदर्शन करने वाली कैटेगरी को देखकर निवेश करते है, लेकिन हर निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता, लिक्विडिटी की जरूरतें और टाइम लिमिट अलग-अलग होती है। बाजार में करेक्शन एक चेतावनी के रूप में काम करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसी का पोर्टफोलियो उसके अपने लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और लिक्विडिटी की जरूरतों को पूरा करने के लिए सही तरीके से तैयार किया है।

एसेट एलोकेशन स्ट्रैटेजी

- **लार्ज और मिडकैप फंड/ल्टीकैप फंड/फ्लेक्सीकैप फंड** : उन निवेशकों के लिए जो लंबी अवधि में अपनी दौलत में इजाफा करना चाहते हैं और इक्विटी मार्केट में उतार-चढ़ाव को झेलने की क्षमता रखते हैं, ये फंड कैटेगरी अच्छे विकल्प होंगे। क्योंकि इनमें मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से पोर्टफोलियो मिक्स होता है, जो मार्केट के किसी खास सेगमेंट में तेज उतार-चढ़ाव के असर को कम करता है।
- **हाइब्रिड इक्विटी स्कीम/बैलेंस्ड एडवांटेज फंड** : ये योजनाएं निश्चित रूप से ऐसे निवेशकों के लिए सावधानी से विचार करने योग्य हैं, जिन्हें हाल ही में 10 फीसदी की गिरावट ने यह अहसास जगा दिया है कि इक्विटी निवेश में अप-डाउन हो सकता है, लेकिन जो अभी भी भारत में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले लॉन्ग टर्म एसेट क्लास के रूप में अपने स्टेटस के लिए इक्विटी होल्डिंग चाहते हैं।
- **मल्टी-एलोकेशन फंड** : जो निवेशक इसमें विश्वास करते हैं कि इक्विटी की एक ही कैटेगरी में निवेश करना समझदारी नहीं है, उनके लिए एक दूसरे से लो को-रिलेशन वाले मल्टी एसेट क्लास का मिक्स एक पसंदीदा विकल्प हो सकता है।
- (**डिस्क्लेमर** : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी प्रदान करना है। यह किसी भी तरह से निवेश की सलाह नहीं है। बाजार में जोखिम होता है, इसलिए यह सलाह दी जाती है कि निवेश का कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने स्तर पर फाइनेंशियल एडवाइजस से परामर्श जरूर कर लें।)

एसआईपी से दूर जा रहे निवेशक गिरते बाजार में संभलकर उठाएं कदम

मोहभंग
बिजनेस डेस्क

बाजार में म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करना एक बढ़िया तरीका माना जाता है। काफी निवेशकों ने इस तरह से बड़ा फंड भी बनाया है। एसआईपी के जरिए हर महीने एक तय रकम निवेश करने पर करोड़पति बनना काफी आसान होता है। लेकिन लगता है कि इस स्कीम को किसी की नजर लग गई है। शेयर बाजार में पिछले कई महीने से भारी गिरावट देखी जा रही है। बाजार में बिकवाली (बिक्री) की आंधी का असर म्यूचुअल फंड निवेशकों पर भी पड़ रहा है। फरवरी में म्यूचुअल फंड में निवेश काफी गिर गया है। इसमें अभी भी गिरावट का दौर लगातार जारी है। ऐसे में निवेशकों को चाहिए कि लंबी अवधि के निवेश का लक्ष्य बनाएं रखें और बाजार की गिरावट से डरकर न भागें। पहले भी देखा गया है कि लंबी अवधि में एसआईपी ने अच्छा फायदा दिया है। इसलिए एसआईपी में निवेश बनाए रखें।

कम समय में ज्यादा रिटर्न

बाजार में उतार-चढ़ाव चलते रहते हैं। ऐसे में एसआईपी यानी सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान फायदेमंद माना जाता है। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करते हैं। बाजार ऊपर हो या नीचे, आपका निवेश चलता रहता है। इससे आपको औसतन कम कीमत पर ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं। लंबे समय में इससे अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है। लेकिन पिछले कुछ समय से तस्वीर कुछ बदल रही है।

फरवरी में कितनी आई गिरावट?

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में स्मॉलकैप और मिडकैप योजनाओं में निवेश घटने से इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश में 26%गिरकर 29,303 करोड़ रुपये रह गया, जबकि जनवरी 2025 में यह आंकड़ा 39,687 करोड़ रुपये था। डेट म्यूचुअल फंड में 6,525 करोड़ रुपये का रेकॉर्ड आउटफ्लो (निकासी) देखने को मिला, जबकि जनवरी में इसका टोटल इन्फ्लो (निवेश) 1.28 लाख करोड़ रुपये था।

लोगों की संख्या में आई कमी

फरवरी में सेंसेक्स और निफ्टी लगातार पांचवें महीने लाल निशान में बंद हुए और यह साल 1996 के बाद से सबसे बड़ी गिरावट रही। म्यूचुअल फंड में मिलने वाले रिटर्न पर मार्केट की गिरावट का असर पड़ता है। फरवरी में म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिए पैसा लगाने वालों की संख्या कम हुई है। फरवरी में एसआईपी के जरिए 25,999 करोड़ रुपये आए। यह पिछले तीन महीनों में सबसे कम है। जनवरी के मुकाबले इसमें 2% की गिरावट आई है।

क्या कहते हैं जानकार?

जानकारों के मुताबिक मार्केट गिरे और निवेश की वैल्यू कम होने लगे तो घबराना नहीं चाहिए। काफी लोग इस गिरावट के कारण म्यूचुअल फंड से निकल जाते हैं और नुकसान कर बैठते हैं। अगर म्यूचुअल फंड की कीमत कम हो रही है तो ज्यादा यूनिट्स खरीदना शुरू कर दें। मार्केट जब बढ़ेगी तो आपका पैसा तेजी से बढ़ेगा। हालांकि पूरी रिसर्च करने और एक्सपर्ट से जानकारी लेने के बाद ही निवेश करें।

● एसआईपी के जरिए निवेश करके बड़ा फंड हो सकता है तैयार

● लॉन्ग टर्म में इनमें अच्छा रिटर्न मिलने की पूरी उम्मीद होती है

● थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करके करोड़पति बन सकते हैं

● अभी शेयर मार्केट में गिरावट है। तो निवेशक एसआईपी से भी दूरी बना रहे

● लेकिन लंबे समय के लिए निवेश का यह एक बेहरीन विकल्प

लंबे समय के लिए टिकें

म्यूचुअल फंड में लॉन्ग टर्म निवेश की सलाह दी जाती है। यहां लॉन्ग टर्म से मतलब कम से कम 3 साल है। अगर मार्केट में गिरावट के कारण शुरुआती कुछ महीनों में ही नुकसान दिखाई दे रहा है तो इससे घबराएं नहीं। बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान निवेशकों को अपनी लंबी अवधि की जरूरतों पर ध्यान देना चाहिए और अपनी एसआईपी जारी रखनी चाहिए। कोरोना के समय जब शेयर मार्केट में गिरावट आई थी तो काफी लोगों ने एसआईपी को बढ़ा दिया था। आज उनकी रकम काफी बढ़ चुकी है।

क्या है एसआईपी

सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूच्यूअल फंड्स द्वारा प्रस्तावित एक ऐसा निवेश का जरिया है, जिसके माध्यम से एक व्यक्ति एक निर्धारित रकम, नियमित अंतराल में म्यूच्यूअल फंड्स के किसी स्कीम में – जैसे मासिक या त्रैमासिक, बजाय एक मुश्त रकम की अदायगी के, निवेश कर सकता है। यह किश्त 100 रुपये प्रति माह की मामूली रकम भी हो सकती है जो बहुत कुछ रेकरिंग डिपाजिट (आवर्ती जमा) से मिलती-जुलती है। ये इसलिए भी आसान है, क्योंकि आप अपने बैंक को ये स्थाई अनुदेश दे सकते हैं कि आपके खाते से ये रकम हर माह डेबिट (निकासी) होता रहे। एसआईपी भारतीय म्यूच्यूअल फंड्स निवेशकों के बीच काफी लोकप्रिय हो चला है, इसलिए कि ये निवेशक को बाज़ारों के उथल-पुथल और समय गणना की चिंता से अलग रख एक अनुशासित तरीके से निवेश में सहायता करता है। लम्बी अवधि के निवेश के लिए म्यूच्यूअल फंड्स द्वारा प्रस्तावित एसआईपी निवेश की दुनिया में क़दम रखने का यकीनन सबसे बढ़िया रास्ता हैं। निवेश से सर्वाधिक और श्रेष्ठ प्राप्ति के लिए, बेहद जरूरी है लम्बी अवधि के लिए निवेश हो, जिसका सीधा अर्थ यह कि आप जल्द से जल्द निवेश आरम्भ करें, ताकि आपके लक्ष्य लाभ अधिकतम हों।

पोस्ट ऑफिस की स्कीम भी दे रही अच्छा मुनाफा, कर सकते हैं निवेश

टीडी स्कीम बैंकों की एफडी की तरह देती है आकर्षक ब्याज, इस योजना में निवेश कर युवा भी अपनी झोली भर रहे, पोस्ट ऑफिस की टीडी स्कीम में कोई खोल सकता है खाता, निवेशकों को 6.9 फीसदी से लेकर 7.5 फीसदी तक ब्याज मिलता है

एफडी
बिजनेस डेस्क

भारतीय डाक विभाग की टाइम डिपॉजिट (टीडी) स्कीम निवेशकों के लिए एक सुरक्षित और लाभदायक विकल्प बनकर उभरी है। यह स्कीम बैंकों की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की तरह ही काम करती है, लेकिन इसमें ब्याज दरें अधिक आकर्षक हैं। पोस्ट ऑफिस की यह डिपॉजिट स्कीम लोगों को मालामाल कर रही है। इस योजना में निवेश कर युवा भी अपनी झोली भर रहे हैं। पोस्ट ऑफिस की टीडी स्कीम में कोई भी व्यक्ति खाता खोल सकता है। इसमें सिंगल अकाउंट के साथ-साथ जॉइंट अकाउंट भी खोला जा सकता है। जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 3 लोगों के नाम जोड़े जा सकते हैं। इसमें निवेश कर कोई भी आसानी से अपनी बचत को बढ़ा सकता है। टीडी स्कीम में निवेशकों को 6.9 फीसदी से लेकर 7.5 फीसदी तक का ब्याज मिलता है, जो इसे बैंकों की एफडी से बेहतर बनाता है. इस स्कीम में निवेश किया गया पैसा पूरी तरह से सुरक्षित है, क्योंकि यह भारत सरकार के अधीन काम करता है।

टीडी स्कीम की खास बातें

पोस्ट ऑफिस टीडी स्कीम में निवेशक 1 साल से लेकर 5 साल तक के लिए अपना पैसा जमा कर सकते हैं। इस स्कीम में न्यूनतम 1,000 से खाता खोला जा सकता है, जबकि अधिकतम जमा राशि की कोई सीमा नहीं है। टीडी खाते पर मिलने वाला ब्याज निवेश की अवधि पर निर्भर करता है।उदाहरण के लिए, 2 साल की टीडी पर 7.0 फीसदी का ब्याज मिलता है।

लाख जमा पर कितना ब्याज

अगर आप पोस्ट ऑफिस की 2 साल की टीडी स्कीम में 2 लाख जमा करते हैं, तो मैच्योरिटी पर आपको कुल 2,29,776 मिलेंगे। इसमें 29,776 का ब्याज शामिल होगा। यह ब्याज गारंटीड और फिक्स है, जिसमें किसी तरह का रिस्क नहीं है।

कौन खोल सकता है खाता

पोस्ट ऑफिस की टीडी स्कीम में कोई भी व्यक्ति खाता खोल सकता है। इसमें सिंगल अकाउंट के साथ-साथ जॉइंट अकाउंट भी खोला जा सकता है। जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 3 लोगों के नाम जोड़े जा सकते हैं। यह स्कीम छोटे और बड़े निवेशकों दोनों के लिए उपयुक्त है।

पोस्ट ऑफिस टीडी स्कीम के फायदे

- **सुरक्षित निवेश** : पोस्ट ऑफिस सरकारी संस्था है, इसलिए इसमें निवेश किया गया पैसा पूरी तरह से सुरक्षित है।
- **आकर्षक ब्याज दरें**: बैंकों की तुलना में पोस्ट ऑफिस टीडी पर ब्याज दरें अधिक हैं।
- **लचीलापन**: 1 साल से लेकर 5 साल तक की अवधि चुनने की सुविधा।
- **कम निवेश** : सिर्फ 1,000 से खाता खोल सकते हैं।

ऐसे खोलें टीडी खाता

पोस्ट ऑफिस टीडी खाता खोलने के लिए आपको नजदीकी डाकघर जाना होगा। वहां आपको आवेदन फॉर्म भरना होगा और जरूरी दस्तावेज जमा करने होंगे। इसमें पहचान प्रमाण, पता प्रमाण और पासपोर्ट साइज फोटो की आवश्यकता होती है।

डाकघर की ये भी बचत योजनाएं

- डाकघर बचत खाता
- 5 वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता (आर डी)
- डाकघर सावधि जमा खाता (टी डी)
- डाकघर मासिक आय योजना खाता (एम आई एस)

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एस सी एस एस)

- 15 वर्षीय सार्वजनिक भविष्य निधि खाता (पीपीएफ)
- सुकन्या समृद्धि खाता
- राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (एन एस सी)
- किसान विकास पत्र (के वी पी)
- महिला सम्मान बचत पत्र
- प्रधानमंत्री बाल केयर योजना, 2021
- ब्याज दर (नई)
- **डिस्क्लेमर** : (यह जानकारी सिर्फ़ सूचना के लिए है। इसे निवेश का सुझाव मानकर निवेश न करें। मार्केट में निवेश बाजार जोखिमों के अधीन होता है। निवेशक के तौर पर पैसा लगाने से पहले हमेशा एक्सपर्ट से सलाह लें।)

वित्त वर्ष 2024 में 72% टैक्सपेयर्स ने नई टैक्स व्यवस्था को अपनाया

इस बार यह संख्या और बढ़ेगी, 12.75 लाख तक नहीं देना होता टैक्स

टैक्स बचाने का अब आखिरी मौका, 31 मार्च से पहले अपनाएं ये ट्रिक्स

सुझाव
बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2024-25 खत्म होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं और नया वित्त वर्ष 2025-26 शुरू होने में सिर्फ 10 दिन रह गए हैं। ऐसे में जो लोग पुरानी टैक्स व्यवस्था को चुन रहे हैं, उनके पास टैक्स बचाने के लिए अब आखिरी मौका है। हालांकि वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 24 में 72% टैक्सपेयर्स ने नई टैक्स व्यवस्था को अपनाया, और आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ सकती है। हालांकि, अभी भी कई करदाता पुरानी टैक्स व्यवस्था के जरिए टैक्स छूट के फायदे लेना पसंद करते हैं। अगर आप भी पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत टैक्स छूट पाना चाहते हैं, तो यह समय आपके लिए आखिरी मौका हो सकता है। सही निवेश से आप अपने टैक्स का बोझ कम कर सकते हैं।

सेक्शन 80सी: टैक्स बचाने के लिए बेस्ट निवेश विकल्प

अगर आप इनकम टैक्स बचाना चाहते हैं, तो सेक्शन 80सी के तहत कई निवेश योजनाओं में पैसा लगाकर 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का फायदा उठा सकते हैं। इस सेक्शन के तहत सुकन्या समृद्धि योजना, इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम, पब्लिक प्रोविडेंट फंड, कर्मचारी भविष्य निधि, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और 5 साल की टैक्स-सेवर फिक्स्ड डिपॉजिट जैसी कई योजनाएं आती हैं। हर योजना की अपनी अलग लॉक-इन अवधि और रिटर्न दर होती है। अगर आप कम से कम लॉक-इन पीरियड में निवेश करना चाहते हैं, तो ईएलएसएस आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जिसका लॉक-इन केवल 3 साल है, लेकिन इसका रिटर्न बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। वहीं, नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश पर आपको सेवानिवृत्ति (60 वर्ष) तक इंतजार करना होता है। ईपीएफ भी सेवानिवृत्ति तक का निवेश है, लेकिन आंशिक निकासी की सुविधा इसमें दी जाती है। अगर आप गैर-बाजार जोखिम वाले निवेश चाहते हैं, तो सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसए) और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस) बेहतर विकल्प हो सकते हैं। एसएसए में सालाना 8.2% और एससीएसएस में 8.2% ब्याज मिलता है। वहीं, पीपीएफ में 7.1%, एनएससी में 7.7%, और पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट में 7.5% का सालाना ब्याज मिलता है। टैक्स-सेवर बैंक एफडी का रिटर्न 6.5% से 7.5% तक होता है। यदि आप लॉन्ग-टर्म प्लानिंग कर रहे हैं, तो पीपीएफ, इपीएफ और एनपीएस बढ़िया विकल्प हो सकते हैं। वहीं, जो लोग शॉर्ट-टर्म टैक्स सेविंग और अच्छा रिटर्न चाहते हैं, वे ईएलएसएस और 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी का चुनाव कर सकते हैं। 31 मार्च से पहले सही निवेश करके आप न सिर्फ टैक्स बचा सकते हैं, बल्कि अपनी वित्तीय सुरक्षा भी मजबूत कर सकते हैं।

नया टैक्स बचाने से पहले मौजूदा निवेशों की करें जांच

अगर आप टैक्स बचाने के लिए नया निवेश करने की सोच रहे हैं, तो पहले यह देखें कि इसकी जरूरत है या नहीं। कई निवेश योजनाओं में लॉक-इन पीरियड होता है, यानी एक बार पैसा लगाने के बाद आप उसे तय समय से पहले नहीं निकाल सकते। सबसे पहले यह जांचें कि आपने इस साल कितना निवेश किया है। हो सकता है कि आप पहले ही धारा 80सी की सीमा पूरी कर चुके हों। ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि), जिसे आपकी सैलरी से हर महीने काटा जाता है, भी टैक्स बचत में शामिल होता है। इसी तरह, अगर आपके पास होम लोन है, तो उसका मूलधन (प्रिंसिपल) भी धारा 80सी के तहत टैक्स छूट दिला सकता है। इसलिए, नया निवेश करने से पहले अपने मौजूदा निवेशों को जरूर जांचें। हो सकता है कि ईपीएफ और होम लोन के रीपेमेंट से ही आपकी टैक्स बचत की जरूरत पूरी हो रही हो और आपको अलग से निवेश करने की जरूरत न हो।

अगर 2024 में जॉब बदली है तो फॉर्म 12 भरना जरूरी अगर आपने 2024 में नौकरी बदली है, तो फॉर्म 12बी भरना जरूरी है। यह फॉर्म आपके नए एम्प्लॉयर को आपकी पिछली सैलरी और टैक्स कटौती की जानकारी देने में मदद करता है, जिससे आपकी सैलरी से सही टैक्स कटे। अपने टैक्स रिकॉर्ड सही रखने के लिए 31 मार्च तक फॉर्म 12बी समिट करें। इससे आपका नया एम्प्लॉयर टैक्स कैलकुलेशन में गलती नहीं करेगा और सही टीडीएस कटेगा।

सीनियर सिटीजन्स के मेडिकल खर्च पर टैक्स डिडक्शन

भारत में आयकर अधिनियम की धारा 80डी के तहत करदाता अपने और अपने परिवार के लिए चुकाए गए हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स डिडक्शन का लाभ उठा सकते हैं। इससे उनकी टैक्स योग्य आय कम होती है और उन्हें कम टैक्स देना पड़ता है। लेकिन अगर आपने सीनियर सिटीजन्स (वरिष्ठ नागरिकों) के लिए कोई हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम नहीं भरा है, तब भी आप उनके मेडिकल खर्च पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं। इस धारा के तहत, 60 साल या उससे अधिक उम्र के माता-पिता या वरिष्ठ नागरिकों के इलाज पर किए गए खर्च के लिए 50,000 रुपये तक का टैक्स डिडक्शन लिया जा सकता है। यह सुविधा उन करदाताओं के लिए फायदेमंद है, जिनके माता-पिता या अन्य वरिष्ठ परिजन बीमा कवर के बिना इलाज करवा रहे हैं। इसलिए, अगर आपके परिवार में कोई सीनियर सिटिजन बिना स्वास्थ्य बीमा के है, तो उनके मेडिकल खर्च का बिल संभालकर रखें और टैक्स बचत का लाभ उठाएं।

कैलकुलेशन से समझें

टैक्स बचाने के लिए ईएलएसएस फायदेमंद, लेकिन निवेश पर जोखिम भी अगर आप ईएलएसएस में निवेश करते हैं, तो इससे टैक्स बचाया जा सकता है। हालांकि, इस स्कीम में निवेश करने के बाद आपका पैसा 3 साल तक लॉक रहेगा। इसके अलावा, ईएलएसएस एक जोखिम भरा निवेश भी है क्योंकि यह शेयर बाजार से जुड़ा होता है। शेयर बाजार की स्थिति अक्सर बदलती रहती है, जिससे इस स्कीम में रिटर्न का कोई निश्चित भरोसा नहीं होता। इसलिए, निवेश करने से पहले अपने वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम सहने की क्षमता को जरूर समझें।

फिल्म छावा के बाद से शुरू औरंगजेब विवाद की आंच में नागपुर झुलस गया। अमूमन शांत रहने वाली संतरा नगरी में औरंगजेब की कब्र और सोशल मीडिया पर अफवाह को लेकर हुई हिंसा चिंता पैदा करती है। असदुद्दीन ओवैसी जैसे सुलझे नेता ने बयान दे दिया कि हरे कपड़े पर पवित्र कुरान शरीफ की आयतें लिखकर जलाई गई हैं। इस तरह की अफवाह फैलाने वाले कौन हो सकते हैं? नागपुर में हिंसा के दौरान भीड़ जगह-जगह उन्मादित और कुछ भी करने पर उतारू थी तो इसका कारण न सामान्य हो सकता है और न इसे तत्कालिक रूप से उत्पन्न संघर्ष मानना चाहिए। अगर पुलिस वालों से मोर्चाबंदी कर रहे हैं, उनको घायल कर रहे हैं तो इसका गहराई से विश्लेषण करना होगा। इसके पीछे कौन लोग हैं, किनकी साजिश है? यह विचार करने वाली बात है कि पूरे देश में जगह-जगह इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों पैदा हो रहे हैं? इतने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम आदि तत्काल पैदा नहीं हो सकते। इसकी पूरी तैयारी करनी होती है। महू, संभल से लेकर नागपुर तक मोटा- मोटी एक ही तरह का पैटर्न दिखा, जिसमें हमलावर पूरी तरह तैयार थे तथा सबके पास हमले की पर्याप्त सामग्रियां थीं। इतिहासजीवी बनकर भविष्यदृष्टा नहीं बना जा सकता। औरंगजेब की कब्र, आयत अफवाह के पीछे की साजिश व राजनीति का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

नागपुर हिंसा के पीछे की सोच को समझें

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिंसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल अगर किसी मुद्दे, विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-फुल्की हिंसा कर सकता है। वीडियो फुटेज में हमलावर चेहरे ढंके हुए हैं, नकाबपोश हैं, कई के पत्थरबाजी, तोड़फोड़ करते समय चेहरे से नकाब उतार रहे हैं, फिर वे लगा रहे हैं। पेट्रोल बम तक चलने के प्रमाण हैं। आप भाजपा की आलोचना और विरोध करिए किंतु इतने बड़े साफ मन के रहते खतरे की अनदेखी कर आप कैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और इसका परिणाम क्या होगा, इस पर भी अवश्य विचार कर लीजिए।

नागपुर के दृश्य निस्संदेह फिर देश को भयभीत कर रहे हैं। केवल तत्कालीन गुस्से में हुई त्वरित प्रतिक्रिया में इस तरह की हिसा संभव नहीं। 33 से ज्यादा पुलिसकर्मियों का घायल होना, भारी संख्या में वाहनों की तोड़फोड़ या जलाना, जगह-जगह घरों और दुकानों का क्षतिग्रस्त होना बताता है कि हमले सुनियोजित थे। विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने बयान भी दिया कि यह एक सुनियोजित हमला लगता है। नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिंसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल अगर किसी मुद्दे, विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-फुल्की हिंसा कर सकता है। वीडियो फुटेज में हमलावर चेहरे ढंके हुए हैं, नकाबपोश हैं, कई के पत्थरबाजी, तोड़फोड़ करते समय चेहरे से नकाब उतार रहे हैं, फिर वे लगा रहे हैं। पेट्रोल बम तक चलने के प्रमाण हैं। वैसे भी इतने व्यापक क्षेत्र में बगैर पूर्व योजना और षड्यंत्र के वैसी हिंसा संभव ही नहीं है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक नागपुर हिंसा मामले में 13 प्राथमिकी दर्ज हो चुकी हैं तथा 100 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी भी।

औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए विरोध

संक्षेप में घटनाक्रम को देखिए। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने 17 मार्च को औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर प्रतीकात्मक पुतला जलाया। एक तरफ यह हो रहा था और दूसरी तरफ माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी के शहर अध्यक्ष फ़हीम अहमद लगभग 50-60 लोगों को लेकर गणेशपेठ पुलिस थाना पहुंचे और लिखित प्राथमिकी दर्ज कराई कि हरे कपड़े पर पवित्र कुरान की आयत लिखकर जलाया जा रहा है। इसके साथ सोशल मीडिया पर चारों तरफ इसकी अफवाह फैलाई गई कि पवित्र कुरान की आयतें जलाई गई हैं, लोगों को घर से निकलने की अपील की गई।

सोशल मीडिया पर झूठ फैलाया गया कि हिंसा में उनके दो लोगों की मृत्यु हो गई है। एक सोशल मीडिया अकाउंट बांग्लादेश से मिला है जिसमें लिखा गया कि यह छोटा दंगा था, इससे बड़ा दंगा आगे होगा। फहीम थाने से आकर 400-500 लोगों के साथ, जिनके हाथों में हथियार थे, ने छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर हथियार दिखाकर लोगों को डराना शुरू किया। पुलिस द्वारा भीड़ से वापस जाने के आग्रह को अनसुना करते हुए भड़काऊ और उकसाऊ नारे लगे। आप सोचिए, अगर कुछ निहत्थे लोग अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हो, पुतले जल रहे हों और वहां कुल्हाड़ियों, पत्थरों, लाठी, रॉड और अन्य ऐसी सामग्रियां लेकर 400-500 लोग लहराने लगें तथा दृश्य ऐसे हों मानो अब इन पर टूट पड़ने वाले हैं तो लोगों की कैसी मनोदशा होगी। भीड़ द्वारा भालदारपुरा में पुलिस पर पत्थरों से हमले की भी घटना हुई।

महिला पुलिस के साथ दुर्व्यवहार

सबसे शर्मनाक अंधेरे का लाभ उठाकर महिला पुलिस के साथ छेड़खानी और दुर्व्यवहार था। गीतांजलि चौक पर भीड़ ने पुलिस वाहनों पर पेट्रोल बम से हमला किया और पुलिस के दो वाहनों में आग लगा दी। गंजीपुरा में फ्लाईओवर निर्माण के लिए खड़ी दो क्रेन को पेट्रोल बम से आग लगा दी गई। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों पर पत्थरों और घातक हथियारों से हमलाकर घायल कर दिया गया। बड़ी संख्या में एक विशेष समुदाय के लोगों ने बिल्कुल आक्रामक तेवर और तैयारी में महल, कोतवाली, गणेशपेठ और चिटनिस पार्क समेत शहर के विभिन्न इलाकों में एकत्रित होकर हिंसा शुरू की। पुलिस द्वारा आंसू गैस के गोले दागे गए।

दुकानें सुबह से ही बंद क्यों रखी गईं

नागपुर के सीए रोड, भालदारपुरा, गंजी पेठ, हंसापुरी, गांधी बाग, चिटनवीस पार्क, आदि क्षेत्र में ज्यादातर दुकानें पुराने मोटरसाइकिल एवं ऑटो स्पेयर पार्ट्स की हैं। सभी दुकानें मुस्लिम समुदाय की है। सोमवार को दुकानें सुबह से ही बंद रखी गई थी। क्यों? मोबिनपुरा में 150 गाड़ियां इन्हीं लोगों की खड़ी रहती थी, वहां एक भी गाड़ी नहीं थी। क्यों? शाम की हिंसा में केवल हिंदू घर एवं दुकान ही निशाना बने। नागपुर के डीसीपी निकेतन कदम पत्थरबाजी की घटना में घायल हुए। उनका वक्तव्य देखिए, 'जिस तरह से हर तरफ से पत्थरबाजी हुई, उसमें कई अधिकारी घायल हो गए। एक घर में कुछ लोग छिपकर पत्थरबाजी कर रहे थे। टीम वहां गई तो दूसरी ओर से 100 से ज्यादा लोगों की भीड़ आई। मैंने उन्हें रोकने की कोशिश की तो एक ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कई छतों से पत्थर फेंके जा रहे थे। पत्थर छत पर कैसे पहुंचे, कुछ तो प्लानिंग थी।' भीड़ जगह-जगह उन्मादित और कुछ भी करने पर उतारू थी तो इसका कारण न सामान्य हो सकता है और न इसे तत्कालिक रूप से उत्पन्न संघर्ष मानना चाहिए। अगर पुलिस वालों से मोर्चाबंदी कर रहे हैं, उनको घायल कर रहे हैं तो इसका गहराई से विश्लेषण करना होगा।

झूठा प्रचार कर भड़काई गई हिंसा

इस तरह की भयानक घटना को अगर हम सामान्य राजनीतिक और दलीय चश्मे से देखेंगे तो भविष्य में होने वाले भयावह परिणामों के भागीदार बनेंगे। सच को सच के रूप में समझ कर स्पष्ट नाम बोला जाए तो फिर परिणाम सतत भयावह से भयावहतम की ओर बढ़ेंगे। सामान्य सामाजिक व्यवहार की दृष्टि से देखें तो इस हिंसा का कोई कारण नहीं था।

कोई संगठन या संगठनों का समूह किसी विषय पर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहा है तो उसे मजहब विरोधी कार्रवाई मानकर हमले करने की व्याख्या कैसे की जाएगी? साफ है कि ऐसा कुछ जलाया ही नहीं गया जिसका प्रचार किया गया। असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता ने बयान दे दिया कि हरे कपड़े पर पवित्र पाक कुरान शरीफ की आयतें लिखकर जलाई गई हैं। इस तरह के अफवाह फैलाने वाले कौन हो सकते हैं। भारी संख्या में सोशल मीडिया अकाउंट बंद किए गए और उनके आधार पर लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं।

इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों

मानकर चलना चाहिए कि इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी को दी जाती है तो केंद्र दोषियों को अंतिम सीमा तक दंड दिलाएगा। केवल दंड दिलाना ही ऐसी समस्याओं के निदान का आधार नहीं हो सकता । यह विचार करने वाली बात है कि पूरे देश में जगह-जगह इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों पैदा हो रहे हैं? इतने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम आदि तत्काल पैदा नहीं हो सकते। इसकी पूरी तैयारी करनी होती है। महू, संभल से लेकर नागपुर तक मोटा- मोटी एक ही तरह का पैटर्न देखा, जिसमें हमलावर पूरी तरह तैयार थे तथा सबके पास हमले की पर्याप्त सामग्रियां थीं। आखिर कोई समूह औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहा है तो उससे इतनी संख्या में किसी समुदाय के लोगों के अंदर गुस्सा क्यों पैदा हो गया? औरंगजेब जैसे आततायी, धर्मांध, बुरे शासक के लिए उसकी मृत्यु के 300 से ज्यादा वर्षों बाद इतने लोगों के अंदर उसे अपना या अपने इस्लाम का आदर्श मानने की इतनी संवेगी भावना कि मरने - मारने को उतारू हो जाएं, कहां से पैदा हो गई? पहले भी सोशल मीडिया पर औरंगजेब का महिमामंडन कर हिंसा फैलाने की कोशिश की गई है।

बुरे व्यवहार की विचारधारा को व्यापक स्वीकृति

केवल औरंगजेब नहीं, उत्तर प्रदेश से महमूद गजनवी और उसके भांजे सालार मसूद तक के प्रति इतना समर्थन कैसे कि उन पर प्रश्न उठाने के विरुद्ध खुलेआम बयानबाजी और हिंसा तक की घटनाएं हो रही हैं? क्या कल कोई नादिर शाह और अहमदशाह अब्दली को भी इस्लाम का ध्वजवाहक मानकर लड़ना शुरू कर देगा? कल्पना करिए कि कोई जनरल डायर, लॉर्ड क्लाइव आदि के पक्ष में खड़ा हो तो देश उसे किस दृष्टि से दिखेगा? यही दृष्टि औरंगजेब, महमूद गजनवी, सालार मसूद गाजी जैसों के प्रति क्यों नहीं पैदा होता? यह ऐसी विचारधारा है जिसमें इस्लाम के नाम पर काफिरों या विरोधियों के विरुद्ध हर तरह के अत्याचार, उनके पवित्रतम स्थलों को ध्वस्त कर इस्लामी ढांचा खड़ा करने को सही माना जाता है। इस्लाम को उच्च तथा काफिरों या विरोधियों के साथ हर तरह के बुरे व्यवहार की विचारधारा को व्यापक स्वीकृति मिलती दिख रही है। यह चिंतनीय है, सरकार देखे।

औरंगजेब अप्रासंगिक है और हिंसा अनुचित

यही आचरण दुनिया में आतंकवाद और अन्य प्रकार की हिंसा का कारण बना हुआ है तथा भारत विभाजन के पीछे भी यही था। इसलिए दलीय बयानबाजी द्वारा ऐसे तत्वों को परोक्ष समर्थन देना इनको हिंसा के लिए प्रोत्साहित करने के समान है जो भविष्य में सबके लिए आत्मघाती साबित होगा।

शिवसेना नेता संजय राऊत का बयान देखिए, 'नागपुर में हिंसा होने का कोई कारण नहीं है। यहीं पर आरएसएस का मुख्यालय है। यह देवेंद्र जी का निर्वाचन क्षेत्र भी है। यहां हिंसा फैलाने की हिम्मत कौन कर सकता है? हिंदुओं को डराने, अपने ही लोगों से उन पर हमला करवाने और फिर उन्हें भड़काकर दंगों में शामिल करने का यह एक नया पैटर्न है।' हिंसा कौन कर रहे थे यह साफ दिख रहा है और संजय राऊत को भाजपा और संघ ही दोषी नजर आ रहा है। इसी समय बेंगलुरु में संघ की प्रतिनिधि सभा से अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर का बयान है कि औरंगजेब अप्रासंगिक है और हिंसा अनुचित।

सामना के संपादकीय में औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग करने वालों को हिंदू तालिबान कहा गया। लिखा गया कि औरंगजेब की कब्र मराठों और शिवाजी के शौर्य का प्रतीक है और उसे खत्म करने की मांग करने वाले इतिहास को समझने की कोशिश नहीं कर रहे। जब अबू आजमी ने औरंगजेब को महान शासक बताया तो अखिलेश यादव ने एक्स पर सच्चाई छुप नहीं सकती जैसे पोस्ट कर दिया। संसद के अंदर और बाहर सारा विपक्ष हमलावरों की आलोचना की जगह केवल प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार को घेरने पर लगा रहा। हमारा मानना है कि आप भाजपा की आलोचना और विरोध करिए किंतु इतने बड़े साफ मन के रहते खतरे की अनदेखी कर आप कैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और इसका परिणाम क्या होगा, इस पर भी अवश्य विचार कर लीजिए।

भविष्यदृष्टा नहीं हो सकती इतिहासजीवी राजनीति

दो टूक

राज कुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र और फिर से विश्व गुरु बनने को आतुर भारत की परिपक्वता पर सवालिया निशान भी है कि 21वीं शताब्दी में वह 17वीं शताब्दी के इतिहास का बंधक नजर आये। तात्कालिक संदर्भ 1707 में दुनिया से विदा हो चुके मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र का है, जिसे तोड़ने की मांग 21वीं शताब्दी में कुछ संगठनों का एजेंडा बन गयी है। लगभग 49 साल भारत पर शासन करने वाले औरंगजेब की क्रूरता के किस्से इतिहास में भी कम नहीं मिलते, पर उसकी कब्र से बदला लेकर गौरव बहाल करने की सोच विवादास्पद फिल्म छावा से उपजी है। विडंबना देखिए कि जवाब में औरंगजेब की महानता का बखान करने वाले भी पीछे नहीं रहना चाहते। एक आक्रांता में नायक देखने वाले या तो मानसिक विकृति से ग्रस्त हैं या किसी फिर साजिश का हिस्सा। बेशक औरंगजेब और उसकी कब्र पर विवाद नया नहीं है। ऑल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन के मुखिया, सांसद असदुद्दीन ओवैसी ही कम से कम दो बार औरंगजेब की कब्र पर फूल चढ़ाकर महाराष्ट्र में अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन अक्सर शांति, सौहार्द और विकास के लिए चर्चा में रहने वाले नागपुर को झुलसा देने वाली सांप्रदायिक हिंसा को तीली दिखाने का काम सपा नेता अबू आजमी ने किया।

छावा का सांप्रदायिक धावा

अपनी बयानबाजी से अतीत में भी विवादों में रहे अबू आजमी ने इस बार औरंगजेब को 'अच्छा बादशाह' होने का प्रमाणपत्र देने का जिम्मा उठाया। यह बहस का विषय है कि अबू को यह मौका फिल्म छावा से औरंगजेब के विरुद्ध भड़कती भावनाओं और बयानबाजी ने दिया या उन्होंने स्वयं लपक लिया। लपकने की कला में ज्यादातर राजनेता कुशल होते हैं। आजमी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि औरंगजेब क्रूर नहीं था। औरंगजेब द्वारा मंदिर तोड़े जाने के मुद्दे पर आजमी ने कहा कि उसने कई मंदिर बनवाये भी। आजमी ने दावा किया कि औरंगजेब 'महान प्रशासक' था, जिसकी सेना में कई हिंदू कमांडर भी थे। हालांकि विवाद बढ़ते देख विधानसभा से निलंबन के बाद आजमी ने अपना बयान वापस ले लिया। अबू आजमी ने सफाई भी दी कि उन्होंने तो असम के मुख्यमंत्री द्वारा राहुल गांधी की तुलना औरंगजेब से किये जाने पर प्रतिक्रिया दी और औरंगजेब की बाबत कई इतिहासकारों द्वारा लिखी गयी बातों को ही दोहराया था। कहना मुश्किल है कि बिना विवाद के छावा बॉक्स ऑफिस पर ऐसी सफलता हासिल कर पाती। छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र संभाजी महाराज पर केंद्रित छावा में औरंगजेब की क्रूरता से महाराष्ट्र के बाहर भी भावनाएं भड़कने की खबरें आयीं। इतिहास में कई तरह के संदेह और सवालों से घिरे संभाजी तो छावा से नायक बन गये, लेकिन भारत और भारतीयों के दमन और शोषण से दागदार दामनवाले औरंगजेब की खलनायकी के जख्म ताजा हो गये।

देर से जागा पुलिस-प्रशासन

खुद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने नागपुर हिंसा के लिए छावा फिल्म को जिम्मेदार

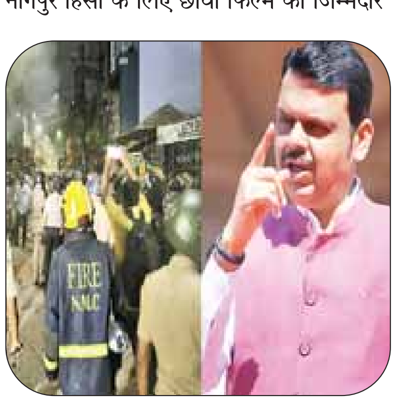

बताया। ऐसे में मराठी साहित्यकार शिवाजी सावंत के उपन्यास छावा पर बनी इस फिल्म को भाजपा शासित राज्यों में टैक्स फ्री करने की होड़ और उसके मंसूबों पर भी सवाल उठेंगे ही। फिल्म में चित्रित औरंगजेब की क्रूरता और उसके द्वारा संभाजी महाराज की यातनापूर्ण हत्या के मद्देनजर हिंदूवादी संगठनों ने उसकी कब्र तोड़ने की मांग उठायी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय भी वहीं है। हिंसा के बाद पुलिस-प्रशासन जितना चुस्त नजर आया, अगर वैसा पहले से रहता तो नागपुर को झुलसने से बचाया जा सकता था। आम तौर पर मुगल बादशाहों की कब्र या मकबरे शानदार हैं, लेकिन औरंगजेब की कब्र अपवाद है। कहा जाता है कि खुद औरंगजेब चाहता था कि उसे आध्यात्मिक गुरु सूफी संत शेख जैनुद्दीन की दरगाह के पास ही दफना कर साधारण कब्र बनायी जाये। पहले यह मिट्टी की बनी साधारण कब्र थी, जिस पर अंग्रेज शासन के दौरान वायसराय लार्ड कर्जन ने संगमरमर और जाली लगवायी। इतिहास बताता है कि भारत में मुगल सल्तनत का सर्वाधिक विस्तार औरंगजेब के शासनकाल में ही हुआ, पर उसी के अंतिम दिनों में वह सिमटने भी लगा था। मराठा साम्राज्य का दबदबा बढ़ने लगा था। ताजा विवाद शुरू भले महाराष्ट्र से हुआ, लेकिन वहां तक सीमित नहीं रहा। आक्रांताओं का महिमा मंडन करने वालों को सबक सिखाने की धमकियां राष्ट्रव्यापी हैं। मनोविज्ञान को समझें तो इतिहास बेहद संवेदनशील जटिल चीज है। प्रतिशोध मानवीय स्वभाव है, जिसके चलते ज्यादातर विवाद और झगड़े होते हैं। इतिहासजीवी बनकर भविष्यदृष्टा भी नहीं बना जा सकता। इसलिए हमें व्यक्ति हो या राष्ट्र, सभी के जीवन में इतिहास की सही भूमिका समझनी चाहिए। निश्चय ही इतिहास से नजरें चुराकर उसे भूलना आत्मघाती भी साबित हो सकता है, लेकिन इतिहास से प्रतिशोध के बजाय सही सबक सीखने चाहिए।

प्रतिशोध नहीं, सबक जरूरी

औरंगजेब की 300 साल पुरानी कब्र खोदने से यह ऐतिहासिक सच तो नहीं मिट जायेगा कि भारत पर लंबे समय तक मुगलों ने राज किया और उसमें भी सबसे लंबा शासनकाल औरंगजेब का रहा। कब्र तोड़ देने से औरंगजेब की क्रूरता के जख्मों का एहसास भी नहीं चला जायेगा। हां, अगर हम उन परिस्थितियों और कारणों का विश्लेषण कर सही सबक सीखें, जिनके चलते कभी सोने की चिड़िया कहा गया भारत एक-के-बाद-एक अनेक आक्रांताओं का गुलाम बना, तो शायद हमें अपना गौरव बहाल करने में मदद मिल पाये। बेशक यह कह देने जितना आसान भी नहीं है। यह तभी संभव है, जब हम बार-बार इतिहास के जख्म दिखाकर अपनी सत्ता राजनीति चमकाने के खेल के खतरों को समझें और यह काम कोई एक पक्ष नहीं कर सकता। कुछ दशकों से जिस तरह इतिहास या वर्तमान के जरिये भी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति जोर पकड़ रही है, उसमें कई बार तो सुनियोजित मिलीभगत भी लगती है। अगर औरंगजेब के जरिये हताश असदुद्दीन ओवैसी और अबू आजमी अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं तो उसकी कब्र खोदने की बात कहने वाले भी हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की जवाबी भावनाओं के जरिये अपनी चुनावी बिसात ही बिछा रहे हैं। लगभग साढ़े तीन दशक पहले देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से शुरू सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का खेल पूरे देश में कारगर चुनावी रणनीति बन गया है। सम्भल, बहराइच से लेकर कर्नाटक में ठेकेदारी में भी अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण तक के पीछे यही मानसिकता काम कर रही है कि विकास से ज्यादा धार्मिक भावनाएं सत्ता राजनीति में संभावनाएं बेहतर बनाती हैं। जब तक राष्ट्र हित में समाज जागरूक नहीं होगा, तब तक जीवित लोगों के बेहतर भविष्य के बजाय मुर्दा लोगों के नाम पर सत्ता राजनीति परवान चढ़ती रहेगी।

छावा विवाद से किसका नफा या नुकसान

विमर्श

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'छावा' फिल्म के चलते मुगल बादशाह औरंगजेब इन दिनों चर्चा में है। औरंगजेब भी चर्चा में तब आया, जब मुंबई के एक विधायक अबू आजमी ने उसकी प्रशंसा कर दी। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि महाराष्ट्र से लेकर देश की राजनीति सुलगने लगी। वामपंथी और राष्ट्रवादीय ऐतिहासिक दृष्टि तो पहले से ही औरंगजेब को लेकर बंटी हुई है, ऐसे में राजनीति नहीं बंटती तो हैरत ही होती। राजनीति के इस बंटवारे पर निगाह जमाए बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका मिला और नागपुर में दंगा फैल गया। अब दंगे की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पता चल रहा है कि औरंगजेब को लेकर जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, धार्मिक आधार पर वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ा। इसने सामाजिक समरसता के पथ के नीचे जैसे बारूद बिछा दी। इस बारूद के इंतजार में बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका माकूल लगा और उन्होंने अफवाह की माचिस धीरे से जलाकर बारूद के ढेर पर फेंक दी। नागपुर के दंगों में बांग्लादेशी कनेक्शन के संकेत तो यही हैं।

राष्ट्रविरोधी ताकतों को फायदा

समाजशास्त्री और चुनाव शास्त्री मानते हैं कि धार्मिक ध्रुवीकरण का फायदा राजनीति के उस हिस्से को होता है, जो मध्यमार्गी नहीं होती। उन्हें इसमें एक और तथ्य भी जोड़ देना चाहिए कि ध्रुवीकरण का फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों को भी मिलता है। तीन सौ साल पुराने शहर नागपुर का दंगों की आग में झुलसना तो यही बताता है। यह भी ध्यान देने की बात है कि नागपुर में अब तक कभी दंगा नहीं हुआ। बाबरी ध्वंस के बाद महाराष्ट्र के कई इलाके जब सुलग रहे थे, तब भी नागपुर शांत था। लेकिन औरंगजेब के चरित्र पर जब 'छावा' फिल्म ने सवाल उठाए तो नागपुर जल उठा। इतिहासकार अपने-अपने वैचारिक खेमे के लिहाज से अपनी सरपरस्त राजनीतिक धारा को फायदा पहुंचाने को लेकर ऐतिहासिक चरित्रों को पेश करता है। औरंगजेब के चरित्र को लेकर लिखे गए इतिहास की भी यही कहानी है।

यह बताने की जरूरत नहीं कि औरंगजेब को वामपंथी इतिहासकार महान शासक बताते रहे हैं। स्कूली पाठ्यक्रमों में औरंगजेब के बारे में पढ़ाया ही जाता रहा है कि बादशाह होने के बावजूद वह टोपी सीलकर और कुरान बेचकर अपना खर्च चलाता था। इस तथ्य को स्कूली स्तर से ही भारत की दो पीढ़ियों में इस कदर घोलकर पिला दिया गया है, उसके अन्य क्रूर कार्यों की छाप कहीं नेपथ्य में चली जाती है।

सीएम के बयान पर भी विवाद

यह भी सच है कि उसने सल्तनत अपने नाम करने के लिए अपने ही भाई दाराशिकोह की हत्या करा दी थी, अपने ही पिता शाहजहां और माता को आगरा के किले में कैद कर रखा था। औरंगजेब के खाते में अपने शासन के दौरान हिंदुओं पर तरह-तरह के अत्याचार भी दर्ज हैं। नागपुर के दंगों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने जो कहा है, उसे लेकर भी विवाद हो रहा है। फड़णवीस ने कहा है कि छावा फिल्म को लेकर

मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था। वैसे नागपुर में अफवाह फैलाई गई कि कुरान को जलाया जा रहा है। इसके बाद नागपुर का मुस्लिम समुदाय आक्रामक हो उठा और देखते ही देखते संतरा उत्पादन इलाके की राजधानी के रूप में विख्यात नागपुर धधक उठा। जब से शिवसेना के रास्ते बीजेपी से अलग हुए हैं, तब से उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना बीजेपी और उसके मराठी अगुआ देवेंद्र फड़णवीस पर हमले और तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ती। मराठी मानुष की नजर में हिंदू हृदय सम्राट रहे बाला साहब देवरस की वैचारिक उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाली शिवसेना के लिए देवेंद्र फड़णवीस का बयान बढ़िया अवसर लगा। उसने देवेंद्र फड़णवीस पर हमला बोल दिया। उद्धव की शिवसेना इस बहाने देवेंद्र को यह साबित करने में जुटी रही कि दरअसल वे सिर्फ हिंदुओं के वोट के लिए हिंदुत्व की राजनीति करते हैं, अलबत्ता उनका नजरिया दूसरा है। यह बात और है कि बीजेपी की ओर से शिवसेना के बयानों पर वैसी प्रतिक्रियाएं नहीं आई हैं, जैसी उसकी प्रतिक्रिया अबू आजमी के बयान के बाद आई थी, जिसमें आजमी ने औरंगजेब की प्रशंसा की थी। अगर हम मान लेते हैं कि छावा की वजह से मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था, क्योंकि इस फिल्म में औरंगजेब के चरित्र को उनके जेहनी छवि से अलग रूप में पेश किया गया है, तो इसका मतलब यह है कि फिल्म किताब की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी माध्यम है। यह फिल्म मराठी के मशहूर उपन्यासकार शिवाजी सावंत के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। दिलचस्प यह है कि यह उपन्यास करीब 46 साल पहले 1979 में प्रकाशित हुआ था, जिसका हिंदी समेत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। छावा का मतलब बच्चा या बेटा होता है। यह उपन्यास शिवाजी के बेटे संभाजी के जीवन पर केंद्रित है। इस उपन्यास में छत्रपति संभाजी के साथ औरंगजेब के युद्ध और मराठा साम्राज्य पर औरंगजेब के अत्याचार की कहानियां हैं। फिल्म में इसे ही उभारा गया है। वैसे एक सवाल यह भी उठता है कि ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर कोई समुदाय इस कदर क्यों खुद की भावनाओं को जोड़ लेता है? औरंगजेब के चरित्र को लेकर इतना गुस्से में भरने की जरूरत ही क्यों पड़े कि अपने आज के पड़ोसियों के साथ विवाद खड़ा करना पड़े। अगर किसी चरित्र का ऐतिहासिक स्वरूप क्रूरता से भरा है तो क्रूरता का बचाव ही क्यों करना? सवाल राजनीति से भी पूछे जा सकते हैं कि राजनीतिक लाभ-हानि के हिसाब को कब परे रखकर ऐतिहासिक चरित्रों का समग्रता से मूल्यांकन करेगी?

सवाल यह भी उठ सकता है कि क्या हम इतिहास को लेकर रोज-रोज के अपने रिश्तों को इतना बिगाड़ लेंगे कि हम वर्तमान में अपने साथियों और पड़ोसियों के साथ सुकून के साथ बैठ नहीं सकें, दो बोल बोल नहीं सकें। सवाल इतिहासकारों से भी पूछा जाना चाहिए कि वे कब अपनी वैचारिक खेमेबाजी से उठकर किसी ऐतिहासिक घटना और चरित्र का आकलन करेंगे और कब तक अपने वैचारिक आकाओं के राजनीतिक मोहरे बनते रहेंगे? दिलचस्प यह है कि छावा फिल्म के जरिए फिल्मकार की मोटी कमाई हो रही है। अब तक यह फिल्म साढ़े सात सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी थी। यानी विवादों ने फिल्म को आर्थिक फायदा खूब पहुंचाया है।

खेमेबंदी को त्यागना जरूरी

इस पूरे विवाद में अगर नुकसान हुआ है तो सिर्फ और सिर्फ भारत के लोक का, जो लोकतंत्र का आधार है। जो आपस में ही लड़ने को उतारू है। उसे ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर अपनी खेमेबंदी अपने वैचारिक आधारों की बुनियाद पर खड़ी करने की बजाय समग्रता में करनी होगी। अन्यथा उसकी भावनाओं के जरिए कारोबार भी होगा और राजनीति भी होती रहेगी। भारतवासियों को अपनी तकदीर खुद लिखनी होगी।

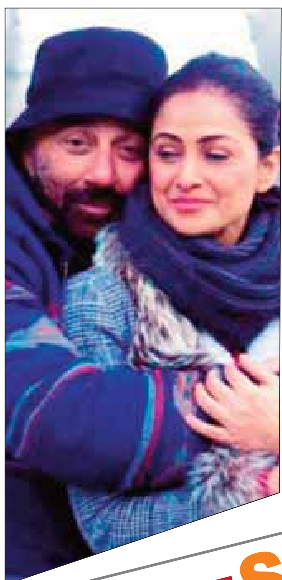

सनी की 'सफर' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज!

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के धांसू एक्टर सनी देओल इस समय एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। इस समय वो अपनी अपकमिंग एक्शन-ड्रामा 'जाट' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं, जो 10 अप्रैल के दिन रिलीज होने वाली है। अब जो लेटेस्ट रिपोर्ट्स सामने आई हैं उनके मुताबिक सनी देओल की फैमिली ड्रामा बेस्ड फिल्म 'सफर' को सिनेमाघरों में नहीं बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने का मन लिया है। रिपोर्ट के अनुसार 2025 के अंत तक इसे ओटीटी पर रिलीज कर दिया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार सनी देओल की फिल्म 'सफर' में कोई एक्शन नजर नहीं आएगा। इस मूवी में सनी देओल को एक मिडिल ऐज फैमिली मैन के रोल में देखा जाएगा।

लाइफ Style

किआरा
टॉक्सिक के लिए वसूली मोटी फीस

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मशहूर एक्ट्रेस किआरा आडवाणी खूब चर्चा में है। एक्ट्रेस ने कुछ महीने पहले अपनी प्रेग्नेंसी की गुड न्यूज फैंस संग शेयर की है। वहीं जल्द ही एक्ट्रेस यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाले हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म के लिए किआरा आडवाणी ने मोटी फीस वसूली हैं, जिसके बाद वो हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस की लिस्ट में भी शामिल हो गई है।

फिल्म 'टॉक्सिक' में किआरा आडवाणी लीड रोल प्ले करने वाली है। यश की फिल्म 'टॉक्सिक' के लिए किआरा आडवाणी ने 15 करोड़ रुपये लिए हैं। किआरा आडवाणी की बढ़ती पॉपुलैरिटी को देखते हुए मेकर्स ने आसानी से एक्ट्रेस को इतनी फीस दे दी है। अब किआरा आडवाणी दीपिका-प्रियंका जितनी फीस लेने वाली एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। इससे पहले प्रियंका चोपड़ा ने साउथ की फिल्म 'एसएसएमबी 29' के लिए मोटी फीस वसूली थी। रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म के लिए देसी गर्ल ने 35 करोड़ रुपये चार्ज किए थे।

इन फिल्मों में आएंगी नजर : किआरा आडवाणी अभी फिल्म टॉक्सिक और जूनियर एनटीआर की फिल्म 'वॉर 2' में नजर आने वाली है। कुछ दिनों पहले ऐसी रिपोर्ट आई थी कि प्रेग्नेंसी के कारण किआरा आडवाणी ने डॉन-3 करने से मना कर दिया है। अब फैंस बेसब्री से किआरा की फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। किआरा आडवाणी ने साल 2023 में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ शादी की थी। अब कपल जल्द ही बच्चे का स्वागत करने वाले हैं।

हॉलीवुड मसाला

अवतार-3 देखने के बाद 4 घंटे तक रोई

लॉस एंजिल्स। ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता-निर्देशक जेम्स कैमरून की अपकमिंग फिल्म 'अवतार 3' या 'अवतारः फायर एंड ऐश' इसी साल रिलीज के लिए तैयार है। जेम्स ने बताया कि जब उनकी पत्नी सूजी एमिस कैमरून ने पहली बार 'अवतार 3' के शुरुआती सीन को देखा, तो वह अपने आंसुओं को रोक नहीं पाईं और चार घंटे तक रोती रहीं। एक मैगजीन से बातचीत में कैमरून ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार अपनी पत्नी को साइंस-फिक्शन फिल्म का शुरुआती भाग दिखाया, तो वह भावुक हो गईं।

'जटाधारा' में सोनाक्षी का रौद्र रूप...

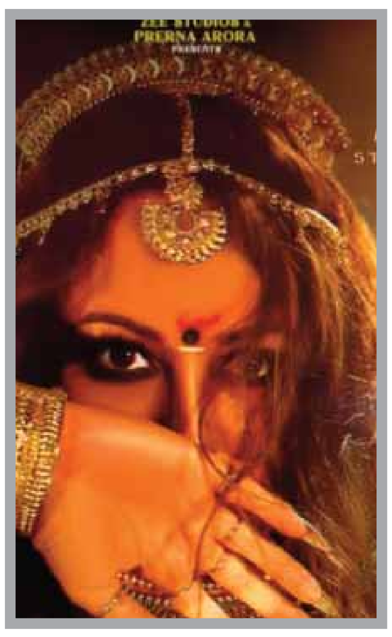

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रही है। अभिनेत्री फिल्म 'जटाधारा' में नजर आने वाली है। जी स्टूडियो ने सोनाक्षी का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया है। यह कोई और नहीं बल्कि वेंकेट कल्याण कि अपकमिंग फिल्म जटाधार है। आज मेकर्स ने सोनाक्षी सिन्हा का फर्स्ट लुक शेयर किया है जो एकदम फायर लग रहा है। पोस्टर पर नजर डालें तो सोनाक्षी के बाल बिखरे हुए हैं, माथे पर मुकुट है आँखों में गुस्सा है और हाथों में ज्वेलरी है। इस रूप में मानो वह कोई रौद्र देवी लग रही हों। बात करें फिल्म की तो इसकि शूटिंग 14 फरवरी हैदराबाद में शुरू हो चुकी है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा के साथ सुधीर बाबू पोसानी, शिल्पा सिरोड़कर, शिविन नारंग, रैना अंजली जैसे स्टार्स नजर आने वाले हैं।

'पुष्पा-3' की रिलीज डेट से उठा पर्दा...

मुंबई। अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म में से एक थी। फैंस ने इस फिल्म को काफी ज्यादा पसंद किया था। पुष्पा 2 के बाद से ही फैंस को पुष्पा 3 का बेसब्री से इंतजार था। अब पुष्पा 3 को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इस खबर को सुनकर फैंस के बीच काफी ज्यादा खुशी का माहौल है। आइए जानते है कि निर्माता ने क्या बड़ा अपडेट दिया है। हाल ही में फिल्म 'रॉबिनहुड' के प्रमोशनल इवेंट के दौरान निर्माता रविशंकर ने पुष्पा 3 को लेकर चुप्पी तोड़ी है। निर्माता रविशंकर ने कहा- 'पुष्पा 3' 2028 में रिलीज होगी। यह अपडेट 'पुष्पा 2ः द रूल' की सफलता के बाद आया है। अल्लू की फिल्म पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी। इस फिल्म ने दुनिया भर में 1,650 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की थी।

रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल का दूसरा सीजन 23 तक

मुंबई। महिला दिवस के अवसर पर वरिष्ठ अभिनेत्री शबाना आजमी ने रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल के अपकमिंग सीजन में फेम लेंस कैटेगरी का आयोजन किया। इस सेक्शन में दुनिया भर की महिला फिल्मकारों की असाधारण फिल्में दिखाई गईं। महिला दिवस पर आयोजित विशेष शोकेस में सिनेमा में महिलाओं की साहस, प्रतिभा और कहानी कहने की कला का जश्न मनाया गया। शबाना आजमी ने कहा, मुझे रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल में 'फेम लेंस' श्रेणी के लिए बहुत खुशी हो रही है, जिसमें दुनिया भर की अद्भुत महिला फिल्मकारों की प्रतिभा का जश्न मनाने वाली इन असाधारण फिल्मों का चयन किया गया है। सिनेमा में सीमाओं को पार करने की शक्ति है। बुक माई शो द्वारा क्यूरेट रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल का दूसरा सीजन 21-23 मार्च तक चलेगा।

टीवी मसाला

'गुम हैं किसी के प्यार' में सीरियल छोड़ते ही हितेश की चमकी किस्मत

मुंबई। टीवी के चर्चित एक्टर हितेश भारद्वाज ने अपनी एक्टिंग और अंदाज से इंडस्ट्री में जबरदस्त पहचान बनाई है। हितेश भारद्वाज को आखिरी बार 'गुम है किसी के प्यार में' में देखा गया था, जहां उन्होंने रजत ठक्कर की भूमिका अदा की थी। हितेश भारद्वाज के इस किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। कुछ वक्त पहले खबर आई थी कि हितेश भारद्वाज को 'खतरों के खिलाड़ी 15' के लिए अप्रोच किया गया है और मेकर्स संग एक्टर की बातचीत जारी है। वहीं अब एक डेली सोप के लिए हितेश भारद्वाज का नाम फिर से सामने आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो हितेश भारद्वाज को सोनी टीवी के अपकमिंग शो के लिए अप्रोच किया गया है। मेकर्स उन्हें शो में कास्ट करने के लिए बेताब हैं। हितेश भारद्वाज से जुड़े सूत्रों ने मामले की जानकारी देते हुए कहा, शो में हितेश भारद्वाज को कास्ट करने के लिए मेकर्स बहुत बेताब हैं। एक्टर को ये शो ऑफर भी किया जा चुका है, लेकिन देखते हैं कि मेकर्स संग ये बातें कहां तक जाती हैं। बताया जा रहा है कि इस शो को एसवीएफ प्रोडक्शन्स के बैनर तले तैयार किया जाएगा, जिसने बंगाली भाषा में कई हिट शो दिये हैं। हितेश भारद्वाज के साथ एसवीएफ प्रोडक्शन्स हिंदी भाषी इंडस्ट्री में हाथ आजमाने की कोशिश करेंगे। हालांकि अभी तक मामले पर हितेश भारद्वाज की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। बता दें कि हितेश भारद्वाज को 'खतरों के खिलाड़ी 15' के लिए भी अप्रोच किया गया था। शो को लेकर मेकर्स संग उनकी बातचीत जारी है, लेकिन अभी तक हितेश ने इसपर कोई कमेंट नहीं किया है।

'खतरों के खिलाड़ी 15' में होगी कई टीवी एक्टर की एंट्री

मुंबई। मशहूर बॉलीवुड प्रोड्यूसर रोहित शेट्टी जल्द ही अपने धमाकेदार शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' के साथ टीवी पर दस्तक देने के लिए तैयार हैं। रोहित शेट्टी के 'खतरों के खिलाड़ी 15' के लिए अभी तक कई सितारों को अप्रोच किया जा चुका है, जिसमें चुम दरांग से लेकर टीवी की नागिन सुरभि ज्योति का नाम भी सामने आया। वहीं अब शो से एक और टीवी एक्टर का नाम जुड़ा है, जो छोटे पर्दे पर कई धमाकेदार सीरियल्स में अहम भूमिका अदा कर चुका है। शो को हिट बनाने के लिए मेकर्स एक से एक टीवी स्टार्स को अप्रोच कर रहे हैं। चाहे वो 'बिग बॉस 18' फेम अविनाश मिश्रा हों या फिर एरिका फर्नांडिस। अब मेकर्स ने 'अनुपमा' और 'कुंडली भाग्य' से सबका दिल जीतने वाले पारस कलनावत को भी अप्रोच किया है। अगर पारस कलनावत 'खतरों के खिलाड़ी 15' का हिस्सा बनते हैं तो ये उनका दूसरा रियलिटी शो होगा। क्योंकि इससे पहले उन्होंने 'झलक दिखला जा 10' में भी अपनी किस्मत आजमाई थी।

कॉमेडी मसाला है 'पिंटू की पप्पी', फुलटाइम पास फिल्म

मुंबई। सिनेमाघरों में हाल ही में डांस कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की फिल्म 'पिंटू की पप्पी' रिलीज हुई है। फिल्म में कॉमेडी का तड़का है नए कलाकारों के साथ फिल्म मनोरंजन से भरपूर और फुल टाईमपास हैं। इस रोमांटिक कॉमेडी फ़ल्मि को विधि आचार्य ने प्रोड्यूस किया है, इसे शिव हरे ने डायरेक्ट किया है। हालांकि विजय राज फिल्म में स्पोर्टिंग रोल करते नजर आ रहे हैं। सुशांत थमके, जान्या जोशी ने इस फिल्म से डेब्यू किया है। फिल्म को 5 में से 3.5 स्टार दिए गए हैं।

फिल्म की कहानी भी है बड़ी मजेदार

कहानी की बात करें तो कॉमेडी के कान्सेप्ट से इसे काफी मजेदार रखा गया है। फ़ल्मि का हीरो प्रशांत बाबू उर्फ पिंटू है। इनकी बदकिस्मती ये है कि जब भी पिंटू किसी लड़की को किस करता है, तो वह किसी और से शादी कर लेती है। फिर एंट्री होती है हीरो

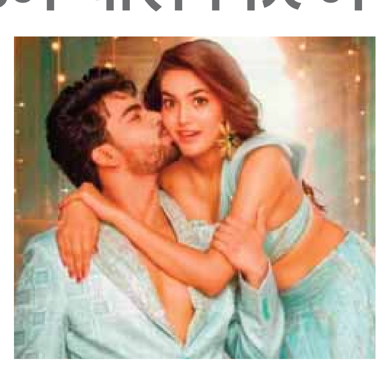

के मामा यानि गणेश आचार्या की जो अपने भांजे की इस समस्या को क्वालिटी के रूप में इस्तेमाल करते हैं और लड़कियों की शादी करवाने का कारोबार शुरू करते हैं। दोनों मामा-भांजा मिलकर लड़कियों की शादी करवाने का कारोबार शुरू करते हैं। इसी के साथ फिल्म आगे बढ़ती है लेकिन जब पिंटू को अपनी ही क्लाइंट से प्यार हो जाता है तो वह इसमें बुरा फंस जाता है।

महेश बाबू के बेटे गौतम का पहला एक्टिंग वीडियो हुआ रिलीज...

मुंबई। साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू के बेटे गौतम घट्टामनेनी का एक्टिंग वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो को महेश बाबू के फैन पेज ने शेयर किया है। इस वायरल वीडियो में स्टार किड अपनी क्लासमेट के साथ परफॉर्म करते हुए नजर आ रहे हैं। बता दें कि महेश बाबू के बेटे गौतम घट्टामनेनी ही नहीं बल्कि उनकी बेटी सितारा भी सोशल मीडिया स्टार है। वो अपनी तस्वीरों सो सुर्खियां बटोरती हैं। वीडियो में गौतम को न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी में अपने क्लासमेट के साथ एक ड्रामा करते हुए देखा जा रहा है, लेकिन इस वीडियो में आवाज नहीं है, केवल गौतम के हाव-भाव फैंस को दिखाई दे रहे हैं। इस वायरल वीडियो में गौतम घट्टामनेनी एक टक्सीडो लुक में नजर आ रहे हैं। बता

दें गौतम ने 2024 में हैदराबाद के इंटरनेशनल स्कूल से अपनी स्कूल की पढ़ाई पूरी की है, उन्होंने एनवाययू में स्नातक की डिग्री हासिल की है।

दो पार्ट में रिलीज होगी फिल्म

महेश बाबू इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म एसएसएमबी29 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। कुछ दिनों पहले इस फिल्म की शूटिंग ओडिशा में चल रही थी। इस फिल्म को एसएस राजामौली निर्देशित कर रहे हैं। ये फिल्म एक जंगल एडवेंचर फिल्म है। रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म को 1000 करोड़ रुपये के बजट में बनाया जा रहा है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा भी नजर आने वाली हैं। रिपोर्ट के अनुसार महेश बाबू की फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी। पहला पार्ट 2027 में रिलीज होगा। वहीं दूसरा पार्ट 2029 में रिलीज हो सकता है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने ठुकरा दी थी जॉन अब्राहम की 'द डिप्लोमैट', अभिनेता ने किया बड़ा खुलासा

मुंबई। बॉलीवुड इंडस्ट्री के फेमस एक्टर जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' 14 मार्च के दिन रिलीज हुई थी। जॉन अब्राहम स्टारर 'द डिप्लोमैट' फिल्म को रिलीज हुए एक हफ्ता हो गया है और यह अभी अच्छी कमाई कर रही है। जॉन अब्राहम ने अपनी फिल्म 'द डिप्लोमैट' को लेकर अब एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है लेकिन 'द डिप्लोमैट' को ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने खरीदने से मना कर दिया था।

ओटीटी को फिल्म नहीं लगी थी ठीक' : जॉन अब्राहम ने खुद बताया कि 'द डिप्लोमैट' को कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने ऑनलाइन स्ट्रीम करने से मना कर दिया था। अभिनेता ने कहा कि उन्हें लग रहा था यह फिल्म उतनी अच्छी नहीं है। जब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने इसे खरीदने से मना कर दिया था तो स्टूडियो को भी लगने लगा था कि ठीक नहीं है। उन्होंने इसे रिजेक्ट कर बाहर कर दिया था।

सिनेमाघरों में कर रही ताबड़तोड़ कमाई

ओटीटी को किया फिल्म की भरोसा नहीं टूटने दिया, फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म से मिले रिजेक्शन के बाद भी जॉन अब्राहम और फिल्म डायरेक्टर शिवम नायर ने सारी चीजों को साइड में रखकर उन्होंने इसे सिनेमाघरों में रिलीज किया। उन्होंने फिल्म में पैसा भी लगाया। हालांकि अब जॉन अब्राहम को इस बात पर गर्व है कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को गलत साबित करने में सफल भी रही। यह फिल्म अब तक बॉक्स ऑफिस पर 19 करोड़ रुपये कमा चुकी है।

अक्षय की 'भूत बंगला' में हुई इस साउथ स्टार की एंट्री

मुंबई। अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म प्रियदर्शन की हॉरर कॉमेडी भूत बंगला को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अब इस फिल्म में साउथ के एक्टर की एंट्री हुई है। हाल ही शूटिंग सेट से तस्वीरें वायरल हुई है। जिसमें साउथ सुपरस्टार राम चरण नजर आ रहे हैं। इस वायरल हुई फोटो में राम चरण निर्देशक प्रियदर्शन से बात करते हुए नजर आ रहे हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित भूत बांग्ला में अक्षय कुमार, परेश रावल, वामिका गब्बी, तब्बू, राजपाल यादव, जिशु सेनगुप्ता जैसे सितारे नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार ये फिल्म 2 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

इन फिल्मों में आएंगे नजर

राम चरण भूत बंगला के अलावा आरसी 16 में भी नजर आने वाले हैं। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में राम चरण के साथ जान्हवी कपूर भी नजर आने वाली है। इसके अलावा, इसमें 'मिर्जापुर' फेम दिव्येंदु, शिव राजकुमार और जगपति बाबू जैसे सितारे भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म को वेंकट सतीश किलारू प्रोड्यूस कर रहे हैं। इसके अलावा राम चरण आरआरआर पार्ट 2 में भी नजर आएंगे।

जयपुर में जोरशोर से चल रही शूटिंग

इन दिनों इस फिल्म की शूटिंग जोरों से चल रही है। रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म की शूटिंग अभी जयपुर मेंशन में चल रही थी। अब टीम ने अपना शेड्यूल पूरा कर लिया है। हाल ही में सोशल मीडिया पर इस शूटिंग से तस्वीरें वायरल हुई है। अब इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। फैंस इस तस्वीर को काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इस फोटो को देखकर पता चल रहा है कि राम चरण प्रियदर्शन से किसी सीन को लेकर बात कर रहे हैं।

भारत के इस रेलवे स्टेशन पर कभी नहीं रुकती यात्री ट्रेन कभी सफर करते थे दिग्गज नेता, आज कोई पूछता भी नहीं!

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क माना जाता है, जहां से हजारों ट्रेन रोजाना संचालित होती हैं, जो एक राज्य से दूसरे राज्य होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं। इस दौरान लोग अपनी सुविधा अनुसार टिकट बुक करते हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं भारतीय रेलवे का इतिहास काफी रोचक भर रहा है। आज आपको उस रेलवे स्टेशन के बारे में बताएंगे, जो भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन है, लेकिन यहां आज तक कोई भी ट्रेन नहीं रुकी है। हालांकि, इस रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म भी है और यहां रेलवे कर्मचारियों को भर्ती भी दी जाती है।

राजनीतिक हस्तियां करते थे इस्तेमाल

इस स्टेशन की खास बात यह है कि यहां साइन बोर्ड पर आज भी भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन लिखा हुआ है, जिसे ब्रिटिश काल में बनाया गया था, ताकि भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों को मजबूत किया जा सके। साथ ही एक देश से दूसरे देश में समान आयात और निर्यात कर सके। हालांकि, आज यह रेलवे स्टेशन बिल्कुल सुना पड़ चुका है। आजादी से पहले महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस जैसे राजनीतिक हस्तियां ढाका जाने के लिए इस रेलवे स्टेशन से ही यात्रा तय करते थे।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित है सिंघाबाद

भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन भारत बांग्लादेश सीमा पर स्थित सिंघाबाद रेलवे स्टेशन को माना जाता है, जहां से भारत की सीमा खत्म हो जाती है और बांग्लादेश की सीमा शुरू हो जाती है। यहां प्लेटफार्म के साथ-साथ रेलवे स्टाफ भी है, लेकिन यहां पर कोई भी ट्रेन नहीं रुकती है।

यह उठाते हैं जिम्मेदारी

आज समय बदल चुका है, यहां एक भी ट्रेन नहीं रुकती और ना ही कोई भी यात्री यहां पर आता है। केवल मालगाड़ी ही आती जाती है। साल 1978 के बाद समझौते के तहत इस रेलवे स्टेशन का इस्तेमाल केवल मालगाड़ियों के लिए किया जाने लगा। सूनसान प्लेटफार्म, खाली टिकट काउंटर के बावजूद यह रेलवे स्टेशन संचालित है। जिसकी पूरी जिम्मेदारी रेलवे डिपार्टमेंट के साथ-साथ केंद्र सरकार की भी है।

रोचक खबरें

ट्रेनों में क्यों लगे होते हैं लाल-नीले और हरे रंग के कोच? सबका कारण अलग-अलग

नई दिल्ली। इंडियन रेलवे को देश के लाइफलाइन के नाम से जाना जाता है। इंडियन रेलवे से हर रोज लाखों लोग सफर करते हैं। आपने भी कभी ना कभी किया होगा। आपने भी कभी ना कभी ट्रेन से जरूर सफर किया होगा लेकिन क्या कभी आपने ध्यान दिया है कि आखिर रेलवे की ट्रेनों में लाल-नीले और हरे रंग के कोच क्यों लगे होते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं रेलवे के ट्रेनों में लाल-नीले और हरे रंग के कोच क्यों लगे होते हैं।

नीला आईसीएफ, लाल एलएचबी कहलाता है : ट्रेन के नीले रंग के कोच को आईसीएफ (इंटीग्रल कोच फैक्ट्री) कहा जाता है, जबकि लाल रंग के कोच को एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) के नाम से जाना जाता है। इन दोनों कोच में केवल रंग का ही अंतर नहीं होता, बल्कि ये एक दूसरे से कई मायनों में अलग होते हैं।

नीले रंग के कोच की स्पीड लिमिट : नीले रंग के डिब्बों का इस्तेमाल ज्यादातर मेल एक्सप्रेस और इंटरसिटी ट्रेनों में होता है। इनमें एयर ब्रेक होते हैं। ये कोच जिन ट्रेनों में इस्तेमाल किए जाते हैं उनकी स्पीड लगभग 70 से 140 किलोमीटर प्रतिघंटे की होती है।

200 किमी स्पीड पर दौड़ते हैं लाल रंग के कोच : लाल रंग के कोच को लिंक हॉफमेन बुश कोच कहा जाता है। इनका इस्तेमाल आमतौर पर राजधानी और शताब्दी जैसी ट्रेनों में किया जाता है। इन ट्रेनों की स्पीड 200 किलोमीटर प्रतिघंटे तक हो सकती है।

इस देश को मिला 700000000000 का दुर्लभ खजाना, बांट दे तो हर कोई बन जाए करोड़पति

नई दिल्ली। आपने अक्सर देश-दुनिया में करोड़ों-अरबों रुपये का खजाना मिलने की खबर सुनी होगी, लेकिन भारत का एक ऐसा फ्रेंडली देश है, जिसे 1-2 करोड़ नहीं, बल्कि 7 खरब रुपये का खजाना मिला है, वो भी कोयले की राख से. जी हां, आपको भी ये जानकर हैरानी जरूर हुई होगी। इस खोज से अमेरिका को दुर्लभ मृदा तत्वों के आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी और यह महत्वपूर्ण खनिजों के स्रोत के रूप में कोयला राख को एक नई पहचान देगी।

अमेरिका को मिला दुर्लभ खजाना: दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका ने कोयले की राख के ढेर में छिपे 8.4 बिलियन डॉलर के खजाने की खोज की है। यह खजाना दुर्लभ मृदा तत्वों से भरा हुआ है, जो स्मार्टफोन, अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी और उच्च-प्रदर्शन वाले उपकरणों के निर्माण में इस्तेमाल होते हैं।

शोधकर्ताओं ने की ये खोज : यह खोज टेक्सास विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने की है। उन्होंने पाया कि अमेरिका के कोयला राख भंडारों में ये दुर्लभ तत्व प्रचुर मात्रा में मौजूद हैं। यह खोज अमेरिका की दुर्लभ मृदा तत्वों के आयात पर निर्भरता को कम कर सकती है।

औद्योगिक कचरा : कोयला राख, कोयले को जलाने के बाद बचा हुआ पाउडर जैसा उत्पाद है, जिसे लंबे समय से औद्योगिक कचरा माना जाता रहा है। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने इसे दुर्लभ मृदा तत्वों का एक बड़ा स्रोत बताया है।

हरे-भरे चमत्कार : एक पेड़ जो 'चलता' है, तो कोई है बेहद जहरीला, छूते ही चली जाती है जान

नई दिल्ली। पेड़ धरती की बाहें हैं। वो बाहें जो हम सबको अपनी छाया में समेट लेती हैं। पेड़ हमें सांस देते हैं, भोजन देते हैं और आश्रय के बनाने के लिए लकड़ियां भी। इन सबसे बढ़कर वो हमें एक हरा-भरा संसार देते हैं। हमारी दुनिया को सुंदर बनाते हैं। पेड़ हमें सिखाते हैं कि खुद धूप सहकर भी दूसरों को छाया दी जा सकती है..और जड़ों से जुड़े रहकर भी आकाश छुआ जा सकता है। पेड़ और जंगल हमें जीने की कला सिखाते हैं। धरती पर जीवन बना रहे, इसके लिए पेड़ों का बचे रहना जरूरी है। अगर हम पेड़ों को बचाएँगे तो ये भी हमें बचाएँगे। ये न सिर्फ हमें ऑक्सीजन देते हैं बल्कि पर्यावरण को भी संतुलित रखते हैं। जंगल कई जीव-जंतुओं का घर होते हैं और बारिश लाने में भी मदद करते हैं।

सबसे पुराना जीवित पेड़ – ओल्ड टीजिक्को : क्या आप जानते हैं कि पृथ्वी पर सबसे पुराने पेड़ की आयु क्या है। ये पेड़ स्वीडन में स्थित एक नॉर्वे स्प्रूस है, जिसे "ओल्ड टीजिक्को" कहा जाता है। ये दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात जीवित पेड़ माना जाता है। इसकी उम्र लगभग 9500 साल आंकी गई है।

पेड़ों का "वुड वाइड वेब" : पेड़ एक-दूसरे से बात करते हैं, और यह कोई काल्पनिक बात नहीं है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि पेड़ माइकोराइज़ल फंगी (जड़ों से जुड़े फंगल) के नेटवर्क के माध्यम से संचार करते हैं, जिसे "वुड वाइड वेब" कहा जाता है। इस नेटवर्क के जरिए पेड़ पोषक तत्वों और जानकारी का आदान-प्रदान करते हैं।

ये है भारत का छुपा हुआ यूरोप, इन जगहों पर देखें स्कॉटलैंड से लेकर स्विट्ज़रलैंड जैसे नजारे

नई दिल्ली। भारत का नाम दुनिया के सबसे खूबसूरत देशों में शामिल है। यहां की संस्कृति, परंपरा, रहन-सहन और इतिहास हमेशा से लोगों को आकर्षित करता आया है। भारत के अलग-अलग हिस्सों में बसे राज्यों की परंपराओं, त्योहार और इतिहास को जानने के लिए देश ही नहीं विदेशों से भी पर्यटक पहुंचते हैं। यहां घूमने के लिए बहुत कुछ मौजूद है और अगर हम आपको यह कहें कि आपको यूरोप भी भारत में मिल जाएगा तो आप क्या कहेंगे। जाहिर सी बात है आपको हैरानी होगी लेकिन यह बात वाकई में सच है।

शिमला

शिमला देश के सबसे खूबसूरत हिल स्टेशन में से एक है। अक्सर लोग यहां

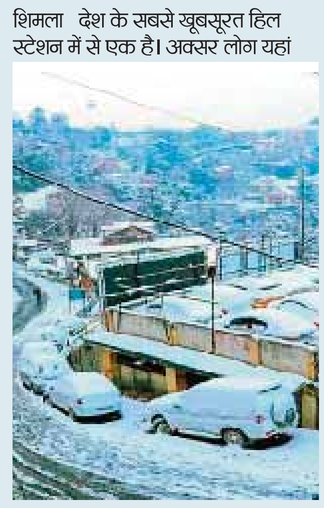

घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह कपल्स के बीच हनीमून डेस्टिनेशन के तौर पर भी प्रसिद्ध है। जब आप यहां जाएंगे तो आपको अद्भुत प्राकृतिक नजारों के साथ खूबसूरत वास्तुकला का दीदार करने को भी मिलेगा। यहां की हरी भरी पहाड़ियां और वास्तुकला आपको इंग्लैंड में होने का अहसास कराएगी।

हर राज्य अपने-अपने कारणों से प्रसिद्ध

भारत का हर राज्य अपने अलग रहन-सहन, बोली, खान-पान और संस्कृतियों के लिए प्रसिद्ध है। आज हम आपके यहां के कुछ ऐसे हिल स्टेशन के बारे में बताते हैं। जहां जाने के बाद आपको ऐसा लगेगा कि आप यूरोप घूम रहे हैं। यूरोप की खूबसूरती को दुनिया भर में पसंद किया जाता है। देश के इन स्थानों पर जाने के बाद आपको वही घूमने का एहसास होगा।

ऊटी

ऊटी भारत की सबसे सुंदर स्थान में से एक है। इस जगह के बगीचे और झीलें बहुत ही सुंदर है। यहां प्रकृति के अद्भुत नजारे आपको स्कॉटलैंड की हरी भरी वादियों की याद दिला देंगे।

दार्जिलिंग : दार्जिलिंग कितनी फेमस जगह है यह तो सभी लोग जानते हैं। इस जगह को अपने खूबसूरत चाय के बागान और कंचनजंगा के अद्भुत दृश्यों के लिए पहचाना जाता है। जब आप इस जगह पर दूर-दूर तक फैले नीले नीले पहाड़ देखेंगे तो आपको ऐसा लगेगा कि आप स्विट्ज़रलैंड में घूम रहे हैं।

मसूरी

मसूरी भारत के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशन में से एक है। इस जगह को पहाड़ों की रानी के नाम से पहचाना जाता है। दरअसल, यहां के दूर-दूर तक पहले पहाड़ इतनी खूबसूरत है कि किसी का भी दिल जीत सकते हैं। यहां के शांत वातावरण के बीच आप ऑस्ट्रिया के पहाड़ों की सुंदरता महसूस कर सकते हैं।

मुन्नार

यह बहुत ही अद्भुत और प्रसिद्ध हिल स्टेशन है। यहां का हरा भरा वातावरण और चाय के बागान आपके मन को अद्भुत सुकून देने का काम करेंगे। जब आप यहां जाएंगे तो आपको ऐसा लगेगा कि आप आयरलैंड के ग्रामीण इलाकों में घूम रहे हैं। यहां की खूबसूरती कमाल की है।

शादी के दिन दूल्हे की पिटाई तो यहां होता है दुल्हन का अपहरण, दुनियाभर में विवाह से जुड़ी मजेदार रस्में

नई दिल्ली। शादी जीवन का एक अहम पड़ाव होता है। विवाह पर दुनियाभर में विभिन्न तरह की रस्में निभाई जाती हैं। स्थानीय परंपराओं, धार्मिक और सामाजिक मान्यताओं के अनुसार इन रीति-रिवाजों का निर्धारण होता है। विवाह के दौरान निभाई जाने वाली रस्में अलग-अलग संस्कृतियों और परंपराओं का प्रतिबिंब होती हैं। इन रस्मों के पीछे विशेष कारण और महत्व होता है। उदाहरण के लिए, हिंदू विवाह में सप्तपदी (सात फेरे) लिए जाते हैं जो पति-पत्नी के बीच सात वचनों का प्रतीक हैं। मुस्लिम विवाह में निकाह की रस्म होती है, जिसमें काजी की उपस्थिति में इजाब (प्रस्ताव) और कबूल (स्वीकृति) की प्रक्रिया संपन्न होती है। ईसाई विवाह में चर्च में प्रार्थना और वचनों का आदान-प्रदान होता है।

दुल्हन का रोना

चीन के सिचुआन प्रांत में तुजिया समुदाय की दुल्हनें शादी से एक महीने पहले से रोजाना एक घंटे रोने की रस्म निभाती हैं। यह परंपरा उनकी भावनाओं की अभिव्यक्ति और वैवाहिक जीवन में आने वाली चुनौतियों की तैयारी का प्रतीक मानी जाती हैं।

दूल्हा-दुल्हन का गायब होना : अगर दूल्हा-दुल्हन शादी के बाद गायब हो जाएं तो फिर क्या होगा। वेनेज़ुएला में ऐसा होना आम है। यहां शादी के बाद नवविवाहित जोड़ा बिना किसी को बताए समारोह से चुपचाप निकल जाता है। इस रस्म को उनके वैवाहिक जीवन में सौभाग्य लाने वाला माना जाता है।

दुल्हन का अपहरण

रोमानिया में शादी से पहले दुल्हन के दोस्तों, परिवार या भाड़े के अपहरणकर्ताओं द्वारा दुल्हन का अपहरण करने की परंपरा है। इसके बाद दूल्हे को फिरौती देकर या रोमांटिक इशारों से दुल्हन को छुड़ाना होता है। यह रस्म नए जोड़े के लिए सौभाग्य और समृद्धि लाने के लिए निभाई जाती है।

ब्लैकनिंग रस्म > स्कॉटलैंड में शादी से पहले दोस्तों और परिवार द्वारा दूल्हा दुल्हन पर कालिख, आटा और अन्य चिपचिपी चीजें फेंकी जाती हैं।

दूल्हे की पिटाई

दक्षिण कोरिया में शादी से पहले दूल्हे के पैरों को रस्सी से बांधकर उसके तलवों पर मछली या लकड़ी से मारने की रस्म होती है। इसे दूल्हे की सहनशक्ति और चरित्र की परीक्षा के रूप में देखा जाता है।

क्रॉकरी तोड़ना

आमतौर पर शादी में नए जोड़े को बर्तन तोहफे में दिए जाते हैं जो उनकी गृहस्थी में काम आ सकें। लेकिन जर्मनी में शादी के दिन मेहमान दुल्हन के घर इकट्ठा होकर चीनी मिट्टी के बर्तन तोड़ते हैं। इसके बाद नवविवाहित जोड़ा मिलकर इन टुकड़ों की सफाई करता है। ये उनके संयुक्त जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने की क्षमता का प्रतीक माना जाता है।

रिसर्च में मिला चौंकाने वाला सबूत

करोड़ों साल पहले धरती पर चलते थे पैरों वाले सांप

नई दिल्ली। सांप देखने में जितने खतरनाक और फुर्तीले लगते हैं, उतने ही रहस्यमयी भी हैं। उनकी लहराती चाल और जहरीली जीभ हर किसी को हैरान करती है लेकिन एक सवाल जो मन में आता है - इनके पैर कहां गए? क्या सांप हमेशा से ऐसे ही थे, या कुछ और कहानी है इसके पीछे? करोड़ों साल पहले सांप पैरों के सहारे चलते थे, नई रिसर्च में इस बात के सबूत मिले हैं। वैज्ञानिकों को मिले जीवाश्मों से पता चला है कि सांपों का विकास पहले की सोच से काफी अलग हो सकता है।

पहले थे पैरों वाले सांप

रिसर्च से जो जानकारी सामने आई है उसे जानकर आप चौंक जाएंगे कि लाखों-करोड़ों साल पहले सांपों के पास पैर हुआ करते थे। जी हां, उनके पुरखे पैरों के साथ घूमते थे! आज भी उनके डीएनए में पैरों के निशान छिपे हैं, पर अब वो गायब हो चुके हैं। ऐसा करीब 10 करोड़ साल पहले हुए बदलाव की वजह से हुआ।

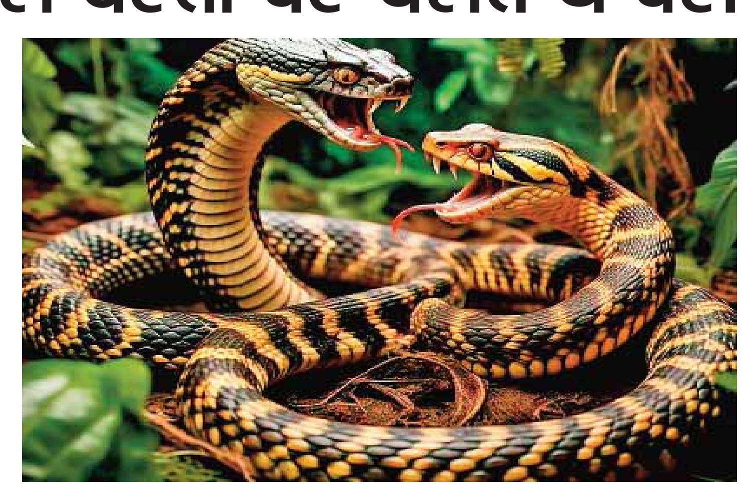

जीन का खेल

सांपों के पैर गायब होने की वजह है एक खास जीन - 'सोनिक हेजहोग'। ये जीन शरीर में पैर जैसे अंग बनाने का काम करता है। छिपकलियों में ये जीन चालू रहता है, इसलिए उनके पैर बनते हैं लेकिन सांपों में ये जीन सो गया और पैरों का विकास रुक गया। माना जाता है कि इसी के बाद से सांप ने रेंगना शुरू कर दिया और अब उसकी प्रजाति ही वैसी हो गई।

विज्ञान ने खोला राज

वर्ष 2016 की एक रिसर्च में वैज्ञानिकों ने सांपों और छिपकलियों के डीएनए की तुलना की। पता चला कि छिपकलियों में कुछ खास डीएनए हिस्से एसएचएच जीन को चालू रखते हैं। सांपों में ये हिस्से धीरे-धीरे खत्म हो गए, जिससे पैर बनना बंद हो गया।

पायथन में पैरों के निशान

कुछ सांपों में आज भी पैरों के छोटे-छोटे संकेत मिलते हैं। जैसे पायथन के भ्रूण में पैर बनने शुरू होते हैं, पर जन्म से पहले रुक जाते हैं। इसीलिए पायथन के पिछले हिस्से में छोटे पंजों जैसे निशान देखने को मिलते हैं।

समुद्री जहाज की स्पीड पर लहरों और हवा का असर

नई दिल्ली। जहाज के बारे में हम सभी जानते हैं। समुद्री जहाज सबसे बड़े परिवहन साधनों में से एक माना जाता है, जो एक देश से दूसरे देश समान आयात और निर्यात करते हैं। कई प्रकार के जहाज होते हैं। जिनमें क्रूज, युद्ध पोत या फिर वोट शामिल हैं। हर किसी का कार्य अलग-अलग होता है। यह उनकी स्पीड पर भी निर्भर करती है। यह देखने में काफी विशालकाय होती है। जिसके सामने जाने पर यह बिल्कुल पहाड़ जैसी लगती है। इसे देखकर लोगों के मन में तमाम तरह के प्रश्न भी उठते हैं। जिनमें एक यह भी प्रश्न है कि समुद्री जहाज की स्पीड कितनी होती है। यात्री जहाज हो या फिर माल वाहक जहाज हो या फिर वोट हो पानी में चलने वाले समुद्री जहाज की स्पीड जानकर कोई भी हैरान रह जाएगा।

क्या होता है नॉट : अब मन में यह प्रश्न उठ रहा होगा कि नॉट क्या होता है। तो सबसे पहले हम आपको यह बता दें कि यह समुद्री गति मापने की एक इकाई है, जो कि 1.852 किलोमीटर प्रति घंटे के बराबर होती है। पानी की लहरों के कारण इसकी स्पीड कम हो जाती है।

20 से 25 नॉट, यानी 37 से 46 किमी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आमतौर पर समुद्री जहाज की स्पीड 20 से लेकर 25 नॉट यानी 37 से 46.3 कम प्रति घंटे की होती है, जो कि इंजन की क्षमता पर निर्भर करती है। वहीं, यदि मॉडर्न जहाजों की बात की जाए तो इसकी स्पीड लगभग 30 नॉट यानी 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक होती है।

विधानसभा में संविदा कर्मियों और आउटसोर्स कर्मियों का मुद्दा उठा, सरकार ने कहा-इस पर 3-4 महीने में बन जाएगी नीति

मंत्री गौर ने कहा, राष्ट्रीय पेंशन योजना का लाभ प्रदान करने का प्रावधान किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान शुक्रवार को संविदा कर्मचारियों को सेवानिवृत्त उपरांत सामाजिक सुरक्षा देने तथा विभागों एवं शासकीय उपक्रमों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतनवृद्धि आदि देने का मुद्दा उठा। संविदा कर्मियों के मामले में अधीकृत मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि वित्त विभाग की ओर तीन से चार महीने में नियम बन जाएंगे। उन्हें राष्ट्रीय पेंशन योजना का लाभ प्रदान करने का प्रावधान किया जाएगा।

सदन में संविदा कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा देने का मुद्दा विधायक नितेंद्र राठौर ने उठाया। उन्होंने पूछा कि संविदा कर्मचारी के रिटारमेंट के बाद सामाजिक सुरक्षा के लिए सरकार के पास क्या प्लान है। उन्होंने कहा कि वर्षो तक यह कर्मचारी कार्य करते हैं, आधी-अधूरी तनख्वाह में काम करते हैं। बुढ़ापे में उनके पास सुरक्षा के लिए कुछ भी नहीं है। तो क्या नियमित कर्मचारियों की तरह उन्हें सुविधा नहीं मिलनी चाहिए? पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि नियमित कर्मचारियो की तरह उन्हें लाभ मिलेगा। रिटायरेमेंट के बाद ग्रेच्युटी का लाभ भी मिलेगा। यदि संविदा कर्मियो से सरकार काम ले रही है तो उन्हें सरकारी कर्मचारियों की तरह ही लाभ मिलना चाहिए। मंत्री गौर ने कहा कि संविदा नीति के तहत रिटायरमेंट के बाद ऐसे कर्मियों को शासकीय सेवकों की तरह एनपीएस का लाभ प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में अलग से आदेश जारी होंगे।

पूर्व मंत्री व विधायक मलैया व विधायक राठौर ने उठाया मुद्दा

संविदा कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा को लेकर किए सवाल

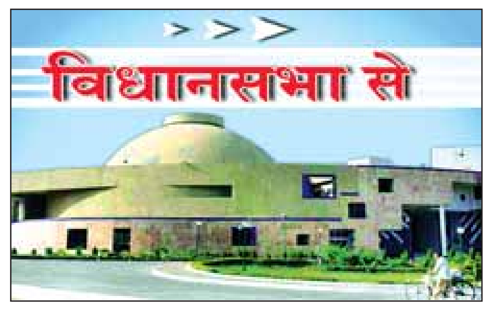

आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा शर्तें नियमित कर्मचारियों के समतुल्य नहीं

पूर्व मंत्री व विधायक जयंत मलैया ने विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों का मामला भी उठाया। उन्होंने पूछा कि किन किन विभागों में किस किस पद पर आउटसोर्स कर्मचारी कार्य कर रहे हैं। इनकी सामाजिक सुरक्षा के लिए सरकार के पास क्या योजना है? कार्ययोजना कब तक लागू होगी। इस प्रश्न के जवा में मंत्री उदयप्रताप सिंह ने कहा कि विभिन्न विभागों में आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं ली जा रही है। आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा शर्तें नियमित कर्मचारियों के समतुल्य नहीं है। श्रम विभाग की ओर से न्यूनतम मूल वेतन एवं परिवर्तनशील मंहगाई भत्ते की मासिक एवं दैनिक वेतन की दरों के अनुसार भुगतान किया जा रहा है।

परिवार को आयुष्मान योजना का लाभ दिया जाना चाहिए: मलैया

मलैया ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों को 15-15 वर्षो से काम करते हो गए, किंतु स्थाई कर्मियों समान कोई नीति नहीं है। क्या सरकार कोई नीति बनाएगी, ताकि वे सम्मानजनक ढंग से अपना जीवन यापन कर सके। मंत्री सिंह ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारी कुछ समय के लिए कभी तीन चार महीने, या कभी महीने भर के लिए जरूरत के अनुसार रखे जाते हैं। श्रम विभाग का इसके लिए अलग से नियम है। विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने कहा कि 15-17 साल से यह कर्मचारी कार्यरत हैं। ऐसी नीति बनाई जाए कि उनकी सामाजिक सुरक्षा हो सके। विधायक दिनेश जैन बोस ने कहा कि यह भी देखने को मिलता है कि सरकार से कंपनी 18 हजार ले रही है, पर उन्हें 10-12 हजार दे रही है। ऐसे में बड़ी राशि कंपनी काट लेती है। सरकार को तय करना होगा कि आउटसोर्स कर्मचारियों से तय राशि की कटौती हो। मंत्री ने कहा कि इस पर वे ध्यान देंगे।

प्रत्येक विधानसभा स्तर पर खेल स्टेडियम बनाने वाला पहला राज्य बनेगा मध्य प्रदेश

बीज का नया ब्रॉण्ड चीता जल्द होगा लांच सहकारिता में भर्ती के मामले में भी अव्वल

सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री के जवाब के बाद उनके दोनों विभागों के लिए 2700 करोड़ 41 लाख 88 हजार की अनुदान मांगे सर्व-सहमति से पारित

विधानसभा में बजट सत्र में अनुदान मांगों के पर चर्चा के दौरान जवाब में सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में इस वर्ष को मनाया जा रहा है। मप्र सरकार बीज की दिशा में काम कर रही है। बीज संघ को उन्नत स्तर पर पहुंचाने का प्रयास है। बीज संघ के माध्यम से चीता बीज के नाम से नया ब्रॉण्ड लांच किया जा रहा है। पैक्स के माध्यम से चीता बीज का वितरण किया जाएगा।

इसमें भी मप्र लीड करेगा। उन्होंने कहा कि पैक्स को अग्रणी बनाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। एम-पैक्स की अवधारणा की गई है। प्राथमिक समिति केवल क्रेडिट का काम न कर बहुउद्देश्यीय बनाई जा रही है। दो पैक्स को पेट्रोल की डीलरशिप भी मिली है। मंत्री सारंग ने कहा कि पैक्स के कम्प्यूटराइजेशन में मप्र देश में नम्बर-1 पर है। सभी पैक्स संस्थाओं के कम्प्यूटराइजेशन का कार्य लगभग हो चुका है। सहकारिता विभाग में भर्ती के मामले में भी मप्र अव्वल है। आईबीपीएस के माध्यम से विभाग की ओर से भर्ती प्रक्रिया करवाई जा रही है। इसी संस्था के माध्यम से रिजर्व बैंक और नाबार्ड में भी भर्तियां होती हैं।

पैक्स और अपेक्स दोनों के होंगे चुनाव, सहकार सभा भी होगी

मंत्री सारंग ने कहा कि पैक्स और अपेक्स दोनों के चुनाव भी होंगे। पंचायत स्तर तक जाकर खाद का वितरण करने की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है। सहकारिता वर्ष में मप्र ने भी कैलेण्डर बनाकर सहकारी आंदोलन के माध्यम से लोगों को जोड़ने और पारदर्शिता लाने का काम किया है। जल्द ही सहकार सभा भी आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी को जुड़ने का मौका मिलेगा। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के माध्यम से सेवाओं की पूर्ति हो सके, इस पर काम किया जा रहा है।

कृषि विकास दर में सहकारिता का बहुत बड़ा योगदान

मंत्री सारंग ने कहा कि हमने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में सीपीपीपी (को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के माध्यम से लगभग 2300 करोड़ के 19 एमओयू किए। उन्होंने कहा कि मप्र की कृषि विकास दर में सहकारिता का बहुत बड़ा योगदान है। खाद-बीज, शार्टटर्म लोन और उपार्जन के माध्यम से सही दाम किसानों को मिल सके, यही सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

विधानसभा स्तर पर खेल स्टेडियम: मंत्री सारंग

मंत्री सारंग ने कहा कि मप्र सरकार खेल, खिलाड़ी और खेल मैदान के लिये काम कर रही है। विधानसभा स्तर पर खेल स्टेडियम बनाने वाला मप्र देश का पहला राज्य बनेगा। उन्होंने कहा कि मप्र में नई पार्थ (पीएआरटीएच) योजना और एमपीवायपी योजना के माध्यम से मप्र युवा पोर्टल की शुरूआत की है। मप्र सरकार ज्ञान (जीवायएएन) की अवधारणा पर काम कर रही है। उनके वक्तव्य के बाद विधानसभा में उनके दोनों विभाग सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण की 2700 करोड़ 41 लाख 88 हजार रुपए की अनुदान मांगों को सर्व-सम्मति से पारित किया गया।

राजस्व न्यायालय में 4383 नामांतरण प्रकरण लंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विधानसभा में शुक्रवार को ध्यानाकर्षण में राजस्व मंत्री करन सिंह वर्मा ने कहा कि प्रदेश के 55 जिलों के 319 तहसीलों के अभिलेखागार को डीआईएलआरएमपी योजना के तहत मोडेन रिकार्ड रूम के रूप में विकसित कर पूराना रिकार्ड जैसे खसरा, नामांतरण पंजी, किस्त बन्दी आदि के रिकार्ड डिजिटाइज कराए गए हैं। उपरोक्त रिकॉर्ड भू-अभिलेख पोर्टल पर ऑनलाइन उपलब्ध है, जिसे कोई भी व्यक्ति कभी भी देख सकता है और आवश्यकतानुसार फीस जमाकर सत्यापित नकल प्राप्त कर सकता है। मंत्री वर्मा ने कहा कि शेष नवीन तहसीलों का रिकॉर्ड डिजिटाइज कराने की प्रक्रिया प्रचलित है। कहीं भी किसी प्रकार की कांट-छांट जैसी अव्यवस्थायें परिलक्षित नहीं होती। जहां रिकॉर्ड डिजिटाइज नहीं है, वहां ऑफलाइन सत्यापित कॉपी उपलब्ध कराई जाती है। इस प्रकार यह कहना सही नहीं है कि मप्र के भू-अभिलेख कार्यालयों के रिकार्ड रूम में कोई अव्यवस्था परिलक्षित हो रही है।

संवत 2015 का रिकॉर्ड उपलब्ध

सिंह ने कहा कि टीकमगढ़ जिला के तहत राजस्व न्यायालयों में मात्र 4383 नामांतरण प्रकरण लंबित है तथा इनमें से 3993 तीन माह अंतर्गत के तथा शेष 389 छह माह अंतर्गत के हैं। यह कहना सही नहीं है कि संवत 2015 का रिकॉर्ड न होने की टिप्पणी लेख कर नामांतरण प्रकरण निरस्त किए जाते है। राजस्व अभिलेखागार (रिकॉर्ड रूम) में संवत 2015 का रिकॉर्ड उपलब्ध है तथा चाहे जाने पर रिकॉर्ड की प्रतियां आवेदक उपलब्ध कराई जाती है। टीकमगढ़ जिले में इस वर्ष पंजीकृत में से 24555 नामांतरण प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। जनमानस में किसी प्रकार का रोष व्याप्त होने की जानकारी नहीं है।

सरकंडा क्षेत्र में नूतन कॉलोनी सड़क के पास की घटना

कपड़ा दुकान में आग, 3 लाख का माल खाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

सरकंडा क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात नूतन कॉलोनी सड़क के पास स्थित एक कपड़ा दुकान में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि दुकान में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के मुताबिक, नूतन कॉलोनी चौक से जोरापारा जाने वाले रास्ते में रात करीब 9 बजे एक कपड़ा दुकान में आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, दुकान में रखा करीब तीन लाख का सामान जलकर खाक हो गया। इस दौरान आसपास के लोगों ने सरकंडा पुलिस और दमकल की टीम को सूचना दी। जिसपर घंटों बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट से होने की जानकारी सामने आ रही है।

कोरबा के भैंसमा में भी देर रात बरसे ओले, चमकी बिजलियां

कई जिलों में आंधी तूफान के साथ बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में आंधी तूफान के साथ बारिश हुई और कई स्थानों पर ओलावृष्टि की स्थिति में निर्मित हुई। कोरबा जिले के भैंसमा में ऐसा ही कुछ हुआ। बारिश के साथ ही आसमान से ओले बरसे। गर्मी के बीच अचानक हुए मौसम के परिवर्तन के कारण आम जनजीवन खासा प्रभावित हुआ।

वहीं, ओले गिरने से सब्जी की फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। शुक्रवार की दोपहर तेज आंधी तूफान आने से मौसम का मिजाज बदल गया। शहर में तेज आंधी तूफान के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होने लगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे। कोरबा के ग्रामीण अंचलो मे जमकर हुई बारिश से लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि लेमरू, सुर्वे, बड़गाव सहित श्याग, चकामार इलाके में जमकर बारिश हुई और ओले गिरे। ग्रामीणों की मानें तो शुक्रवार की दोपहर से मौसम का मिजाज बदला हुआ था। जहां देर रात हुई आंधी तूफान के बाद आकाशीय बिजली की चमक देखने को मिली।

तथ्यों को छिपाने और गलत जानकारी पेश करने के कारण नपे

वन विभाग के कई अधिकारी-कर्मचारी निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र की कार्रवाई खत्म होते ही वन मंत्री केदार कश्यप एक्शन में दिखाई दे रहे हैं। विधानसभा बजट सत्र के बाद वन मंत्री केदार कश्यप के आदेश पर वन विभाग के कई अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई है। तथ्यों को छुपाने और गलत जानकारी पेश करने पर रायपुर वनमंडल के रायपुर परिक्षेत्र अधिकारी सतीश मिश्रा, माना नर्सरी प्रभारी वनपाल तेजा सिंह साहू, वनमंडल कार्यालय के सहायक ग्रेड-02 अविनाश वाल्दे और प्रदीप तिवारी, परिक्षेत्र कार्यालय के लिपिक अजीत ड़डसेना को निंलबित किया गया है।

वहीं शासन स्तर पर वन मंडलाधिकारी लोकनाथ पटेल एवं उप वन मंडलाधिकारी विश्वनाथ मुखर्जी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया है। इतना ही नहीं वन मंत्री कश्यप ने वन विभाग के सभी अधिकारियों को भविष्य में इस प्रकार की गलती दोबारा न करते हुए विधानसभा से संबंधित प्रश्नों की जानकारी सही एवं देने की हिदायत दी है। वन मंत्री ने विभाग से संबंधित शासन स्तरीय पत्राचार, आडिट कंडिका एवं योजनाओं से संबंधित सभी जानकारी सत्यता के साथ समय सीमा में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं। विभाग में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रदेश के अंतिम छोर तक प्रचार-प्रसार कर आम जनता तक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि बजट सत्र 2025 के दौरान विधानसभा सदस्य शेषराज हरवंश की ओर से इंदिरा निकुंज माना रोपणी में संचालित कुंवारादेव महिला स्व सहायता समूह के कार्य संचालन के संबंध में विभाग के सदन में गलत जानकारी दी गई थी। इस पर मंत्री कश्यप ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख को जांच करने के लिए निर्देशित किया था। साथ ही इंदिरा निकुंज माना रोपणी में संचालित कुंवारादेव महिला स्व सहायता समूह के संबंध में विस्तृत जांच कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिये निर्देश दिए थे। वन मंत्री के निर्देश पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव की अध्यक्षता में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक नावेद शुजाउद्दीन और मुख्य वन संरक्षक रायपुर वृत्त, रायपुर, राजू अगासिमनी सदस्यों जांच समिति गठित कर कार्रवाई की।

राशिफल

मेष — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। धर्म के प्रति श्रद्धा रहेगी।

वृष — कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। आत्मसंयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें।

मिथुन — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। पिता का साथ मिलेगा। खर्च बढ़ेंगे। बातचीत में संयत रहें।

कर्क — शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में मन लगेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा लाभप्रद रहेगी। मन में उतार-चढ़ाव के भाव रहेंगे।

सिंह — शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भागदौड़ अधिक रहेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

कन्या — शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी।

तुला — क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक — धैर्यशीलता बनाए रखें। भाई-बहनों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ सकती है।

मकर — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है।

कुंभ — कार्यक्षेत्र में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। खर्चों की अधिकता रहेगी। लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। विदेश यात्रा पर जाना हो सकता है।

मीन — पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के प्रति सचेत रहें।

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

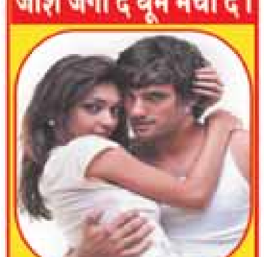

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

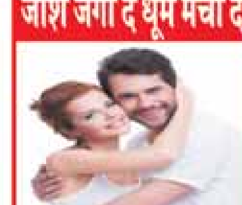

18 से 75 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 7-8 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
ब्रेस्ट टोनर क्रिम
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वधु चाहिए
प्रतिष्ठित मिश्रा परिवार गौत्र गौतम 32 वर्ष सिविल इंजीनियर कवर्धा निवासी जो नया रायपुर में कार्यरत युवक हेतु सुंदर सुशील वधु चाहिए।
संपर्क करें
9770577756

वधु चाहिए
गुजराती 44/ 5'11"
स्वयं का व्यवसाय
इनकम 40,000/- मासिक, युवक हेतु, उच्च जाति बंधन नहीं (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें)
सम्पर्क करें
9827114645
9131139179

वधु चाहिए- यादव उम्र -48 वर्ष, कद 5 फुट 6 इंच, योग्यता इंजीनियर स्वयं का व्यवसाय हेतु सुयोग्य, गृहकार्य में दक्ष, शिक्षित वधू चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। जाति बंधन नहीं। संपर्क करे मो 93996 27248 (7167)

शब्द पहेली - 5813

बाएँ से दाएँ
1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली-5812 का हल

सूडोकु नवताल - 5823

सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 5822 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

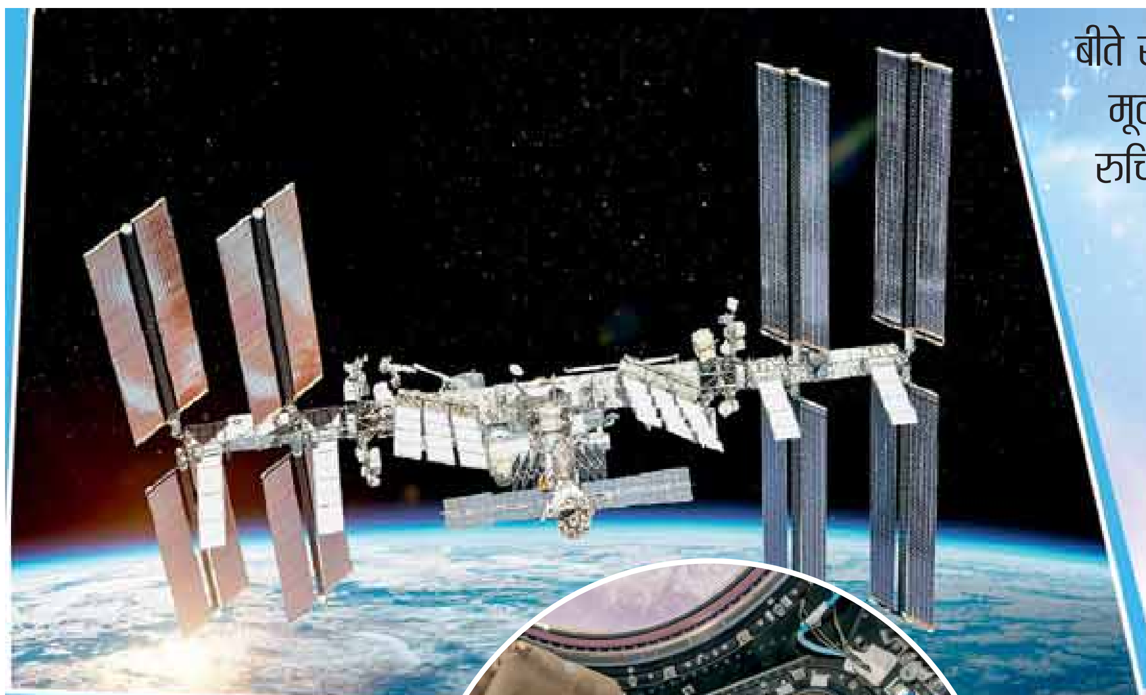

बीते सप्ताह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में करीब नौ महीने गुजारने के बाद भारतीय मूल की अंतरिक्ष वैज्ञानिक सुनीता विलियम्स वापस धरती पर लौटी हैं। ऐसे में स्पेस साइंस में रुचि रखने वाले हर व्यक्ति के दिमाग में आईएसएस की संरचना, उसमें रहने के अनुभवों के बारे में कई सवाल उठ रहे हैं। ऐसे तमाम सवालों के जवाब आप यहां पा सकते हैं।

फिक्शन पैलेस जैसा हाईटेक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन

कवर स्टोरी
विवेक कुमार

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की आंतरिक दुनिया, जहां कई महीने गुजार कर भारतवंशी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स लौटी हैं, वह खुद अपने आपमें किसी साइंस-फिक्शन के रहस्य महल जैसा है। अगर आपने कभी कल्पना की हो कि अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर की दुनिया कैसी होती होगी, तो जान लीजिए कि यह किसी साइंस फिक्शन फिल्म के सेट से कम नहीं है। अंतरिक्ष यात्री यहां महीनों तक रहते हैं, कई तरह के प्रयोग करते हैं और पृथ्वी से बहुत दूर रहकर भी संपूर्ण मानवता के नए रास्ते खोलते हैं। ऐसे में आईएसएस की उस अनोखी दुनिया के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

स्पेस स्टेशन की आंतरिक संरचना

इसके अंदर तंग, लेकिन बेहद हाईटेक कॉरिडोर्स हैं। चूंकि अरबों डॉलर की लागत के बावजूद अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर जगह काफी सीमित है, इसलिए इसकी दीवारों में जगह-जगह मॉनिटर्स, वायरिंग और उपकरणों की भरमार है। यहां हर चीज मॉड्यूलर होती है-यानी जिसे जरूरत के हिसाब से जोड़ा या हटाया जा सकता है। तभी इतने ज्यादा और नए-नए वैज्ञानिक प्रयोग किए जा सकते हैं, जैसा कि खासतौर पर सुनीता विलियम्स और उनके साथियों ने किए। इस अंतरिक्ष स्टेशन में रहते हुए वैज्ञानिक बायोलॉजिकल, फिजिकल और मेडिकल क्षेत्र के तमाम प्रयोग करते हैं, जिसके निष्कर्षों का उपयोग भविष्य में स्पेस ट्रैवल और मानव जीवन को आसान बनाने के लिए होगा।

रहने के बने होते हैं अलग-अलग क्वार्टर्स

इसमें विशेष रूप से हर अंतरिक्ष यात्री के लिए एक छोटा, कैप्सूलनुमा सोने का स्थान होता है, जहां वे स्लीपिंग बैग में खुद को बांधकर सोते हैं ताकि तैरते न रहें। यहां मनोरंजन के लिए लैपटॉप, म्यूजिक प्लेयर और वीडियो कॉल की सुविधा भी होती है। यहां एक डाइनिंग एरिया भी होता है, जिसे गैलेली मॉड्यूल कहते हैं। यहां स्पेशल पैक किए गए फूड पाउच होते हैं, जिन्हें पानी या हीटिंग सिस्टम से खाया जा सकता है। कोई भी चीज प्लेट में नहीं रखी जा सकती। क्योंकि ऐसा करते ही वह हवा में तैरने लगेगी। इसीलिए यहां कॉफी भी स्पेशल सीलबंद कप में मिलती है।

दिखते हैं अद्भुत दृश्य

अंतरिक्ष स्टेशन के कुछ हिस्सों में बड़ी-बड़ी खिड़कियां होती हैं, जहां से अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी को घूमते हुए देख सकते हैं। सूरज यहां हर 90 मिनट में उगता और अस्त होता है। सूरज को एक ही दिन में कई बार उगते और डूबते देखना, यह एक अविश्वसनीय अनुभव होता है। अंतरिक्ष स्टेशन में कई उद्देश्यपूर्ण साइंस लैब बनाई गई हैं। ये लैब्स, अंतरिक्ष की विशेष परिस्थितियों में प्रयोगों के लिए बनाई गई

होती हैं, जहां मेडिकल, बायोलॉजिकल और फिजिकल रिसर्च किए जाते हैं। यहां प्लांट ग्रोथ, मानव शरीर पर गुरुत्वाकर्षण की कमी का प्रभाव और रोगों के लिए नई दवाइयों पर रिसर्च भी होती है।

स्पेशल स्पेस टॉयलेट

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में बना टॉयलेट भी बहुत अलग होता है। यह एक सक्शन सिस्टम की तरह काम करता है, जो अपशिष्ट को खींचकर अलग रखता है। यात्रियों के मूत्र और पसीने को ही रिसाइकल करके पीने योग्य पानी बनाया जाता है।

स्पेसवॉक एरिया

इसे यहां की टर्मिनोलोजी में एयरलोक और ईवा जोन कहते हैं। यह हिस्सा वह जगह होती है, जहां से अंतरिक्ष यात्री बाहरी मरम्मत या अनुसंधान के लिए स्पेसवॉक करने जाते हैं। कई बार किसी साइंस-फिक्शन जैसे वाकयात होते हैं। मसलन, कोई औजार हाथ से छूट गया तो वह हवा में तैरते-तैरते मॉड्यूल के दूसरी तरफ जाकर फंस जाता है। फिर उसे वापस लाने में खासी मशक्कत करनी पड़ती है।

स्पेस स्टेशन में 'गूंजती' ध्वनि

चूंकि अंतरिक्ष स्टेशन में हर चीज शून्य गुरुत्वाकर्षण में होती है, इसलिए यहां आवाजें अलग तरीके से सुनाई देती हैं। कई बार यात्री अपने साथी को दूसरी तरफ से पुकारते हैं, लेकिन उन्हें दीवारों की गूंज सुनाई देती है। लेकिन इन्हीं स्थितियों में जिंदगी का लुत्फ भी लिया जाता है। मसलन, स्पेस स्टेशन में रहते हुए सुनीता विलियम्स ने अपना बर्थ-डे सेलिब्रेशन भी किया, जिसमें केक को हवा में तैरते हुए काटा गया।

आम लोग भी जाएंगे वहां

जिस तरह तेजी से स्पेस टूरिज्म अब हकीकत बन रहा है। ऐसे में शायद आने वाले दशकों में आम आदमी भी पैसा खर्च करके कुछ दिनों के लिए स्पेस स्टेशन पर रह सकेगा। स्पेस स्टेशन में एक अनोखा अनुभव प्राप्त कर सकेगा। *

हवा में तैरते रहते हैं अंतरिक्ष यात्री

स्पेस स्टेशन के भीतर कोई 'ऊपर' या 'नीचे' नहीं होता। हर चीज शून्य गुरुत्वाकर्षण अर्थात जीरो ग्रैविटी में होती है, जिससे यात्री तैरते हुए एक मॉड्यूल से दूसरे मॉड्यूल में आते जाते हैं। यह सब सुनने में कितना ही रोमांचक लगे लेकिन हकीकत में शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। महीनों तक अंतरिक्ष में रहने से शरीर पर गुरुत्वाकर्षण की कमी का कई तरह से असर पड़ता है। इसके चलते शरीर की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, मानसिक रूप से भी खुद को स्थिर रखना बहुत कठिन होता है।

आईएसएस का एक्सरसाइज जोन

अंतरिक्ष यात्रियों की हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर न हों, इसके लिए वे रोजाना ट्रेडमिल या साइकिल पर कसरत करते हैं। यह बहुत जरूरी इसलिए है, क्योंकि महीनों तक अंतरिक्ष में रहने से शरीर पर गुरुत्वाकर्षण की कमी का असर पड़ता है, हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और मानसिक रूप से खुद को स्थिर रखना एक चुनौती होता है।

अभूतपूर्व
संजय श्रीवास्तव

पूरे 287 दिन स्पेस स्टेशन में गुजारने के बाद सुनीता विलियम्स का सुरक्षित धरती पर लौटना एक अभूतपूर्व घटना है। सुनीता ने वहां जिस तरह अपना वक्त गुजारा, जिन कामों को अंजाम दिया और धैर्य से मुश्किलों का सामना किया, वो हर धरतीवासी के लिए एक प्रेरणा है।

धरती पर सुरक्षित लौटीं स्पेस क्वीन सुनीता विलियम्स

समुद्रतल से महज 408 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन, हमारे सिर के ऊपर से न जाने कितनी बार गुजरा होगा, पर हमने शायद ही कभी नंगी आंखों से देखे जा सकने वाले इस स्टेशन पर निगाह डाली होगी। इस बात पर भी शायद ही कभी गहराई से गौर किया होगा कि किसी बड़े फुटबॉल मैदान के बराबर, 15 हजार करोड़ डॉलर लागत के इस स्टेशन पर मात्र आठ दिन के लिए गईं, लेकिन 287 दिन गुजारने के लिए मजबूर सुनीता विलियम्स ने बस कुछ क्रू सदस्यों के साथ अपने रुटीन लाइफ वाले दिन सीमित स्थान वाले अंतरिक्ष में कैसे काटे होंगे?

आसान नहीं रहा वहां रहना: 5 जून 2024 को सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में फ्लाइट टेस्ट मिशन पर बतौर पायलट गई थीं। 8 दिन स्पेस स्टेशन पर रुक कर, शोध प्रयोग कर 10वें दिन स्पेसक्राफ्ट को धरती पर वापस लाना तय था। पर जो हुआ सबके सामने है। लेकिन उस दौरान तमाम कठिनाइयों के बावजूद, सुनीता वहां काम और व्यायाम के जरिए पर्याप्त प्रसन्न, स्वस्थ और स्थिर रहीं। अंतरिक्ष स्टेशन के शून्य गुरुत्वाकर्षण में बंधी दिनचर्या के तहत तंग सी जगह में कुछ ही चेहरों के साथ रहना, लटके हुए सोना, संभल कर दैनिक क्रिया निबटाना, व्यायाम करना, टूथपेस्ट को ब्रश के बाद निगल जाना, बिना नहाए महीनों रहना, उनके लिए सामान्य हो गया था। रोज मेंटिनेंस, रिसर्च, आकलन, सेल्फ असेसमेंट जैसे काम निबटाना, खान-पान में अपेक्षित सावधानी बरतना, छलकी बूंदों का पीछा कर उन्हें गटक जाना, सुनीता के लिए कोई नई बात नहीं थी।

किसी मुश्किल से नहीं घबराईं: कभी स्पेसक्राफ्ट के कैप्सूल में हीलियम लीकेज, तो कभी थ्रस्टर्स बंद तो कभी प्रॉपेलेंट वॉल्व का बंद न होना। एक बार तो यान के सुरक्षा कवच में दरार आ गई थी फिर अंतरिक्ष केंद्र के कंप्यूटरों में खराबी बमुश्किल ठीक हुई। यहां तक कि सोलर पैनल की भी कई बार मरम्मत करनी पड़ी। बहरहाल, पिछली बार सुनीता को अंतरिक्ष स्टेशन पर छह महीने रुकना पड़ा था, लेकिन इस बार नौ महीने वहीं स्टे करना पड़ा। पर इस बार उनको वापस लाने के बार-बार हुए प्रयासों में तकनीकी विफलता अवश्य निराशाजनक थी। लेकिन वापसी के इंतजार में हंसती, मुस्कराती दिखती सुनीता कभी घबराई या निराश नहीं दिखीं। धरती पर नियत, निश्चित वापसी के बार-बार टलने का अहसास क्या होता है, धरती पर अपने घरों में रहते नहीं महसूस किया जा सकता।

आसान नहीं थी वापसी: सुनीता की वापसी की डगर कम खतरनाक नहीं थी। मौसम का बिगड़ा मिजाज एक बार फिर विलंब करवा सकता था। एक तकनीकी गलती, कोण में बदलाव उन्हें भाप में तब्दील कर सकती थी, ताउम्र अंतरिक्ष में गुम कर सकती थी, कक्षाओं में भटका सकती थी। बहरहाल, धरती पर सुनीता सुरक्षित लौट आई हैं।

नॉर्मल होने में लगेंगे कई दिन: लौटने के बाद सुनीता के सामने तमाम समस्याएं कुछ समय तक बनी रहेंगी। शरीर के अंगों और उनके द्वारा क्रिया-कलाप को स्वभावतः पृथ्वी की सतह पर वायुमंडलीय दबाव और गुरुत्व की आदत होती है। स्पेस में जाकर ज्यादा समय वहां रहकर वापस आना तमाम विसंगतियां पैदा करता है। गुरुत्व की आदी मांसपेशियां जिन्हें धरती पर हर हरकत पर कसरत करनी पड़ती है, स्पेस में लगभग निष्क्रिय रहती हैं। सो कमजोर और खराब होने लगती हैं। इसके अलावा हर समय हवा में तैरते रहने के चलते हड्डियों को शरीर का भार सहन करने की जरूरत नहीं रहती, इससे हड्डियों के ऊतक विकसित नहीं होते, जरा भी धक्के से टूट-फूट की आशंका बनती है। अंतरिक्ष से वापस आने पर कुछ दिनों बाद ही वे ठीक से खड़ी हो पाएंगी। सुनीता को गुर्दे की पथरी की समस्याएं हो सकती हैं, दिल भी सिकुड़ सकता है। इतना ही नहीं, उनका इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है। नजर बेहद कमजोर हो सकती है, कान से कम सुनाई देना और शरीर का बेहतर संतुलन बनाने में भी कठिनाई हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का बिल्कुल साफ-सुथरा वातावरण, धरती आने पर उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। धरती पर पाए जाने वाले बहुत से प्राकृतिक सूक्ष्म जीवाणु उनमें इम्यून सिस्टम से जुड़ी कई समस्याएं पैदा कर सकते हैं। फिलहाल सुनीता के व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही इसके निष्कर्षों का इंतजार रहेगा। *

ऐसे हुई सुनीता की वापसी

सुनीता को वापस लाने के लिए जाने वाले ड्रैगन क्रू-10 यान में चार लोग थे। 14 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 4.30 बजे केनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरकर यह ड्रैगन क्रू, 28 घंटे बाद 16 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 9.40 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंच कर डॉकिंग शुरू की, 11.05 बजे इसका हैच खुला। तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी कर टीम मेंबर भीतर गए। बात मुलाकात के बाद क्रू-9 के अंतरिक्ष यात्रियों, एस्ट्रोनॉट निक हेग, सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर और अलेक्सांद्र गोरबुनोव ने अपने काम-काज का ब्योरा आगंतुकों यानी क्रू-10 मेंबर्स को दिया। काम-काज हैंड ओवर करने के बाद वे पृथ्वी पर लौटने के लिए तैयार थे। पांच महत्वपूर्ण और बेहद जटिल प्रक्रियाएं निबटाने के बाद वे चले और लगभग 18 घंटे बाद महासागर में सफलतापूर्वक उतरे।

कविता
अलका 'सोनी'

सभ्यता वरदान नहीं

सभ्यता वरदान नहीं
होती हमेशा...
कभी-कभी
बन जाती है
अभिशाप भी!!
वह नहीं सिखा पाती हमें
अपने मन के
घावों को धोना
झूठी हंसी ओढ़े
सीख लेता है आदमी
चुप रहकर दर्द ढोना
छद्म आवरण से
ढंका शरीर लेकर
घूमता रहता है आदमी
इस सभ्य समाज में
इससे कहीं ज्यादा
महान होता है
प्रकृति का
वह भव्य खुलापन और
जहां नहीं छुपाते लोग
स्वयं को इन आवरणों में।
सदियों तक सहेज कर
रखते चले जाते हैं वो
अपनी सहजता
यह नैसर्गिकता ही तो
इनकी थाती होती है
जिसे पीढ़ियों तक
हस्तांतरित करते जाते हैं वे।

लघुकथाएं

नासूर

योगिता को हरीश के रूप में मन-माफिक नौकरीपेशा पति ही नहीं मिला, अच्छी ससुराल भी मिली। शादी के साल भर बाद वह मां बन गई। सब कुछ बढ़िया ही बढ़िया!

ससुराल में परिवार संयुक्त था। सबके साथ सब कुछ अच्छा हो, जरूरी तो नहीं। हरीश का एक चचेरा भाई था-नरेश। वह पढ़ा-लिखा तो था लेकिन बेरोजगार था। वह सरकारी नौकरी पाने की कोशिश में था। सारी कोशिशें सब व्यर्थ जा रही थीं। उसकी बेकारी पर अकसर योगिता फब्तियां कसती थी, 'क्यों नरेश! आजकल तुम्हारा इधर-उधर बहुत आना-जाना होता है। क्या बात है भाई! नौकरी मिली? नौकरी मिलेगी, तब छोकरी मिलेगी। लगे रहो नरेश भाई।'

नरेश योगिता को कभी मजाकिया लहजे में जवाब देता, तो कभी चुप रह जाता लेकिन बातें अंतस को लगती थीं। हरीश को अपने भाई के प्रति योगिता का व्यवहार अच्छा नहीं लगता था। एक दिन उसने समझाया, 'योगिता, नरेश की बेकारी की तुम खिल्ली मत उड़ाया करो।'

योगिता पति की बात हल्के से लेते हुए तपाक से बोली, 'क्यों...? बस मजाक ही तो करती हूं।'

'नरेश को बहुत ठेस पहुंचती है तुम्हारे मजाक से।' हरीश ने एक पीड़ा के साथ कहा।

'तुम्हें कैसे पता?' योगिता बोली।

'घायल की गति घायल जानता है योगिता। बेकारी शरीर के नासूर से अधिक पीड़ादायक होती है।' एक लंबी सांस खींचते हुए हरीश बोला। *

-टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'

आयु की अवधि

नौकरी से कई वर्ष पहले रिटायर हो चुके दीनानाथ जी को जर्जर होते जा रहे मकान की मरम्मत का खयाल आया। लेकिन इसके लिए पास में पर्याप्त पैसा न होने के कारण, उन्होंने बैंक से कर्ज लेने की सोची। उनका खयाल था, पेंशन खाते से बैंक उन्हें कर्ज दे देगा। बीवी की सहमति से कर्ज की अर्जी देने के लिए वे एक दिन बैंक पहुंच गए।

बैंक अधिकारी से उन्होंने पेंशन खाते के एवज में कर्ज लेने के बारे में पूछा।

'बैंक में ऐसे लोन का प्रावधान है तो सही, लेकिन...' दीनानाथ जी की ओर गौर से देखते हुए बैंक अधिकारी बोलते-बोलते ठहर गया।

'लेकिन क्या..?' उन्होंने पूछा।

'बात यह है दीनानाथ जी कि एक उम्र अवधि पार करने के बाद ऐसे किसी लोन का प्रावधान नहीं है बैंक में।' बैंक अधिकारी ने बताया।

'ऐसा क्यों है?' मायूसी के साथ दीनानाथ जी ने पूछा। समझाने के अंदाज में अधिकारी ने कहा, 'इसलिए कि... ईश्वर न करे, इस बीच आपको कभी भी कुछ हो जाए और...।' कहते-कहते अचानक ही उस अधिकारी को एक जोरदार हिचकी आई और वह अपनी कुर्सी पर ही लुढ़क गया। उसके प्राण पखेरू उड़ चुके थे। *

-हबीब कैफी

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

काफ्का पर संग्रहणीय अंक

जब भी दुनिया के महानतम लेखकों का जिक्र होता है तो फ्रांज काफ्का का नाम उसमें शामिल होता ही है। इस विलक्षण लेखक के अवसान को एक सदी गुजरने पर श्रद्धांजलि स्वरूप नया ज्ञानोदय ने अपना ताजा अंक (फरवरी-मार्च) 'काफ्काः अवसान के सौ वर्ष' शीर्षक से प्रकाशित किया है। इसमें उनकी क्लासिक कथा 'कायांतरण' के अलावा 'दंडद्वीप में', 'एक छोटी महिला' और 'ग्यारह बेटे' कहानियां भी संकलित हैं। उनकी दो कविताओं और दो लघुकथाओं के अलावा कुछ बेहतरीन लेख भी यहां पढ़े जा सकते हैं। सुधांशु गुप्त का लेख 'के से काफ्का पढ़िए' और स्वाति शर्मा का संस्मरण 'कमरा नंबर बाईसः काफ्का की खिड़की' विशेष रूप से पठनीय हैं। सौम्य शाश्वत का लेख 'सिनेमा में काफ्का की उपस्थिति' भी बढ़िया है। गुस्ताव जैनुक और पिएत्रो चिताती के अनूदित संस्मरण भी बेहतरीन हैं। केशव चतुर्वेदी ने अपने लेख में काफ्का के रचना संसार के आलोक में उनकी प्रासंगिकता की गहनता से पड़ताल की है। कुल मिलाकर काफ्का पर केंद्रित नया ज्ञानोदय का यह अंक संग्रहणीय है। *

पत्रिकाः नया ज्ञानोदय (काफ्काः अवसान के सौ वर्ष), **संपादकः** मधुसूदन आनंद, **मूल्यः** 50 रुपए, **प्रकाशकः** भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

श्रेया घोषाल के गानों का क्रेज

परफॉर्मेंस की शुरुआत श्रेसा घोषाल ने की। श्रेया घोषाल ने अपनी मधुर आवाज के साथ अपने प्रदर्शन की शुरुआत 'अमी जे तोमार' के भावपूर्ण गायन से की, जिसके बाद उन्होंने 'घूमर' और 'कर हर मैदान फतेह' सहित अन्य गीत प्रस्तुत किए। उन्होंने चुन्नी मेरी रंग दे ललारिया, मेरे यार दी गद्दी दे नाल दी गाने पर परफॉर्म किया। लेकिन पूरा स्टेडियम तब गूंज उठा जब उन्होंने हुसन तेरा-तेरा तौबा-तौबा गया और इसी समय दिशा पाटनी की भी एंट्री हुई। दोनों ने जमकर डांस किया।

आईपीएल का रंगारंग आगाज

60 हजार दर्शकों में दिखा रोमांच... दिशा पटानी, श्रेया घोषाल ने लूटी महफिल

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में 60 हजार दर्शकों के बीच आईपीएल के 18वें सीजन की रंगारंग शुरुआत हो गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच से पहले ईडन गार्डन्स पर ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। मैच से पहले ओपनिंग सेरमनी में बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के साथ ही बॉलीवुड के कई कलाकार नजर आए। दिशा पाटनी के डांस मूव पर फैंस क्रेजी नजर आए। दिशा पाटनी के बाद पंजाबी सिंगर करण औजला स्टेज पर पहुंचे। उन्होंने अपने गानों से धूम मचा दी। करण ने जैसे ही 'हुस्न तेरा तौबा-तौबा' गाया दर्शक झूम उठे। इसके साथ ही उन्होंने वेवी और साफ्टली भी गाया।

इसके बाद श्रेया घोषाल के बाद दिशा पाटनी स्टेज पर पहुंचीं। दिशा ने अपने शानदार डांस परफॉर्मेंस से मंच पर धूम मचा दी। टू पीस में दिखा ने अपनी फिल्मों की गानें पर जोरदार डांस किया। अपने स्टेप्स से उन्होंने फैंस का दिल जीत लिया।

शाहरुख ने की शुरुआत

आईपीएल 2025 के ओपनिंग सेरेमनी की शुरुआत शाहरुख खान ने की। वह कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम के मालिक भी हैं। शाहरुख खान ने आईपीएल को लेकर कई प्रेरणादायक बातें कहीं। शाहरुख खुद भी पहले सीजन से आईपीएल का हिस्सा हैं। उन्होंने ही परफॉर्म करने वाले आर्टिस्ट का नाम भी अनाउंस किया।

रिंकू-विराट का डांस

इसके बाद शाहरुख खान ने दोबारा स्टेज संभाला। उन्होंने 18 साल से लगातार एक ही टीम में खेलते आ रहे विराट कोहली को स्टेज पर बुलाया और कुछ बातें कीं। फिर शाहरुख ने अपनी ही टीम के रिंकू सिंह को बुलाया। रिंकू सिंह के साथ शाहरुख ने अपने गाने लुट-पुट गया पर परफॉर्म किया और फिर कोहली को पठान के गाने पर झूमने को मजबूर कर दिया।

कोहली का सम्मान

फिर शाहरुख ने बीसीसीआई अधिकारियों और आईपीएल गर्वनिंग काउंसिल के अधिकारियों को स्टेज पर बुलाया। इसी के साथ सभी परफॉर्मर को भी स्टेज पर बुलाया। इसके बाद विराट का सम्मान किया गया और फिर आईपीएल ट्रॉफी लगाई गई। इस ट्रॉफी को इस सीजन का पहला मैच खेलने वाली टीमों के कप्तान लेकर आए। कोलकाता और आरसीबी के बीच पहला मैच होना है जो कोलकाता में ही होगा।

आईपीएल के 18वें सीजन का पहला डबल हेडर आज

रॉयल्स और सनराइजर्स में दावेदार की जंग आज

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

अपनी दमदार बल्लेबाजी और अनुभवी गेंदबाजों की उपस्थिति में सनराइजर्स हैदराबाद रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। सनराइजर्स के पास दुनिया के सबसे विस्फोटक बल्लेबाज हैं। इनमें ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, इशान किशन और हेनरिक क्लासेन शामिल हैं जो किसी भी तरह के आक्रमण की बखिया उधेड़ सकते हैं।

सनराइजर्स के पास गेंदबाजी विभाग में कप्तान पैट कमिंस और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं जबकि स्पिन विभाग की जिम्मेदारी ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा संभालेंगे।

सनराइजर्स की टीम राजस्थान रॉयल्स की तुलना में काफी बेहतर नजर आती है। राजस्थान को अपने कप्तान

संजू सैमसन की भी कमी खलेगी जो उंगली में चोट के कारण विकेटकीपिंग और क्षेत्ररक्षण नहीं कर पाएंगे। अगर वहां इंपैक्ट प्लेयर के रूप में उतरते हैं तो किसी को इस पर हैरानी नहीं होगी। सैमसन की अनुपस्थिति में पहले तीन मैच में रियान पराग राजस्थान की कप्तानी करेंगे।

मुंबई के सामने होगी चेन्नई की स्पिन चुनौती

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के दम पर रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस पर शिकंजा कसने की कोशिश करेगा। मुंबई की टीम इस मैच में कप्तान हार्दिक पंड्या और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना उतरेगी और ऐसे में उसे एम ए चिदंबरम स्टेडियम की स्पिनरों की मददगार पिच पर कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

पांच बार के चैंपियन चेन्नई ने यहां की पिच का व्यवहार देखते हुए पिछले साल मेगा नीलामी में रविचंद्रन अश्विन, नूर अहमद, श्रेयस गोपाल और दीपक हुड्डा को अपनी टीम से जोड़कर अपने स्पिन आक्रमण को मजबूत किया। टीम के पास पहले से ही अनुभवी स्पिनर रवींद्र जडेजा थे। चेन्नई के टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उठाए गए इस कदम से पता चलता है कि यहां की पिच का धीमी गति के गेंदबाजों को मदद पहुंचाना किसी टीम की रणनीति में कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

सऊदी में टूर्नामेंट की कोई योजना नहीं

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के अध्यक्ष अरुण धूमल ने शनिवार को कहा कि वह विश्व स्तर पर टी20 लीग की बढ़ती संख्या का समर्थन करते हैं लेकिन उन्होंने सऊदी अरब में इस तरह के किसी टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर चल रही अटकलों को खारिज कर दिया। धूमल ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड विशेषकर सऊदी अरब, यूरोप और अमेरिका जैसे स्थानों पर टी20 लीग का समर्थन करता है। उनका मानना है कि इससे 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों से पहले इस खेल को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

हमारा लक्ष्य पंजाब को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाना

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि उनका तात्कालिक लक्ष्य इंडियन प्रीमियर लीग में खिताब का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार खत्म करना है लेकिन उनका दीर्घकालिक लक्ष्य इस टीम को सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ टीम बनाना है। पंजाब ने इस सत्र के लिए पोंटिंग को मुख्य कोच और श्रेयस अय्यर को कप्तान नियुक्त किया है और वह पहली बार चैंपियन बनने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगा। पंजाब किंग्स अपना पहला मैच 25 मार्च को गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद में खेलेगा।

खबर संक्षेप

इंग्लैंड की जीत से शुरुआत

लंदन। माइल्स लुईस-स्केली और हैरी केन के गोल की मदद से इंग्लैंड ने वेम्बली स्टेडियम में खेले गए मैच में अल्बानिया को 2-0 से पराजित करके विश्व कप क्वालीफाइंग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। इंग्लैंड के नए कोच थॉमस ट्यूशेल का इस टीम के साथ यह पहला मैच था। ट्यूशेल इंग्लैंड के लगातार 11वें ऐसे कोच हैं जिन्होंने अपने पदार्पण मैच में जीत हासिल की। ग्रुप जी में पोलैंड और फ़िनलैंड ने विजयी शुरुआत की। पोलैंड ने रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के 81वें मिनट में किए गए गोल की मदद से लिथुआनिया को अपने घरेलू मैदान पर 1-0 से हराया, जबकि फ़िनलैंड ने माल्टा के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। बोस्निया-हर्जेगोविना ने ग्रुप एच में रोमानिया को 1-0 से हराया।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा भुवनेश्वर

भुवनेश्वर। देश भर के शीर्ष पैरा तलवारबाज 28 से 31 मार्च तक यहां आयोजित होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारतीय पैरालंपिक समिति के अंतर्गत ओडिशा पैरा खेल संघ द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता बीजू पटनायक इंडोर स्टेडियम और कलिंगा खेल परिसर में होगी। ओडिशा सरकार के खेल और युवा सेवा विभाग द्वारा समर्थित इस चैंपियनशिप में 25 से अधिक राज्यों और 20 अतिरिक्त टीमों के भाग लेने की उम्मीद है जिसमें लगभग 200 पैरा तलवारबाज शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

फुटबॉल

अर्जेंटीना फीफा विश्व कप में जगह बनाने से एक अंक दूर

एजेंसी ▶▶| मोंटेवीडियो

अर्जेंटीना ने लियोनेल मेसी के बिना भी दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में उरुग्वे को 1-0 से हरा दिया। थियागो अल्माडा ने शुक्रवार रात को खेले गए मैच में 68वें मिनट में निर्णायक गोल किया जिससे गत चैंपियन अर्जेंटीना अगले साल होने वाले विश्व कप में सीधा प्रवेश पाने से केवल एक अंक दूर रह गया है।

■ दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग मैच में उरुग्वे को 1-0 से हराया

अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिका क्वालीफाइंग में 13 मैचों के बाद 28 अंकों के साथ सबसे आगे बना हुआ है। अगर वह मंगलवार को ब्राजील के खिलाफ घरेलू धरती पर होने वाले मैच को ड्रा करने में सफल हो जाता है तो विश्व कप में अपनी जगह सुनिश्चित कर लेगा।

इससे पहले जब फुटबॉल जगत की इन दो दिग्गज टीमों के बीच मुकाबला हुआ था तब अर्जेंटीना ने रियो डी जनेरियो के माराकाना स्टेडियम में 1-0 से जीत हासिल की थी। कोच लियोनेल स्कालोनी की टीम पहले से ही सातवें स्थान पर मौजूद बोलीविया से 15 अंक आगे है, जबकि प्रतियोगिता में अब केवल पांच दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

शीर्ष छह टीमें करेंगी क्वालीफाई

इक्वाडोर ने वेनेजुएला को 2-1 से हराया और दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफाइंग प्रतियोगिता की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। ब्राज़ील 21 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। वह उरुग्वे और पराग्वे से एक अंक आगे है। कोलंबिया 19 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग में शीर्ष छह स्थान पर रहने वाली टीमों को अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्व कप में सीधा प्रवेश मिलेगा जबकि सातवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरराष्ट्रीय प्लेऑफ में खेलेगी।

दलीप ट्रॉफी की पारंपरिक प्रारूप में वापसी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की शीर्ष परिषद ने शनिवार को दलीप ट्रॉफी के लिए पारंपरिक अंतर-क्षेत्रीय प्रारूप को फिर से शुरू करने का फैसला किया जिसमें प्रथम श्रेणी स्तर के टूर्नामेंट में छह टीमों के बीच मुकाबला होगा। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली राष्ट्रीय चयन समिति ने पिछले साल रणजी ट्रॉफी (38 टीम) में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर चार टीमों ए, बी, सी और डी का चयन किया था जिसने चैलेंजर ट्रॉफी प्रारूप में प्रतिस्पर्धा की थी। अब चार टीमों के प्रारूप की जगह उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम, मध्य और उत्तर-पूर्व क्षेत्र दलीप ट्रॉफी खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। दलीप ट्रॉफी अंतर-क्षेत्रीय प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता के तौर पर 1961-62 से 2014-15 तक खेला गया था। पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ ने 2015 में एनसीए के प्रमुख के रूप में पदभार संभाला, तो उन्होंने दलीप ट्रॉफी को चैलेंजर ट्रॉफी प्रारूप में आयोजित करने का सुझाव दिया, जहां राष्ट्रीय चयनकर्ता इंडिया ब्लू, रेड, ग्रीन टीमों का चयन करते थे। इस प्रारूप को 2019 सत्र तक जारी रखा गया था।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में बदलाव पर फैसला जल्द

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन जय शाह ने शनिवार को पुष्टि की कि सौरव गांगुली की अगुवाई वाली क्रिकेट समिति अगले महीने 2025-27 चक्र के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के प्रस्तावित पुनर्गठन पर अंतिम फैसला लेगी। इस 16 सदस्यीय क्रिकेट समिति का नेतृत्व पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली कर रहे हैं और इसमें पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण, डेनियल विटोरी, महेला जयवर्धने और शॉन पोलाक जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

आईपीएल के उद्घाटन के लिए यहां पहुंचे शाह ने कहा, 'कुछ प्रस्ताव आए हैं, लेकिन मुझे उनके बारे में पूरी जानकारी नहीं है। क्रिकेट समिति निर्णय लेगी।' आईसीसी कथित तौर पर दो पूर्ण चक्रों पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने के बाद डब्लूटीसी अंक प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव पर विचार कर रहा है। प्रस्तावों में बड़े अंतर से जीत और विदेशी सरजमीं पर जीत के लिए बोनस अंक प्रणाली शामिल है। आईसीसी बोर्ड अपनी अप्रैल की बैठक में इन संशोधनों पर विचार-विमर्श करेगा।

बीसीसीआई ने की अक्टूबर से शुरू होने वाली कार्यक्रम की घोषणा

भारत वेस्टइंडीज और द.अफ्रीका की करेगा मेजबानी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

भारत इस साल अक्टूबर में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 12 साल के अंतराल के बाद वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम नवंबर में सभी प्रारूपों के दौरे के लिए आएगी।

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बताया कि भारत दो अक्टूबर से मोहाली में पहले टेस्ट में विंडीज से भिड़ेगा, जबकि दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में होगा। वेस्टइंडीज का भारत का पिछला टेस्ट दौरा 2013-14 में हुआ था, जो महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर का अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच था। कैरेबियाई टीम का भारत का पिछला दौरा 2022 में तीन वनडे और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए हुआ था।

वेस्टइंडीज श्रृंखला के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की श्रृंखला के लिए भारत आएगी। टी20 श्रृंखला से दोनों टीमों को अगले वर्ष भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी का मौका मिलेगा। शुक्ला ने यहां कहा, 'पहला टेस्ट दिल्ली में होगा, जबकि दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में होगा।'

महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा भारत

भारत इस साल सितंबर में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा। शुक्ला ने कहा, 'तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं लेकिन विजाग में पहला मैच खेला जाएगा और अन्य स्थानों में गुवाहाटी, मुल्लांपुर (पंजाब), तिरुवनंतपुरम और इंदौर शामिल हैं। फाइनल के लिए स्थान अभी तय नहीं हुआ है।'

गुवाहाटी में होगा पहला टेस्ट

गुवाहाटी में पहला टेस्ट होगा, जो अक्सर सफेद गेंद के मैचों की मेजबानी करता है। यह शहर पिछले दो सत्रों से आईपीएल मैचों की मेजबानी भी कर रहा है। टेस्ट मैचों के बाद, पहला वनडे 30 नवंबर को रांची में होगा, जबकि रायपुर तीन दिसंबर को दूसरे वनडे की मेजबानी करेगा। अंतिम वनडे छह दिसंबर को विशाखापत्तनम में होगा। पहला टी20 मैच नौ दिसंबर को खेला जाएगा, इसके बाद 11, 14, 17 और 19 दिसंबर को मैच होंगे।

जनहित याचिका में सरपंच, उप सरपंच व पंचों पर भ्रष्टाचार का आरोप, नोटिस जारी कर छह सप्ताह के भीतर मांगा जवाब

प्रस्ताव पारित कर कमीशन के रेट फिक्स करने पर जताया आश्चर्य

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट पंचायत के विकास कार्यों में सरपंच, उप सरपंच व पंचों द्वारा बाकायदे प्रस्ताव पारित कर कमीशन का रेट फिक्स किए जाने के आरोप संबंधी जनहित याचिका को गंभीरता से लिया। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार, सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, अनूपपुर कलेक्टर, अनूपपुर जिला व जनपद पंचायत के सीईओ सहित सरपंच विक्रम प्रसाद, उप सरपंच सोनियाबाई, पंच नरबदिया बाई सहित ग्राम पंचायत सलारगोड़ी को नोटिस जारी किए। छह सप्ताह में जवाब मांगा।

अनूपपुर, कोतमा निवासी सुनील कुमार सोनी की ओर से अधिवक्ता अंकित सक्सेना ने पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि ग्राम पंचायत सलारगोड़ी के सरपंच विक्रम प्रसाद, उप सरपंच सोनियाबाई व पंच नरबदिया बाई सहित ग्राम पंचायत के सभी पदाधिकारियों ने ग्राम सभा में प्रस्ताव पास कर हर विकास कार्य की राशि में अपना कमीशन तय कर लिया है।

सरपंच का 10, उप सरपंच का सात व पंच का पांच प्रतिशत कमीशन तय

सरपंच को 10 प्रतिशत, उपसरपंच को सात व पंच को पांच प्रतिशत राशि देना तय हुआ है। यह तथ्य उजागार होने के बाद समाचार प्रकाशित हुए। जिनके आधार पर जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत की गई। लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। लिहाजा, व्यापक जनहित में हाई कोर्ट की शरण ली गई है। मुख्य मांग यही है कि अब तक हुए कार्यों की न्यायिक जांच कराई जाए।

सेशन कोर्ट ने की टिप्पणी, नए सिरे से सुनवाई के दिए निर्देश

न्याय व लोकहित से संतुष्ट हुए बिना

जबलपुर। सेशन कोर्ट ने एक मामले में टिप्पणी की है कि न्याय व लोकहित से संतुष्ट हुए बिना मैकेनिकली आदेश पारित किया गया। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश शिव कुमार कौशल की अदालत ने आदेश को अनुचित पाते हुए निरस्त कर दिया। इसी के साथ विचारण न्यायालय को नए सिरे से सुनवाई के निर्देश दे दिए। आदेश में साफ किया गया कि विचारण न्यायालय चाहे तो उभयपक्षों के तर्कों को पुनः विचार में ले। उभयपक्षों से अन्य जानकारी या संबंधित दस्तावेज विधि अनुसार प्राप्त किए जा सकते हैं। उभयपक्ष सेशन कोर्ट के आदेश के साथ चार अप्रैल को सुबह 11 बजे विचारण न्यायालय के समक्ष कार्रवाई के लिए प्रस्तुत रहेंगे। पुनरीक्षण याचिकाकर्ता डिंडौरी निवासी सबीना बानो की ओर से अधिवक्ता गिरीश राव ने पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि मुरली मनोहर सहित 21 आरोपितों ने पांच मार्च, 2024 को याचिकाकर्ता के घर पर पहुंचकर उत्पात मचाया था। दरवाजा पीटते हुए जमकर गाली-गलौच की थी। दरवाजा टूटने पर सभी भीतर घुस गए थे। वहां खड़ी बाइक तोड़ दी थी। याचिकाकर्ता चिल्लाने लगी तो उसके साथ मारपीट कर दी गई। इसके बाद सभी उत्पाती वहां से चले गए। इस घटना की शिकायत डिंडौरी थाने में की गई। लिहाजा, अपराध पंजीबद्ध हो गया। मामला अधीनस्थ कोर्ट पहुंचा। जहां ट्रायल के बाद सभी आरोपित दोषमुक्त कर दिए गए। इसी दोषमुक्ति आदेश की वैधानिकता को पुनरीक्षण याचिकाकर्ता ने चुनौती दी है। उसका आरोप है कि एकपक्षीय तरीके से उसे सुनवाई का अवसर दिए बिना आदेश पारित किया गया था। उसका साक्ष्य लेने तक की जेहमत नहीं उठाई गई। इसके बिना ही उसके कथन समाप्त करने का कदम उठा लिया गया। इस तरह का आदेश किसी भी सूरत में स्थिर रखे जाने योग्य नहीं है।

हाई कोर्ट ने एससी-एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों को प्रदान की अंतरिम राहत, चयन सूची व परिणाम विचाराधीन याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेंगे

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में अतिथि विद्वानों को आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में अनुसूचित जाति-जनजाति के अभ्यर्थियों को पांच वर्ष की अतिरिक्त आयु सीमा छूट दिए जाने का अंतरिम आदेश दिया। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने चयन सूची व परिणाम विचाराधीन याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रखे जाने के निर्देश दिए। दमोह निवासी छोटे लाल अहिरवार की ओर से अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता अतिथि विद्वान के रूप में कार्यरत है। असिस्टेंट प्रोफेसर व खेल अधिकारी के लिए एमपी-पीएससी के माध्यम से परीक्षा का आयोजन किया गया है। जिसके फार्म भरने की अंतिम तिथि 26 मार्च है। सेवा में कार्यरत होने के कारण सभी अतिथि विद्वानों को आयु सीमा में रियायत प्रदान करते हुए अधिकतम उम्र सीमा 45 साल निर्धारित की गई है। याचिकाकर्ता एसटी वर्ग का है और आरक्षित वर्ग श्रेणी में आने के कारण एससी एसटी वर्ग को अतिरिक्त पांच साल की आयु सीमा छूट मिलती है। सेवारत होने के कारण अतिथि विद्वान को आयु सीमा में छूट दी गई है। तर्क दिया गया कि एससी-एसटी वर्ग के अतिथि विद्वानों को संविधान से मिले आयु सीमा की अतिरिक्त छूट के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता है। हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद एससी-एसटी वर्ग के अतिथि विद्वान को आयु सीमा में पांच साल की अतिरिक्त छूट प्रदान करने का अंतरिम आदेश पारित किया है।

306 पाव देशी शराब एवं 60 लीटर कच्ची शराब जप्त

जबलपुर। तिलवारा पुलिस ने क्रेशर बस्ती के पास और बेलबाग पुलिस ने जिला पंचायत कार्यालय के सामने टपरा किनारे शराब बेच रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 306 पाव देशी और 60 लीटर कच्ची शराब जब्त की है। तिलवारा थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि क्रेशर बस्ती निवासी 23 वर्षीय आरिफ खान उर्फ नंगा गत रात क्रेशर बस्ती में एक पान टपरा के पीछे शराब बेचने के लिए रखे हुए था, मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 60 लीटर कच्ची शराब जब्त की है जिसकी कीमत लगभग 6 हजार रुपए बताई गई है। इसी तरह बेलबाग थाना प्रभारी प्रवीण कुमरे ने बताया कि गत रात जिला पंचायत कार्यालय के सामने टपरा किनारे शराब बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे आजाद नगर मोहरिया गली नम्बर 3 अधारताल निवासी 20 वर्षीय इकबाल अली को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 306 पाव देशी शराब जब्त की है जिसकी कीमत लगभग 18 हजार 360 रूपये की बताई गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

एमपीएमएसयू की लापरवाही नर्सिंग छात्रों का करियर दांव पर

फिर टलीं नर्सिंग की परीक्षाएं छात्रों का भविष्य फिर अधर में

हरिभूमि, जबलपुर

मध्य प्रदेश में नर्सिंग छात्रों की परीक्षाएं एक बार फिर टल गई हैं, जिससे हजारों छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है। मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (एमपीएमएसयू) ने बीएससी, एमएससी और पीबीबीएससी नर्सिंग परीक्षाओं की तारीखें एक बार फिर बढ़ा दी हैं। पहले यह परीक्षाएं मार्च 2025 में प्रस्तावित थीं, लेकिन अब इन्हें अप्रैल-मई 2025 में आयोजित किया जाएगा।

नर्सिंग छात्रों को परीक्षा की देरी के कारण रोजगार और इंटर्नशिप के अवसरों से हाथ धोना पड़ रहा है। खासतौर पर 2019-20 बैच के बीएससी नर्सिंग चौथे वर्ष के छात्रों की परीक्षाएं अब तक नहीं हुईं। वहीं, 2020-21 और 2021-22 बैच की परीक्षाएं भी चार साल की देरी से हो रही हैं। छात्रों का आरोप है कि मेडिकल यूनिवर्सिटी ने परीक्षा और अगले सत्र की फीस तो ले ली, लेकिन समय पर परीक्षाएं नहीं कराई, जिससे उनका करियर बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। नर्सिंग स्टाफ की भारी कमी के बावजूद परीक्षाएं बार-बार टाली जा रही हैं।

चार बार बदली जा चुकी हैं तारीखें

अब तक चार बार परीक्षाओं की तारीखें बदली जा चुकी हैं। जिन परीक्षाओं का आयोजन हो चुका है, उनमें भी सिर्फ आधे छात्रों का ही रिजल्ट जारी हुआ है, जिससे उनकी डिग्री अधर में लटक गई है।

विधायक जयवर्धन ने विस में भी उठाया था मामला

नर्सिंग परीक्षाओं में देरी का मुद्दा विधानसभा में भी गूंज चुका है। मार्च 2024 में कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने इस मामले को उठाते हुए कहा था कि डिग्री न मिलने से हजारों छात्रों का भविष्य अंधकार में है। वहीं जुलाई 2024 में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के दौरान डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने कहा था कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि परीक्षाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए। इसके बावजूद परीक्षाएं लगातार टल रही हैं।

बादल छटे, धूप खिली

मौसम शुष्क अब ऊपर चढेगा पारा

जबलपुर। पश्चिमी विक्षोभ का असर समाप्त होते ही मौसम अब साफ हो गया है। आसमान में छाए बादल छंट गए, शनिवार को तेज धूप निकली रही और दिन का तापमान औसत से एक पायदान ऊपर चढ़ा, हालांकि शाम को मौसम सुहावना हो गया था। पिछले दो तीन दिनों से पश्चिमी विक्षोप की वजह से आसमान में बादल छाए थे और बूंदाबांदी होने से तापमान में गिरावट आई थी। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोप का असर अब समाप्त हो गया है। दो दिन बाद फिर नया विक्षोप सक्रिय हो जाएगा। फिलहाल मौसम पूरी तरह से शुष्क हो गया है आसमान साफ है लिहाजा अब गरमी दस्तक देने को आतुर है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार पश्चिमी हवाओं के प्रवेश से वातावरण में गर्माहट आने लगी है। तापमान ने भी उछाल मारी है पिछले 24 घण्टों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 34.04 डिग्री सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 15.05 डिग्री सेल्सीयस दर्ज किया गया जो सामान्य से 04 डिग्री कम रहा। हवा में नमी प्रातःकाल 60 प्रतिशत और सायंकाल 48 प्रतिशत आंकी गई। उत्तर पश्चिमी हवायें 4 किमी प्रति घण्टा की रफ्तार से चलीं प्रदेश में सबसे अधिक 37.6 डिग्री तापमान खरगौन जिले में और सबसे कम 13.5 डिग्री का तापमान शाजापुर और छत्तरपुर जिले में दर्ज किया गया। अगले चौबीस 24 घण्टों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है। गत वर्ष आज का अधिकतम तापमान 33.0 और न्यूनतम तापमान 15.06 डिग्री दर्ज किया गया है।

30 दिन में मांगे दावे-आपत्ति, 25000 से ज्यादा फीस वाले स्कूलों को लेना होगी परमिशन

प्राइवेट स्कूलों में मनमानी फीस वसूलने पर बनेंगे नियम

हरिभूमि जबलपुर।

प्राइवेट स्कूलों द्वारा फीस वसूली पर लगाम कसने चार माह पहले मंजूर विधेयक पर स्कूल शिक्षा विभाग ने नियम तैयार करने की शुरुआत कर दी है। इसके लिए विभाग द्वारा प्रस्ताव का प्रारूप तैयार कर एक माह में दावे-आपत्ति बुलाए गए हैं। इसके बाद नए शिक्षा सत्र से इस व्यवस्था को लागू करने के लिए नियम जारी किए जाएंगे। इसमें यह प्रावधान किया गया है कि प्रदेश में 25 हजार रुपए से अधिक फीस वसूलने वाले प्राइवेट स्कूलों को फीस वृद्धि के पहले जिला समिति से परमिशन लेनी होगी। जिला समिति के फैसले पर आपत्ति होने पर राज्य समिति से अपील की जा सकेगी। जिन स्कूलों 25 हजार से कम फीस वसूली जा रही है, वहां भी फीस में दस फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी नहीं की जा सकेगी।

स्कूल शिक्षा विभाग ने इसे लेकर 11 मार्च को जारी नोटिफिकेशन में प्रस्ताव किया है। इसके अनुसार अधिक फीस वसूली को लेकर मध्यप्रदेश प्राइवेट स्कूल फीस तथा संबंधित विषयों का विनिमयन नियम 2020 में संशोधन के लिए राज्य सरकार ने प्रस्ताव तैयार किया है।

इसके लिए एक माह की अवधि में दावे-आपत्ति मांगे गए हैं। इसके बाद नियम जारी किए जाएंगे।

यह कहता है 2024 में बना कानून

प्राइवेट स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूलने को लेकर दिसम्बर 2024 में कानून बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि 25 हजार रुपए सालाना फीस वसूलने वाले स्कूल दस प्रतिशत तक फीस बढ़ा सकेंगे। 15 प्रतिशत से अधिक फीस बढ़ाने पर जिला विभागीय समिति और फिर राज्य समिति की परमिशन लेना होगी। इसका फायदा 25 हजार से कम फीस वसूलने वाले स्कूलों को मिलेगा। वे 10 प्रतिशत की लिमिट के आधार पर इस सीमा तक अपनी फीस बढ़ा सकेंगे।

अपलोड करना होगा एफिडेविट

जो स्कूल 25 हजार रुपए वार्षिक फीस के दायरे से बाहर हैं उन्हें एक नोटरी एफिडेविट देना होगा। इसे पोर्टल पर भी अपलोड करना होगा। इसके लिए विभागीय समिति और राज्य समिति के माध्यम से प्रक्रिया पूरी की जाएगी। राज्य समिति को यह अधिकार दिए गए हैं कि वह विभागीय समिति के द्वारा लगाई गई पेनल्टी को घटा या बढ़ा सकेगी।

45 दिन में करना होगा निराकरण

प्रस्ताव में कहा गया है कि विभागीय समिति अपील आवेदन मिलने के 45 दिन के भीतर निर्णय करेगी। किसी प्राइवेट स्कूल द्वारा 15 प्रतिशत से अधिक फीस बढ़ाने संबंधी निर्णय के अलावा शेष सभी मामलों में विभागीय समिति का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा। प्रस्ताव में कहा गया है कि राज्य समिति को यह अधिकार होगा कि 45 कार्यदिवस के भीतर इस मामले में फैसला करे।

करंट लगने से मौत पर मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

जबलपुर। विजयनगर थाना अतंर्गत एसबीआई चौक विजयनगर के पास हाईटेंशन लाईन के करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामलें की जांच कर रही है। विजयनगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार अरविंद सोलंकी जियनगर में काम करने गया था जहां हाईटेंशन लाईन की चपेट में आने से करंट लग गया। उसकी इलाज के दौरान मेडीकल कॉलेज में मौत हो गई। पुलिस ने मकान मालिक मनोज लोधी के खिलाफ धारा 287, 106 (1) भारतीय न्याय संहिता के तहत 2023 का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

29 में से 6 समूहों की नीलामी अभी भी बाकी

जबलपुर के शराब ठेकों में बाहरी ठेकेदारों की एंट्री

हरिभूमि जबलपुर।

जबलपुर जिले में शराब के 29 समूहों में से 18 ठेके अबतक टेंडर में फायनल हो चुके है खास बात तो यह है कि इस बार शहर के ठेकेदार बाहर हो गए और रीवा, इंदौर व छत्तीसगढ़ के ठेकेदारों की शहर में एंट्री हो गई। गौरतलब है कि शराब ठेको की नीलामी विलंब होने से सहायक आबकारी आयुक्त रविन्द्र मानिकपुरी को पिछले दिनों राज्यसरकार ने निलंबित कर दिया था उनके साथ ही दूसरे दिन ठेका शाखा के लिपिक विवेक उपाध्याय को निलंबित कर दिया था। जबलपुर में नए सहायक आबकारी आयुक्त ग्वालियर से संजीव दुबे जबलपुर भेजे गए। सूत्रों का कहना है के बाहरी ठेकेदार नए साहब के प्रयासों से ही जबलपुर के शराब ठेके लेने आगे आए। गौरतलब है कि नई आबकारी नीति के तहत

इस वित्तीय वर्ष में आबकारी विभाग ने शराब ठेकों के संचालन के लिए 45 समूहों को घटाकर 29 समूहों में विभाजित किया है, जिनमें से कुछ ठेकों के टेंडर प्रक्रिया में हैं। इन 29 में से 18 समूहों के लिए टेंडर फायनल हो चुके है। अधिकांश ठेके रीवा, इंदौर और छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर जिले के ठेकेदारों ने यह ठेके उठाए। 6 ग्रुप अभी भी बाकी हैं, जो ग्रुप बाकी रह गए उनमें रसल चौक, बल्देवबाग इंद्रामार्केट, बस स्टेंड, शारदा चौक ग्रुप की दुकानें शामिल हैं। तो दूसरी तरफ शराब सिंडीकेट हर संभावित स्थिति में प्राफिट में रहने के नियम पर काम कर रहे हैं। शुक्रवार को नए सहायक आयुक्त आबकारी संजीव दुबे ने कार्यालय ज्वाइन करते ही स्पष्ट किया कि शराब केवल एमआरपी पर ही बेची जाएगी, न कम न ज्यादा। इसके बाद ही सिंडीकेट ने शराब को मैक्सिम रेट पर बेचने का फैसला किया, जिससे ग्राहकों को भारी झटका लगा है।

जबलपुर में शराब की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी देखने को मिली है। शराब सिंडीकेट द्वारा सरकारी दुकानों से शराब की बिक्री अब अधिकतम रिटेल प्राइस (एमआरपी) पर की जा रही है, जिससे पीने वालों में हलचल मच गई है। सूत्रों के अनुसार, जो ठेकेदार आगामी टेंडर प्रक्रिया में भाग लेने का प्रयास कर रहे हैं, उन्होंने शराब के दाम बढ़ा दिए हैं ताकि किसी भी परिस्थिति में घाटा न उठाना पड़े।

धान का रुका भुगतान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

घोटालेबाज अधिकारियों के निलंबन की मांग

हरिभूमि जबलपुर।

धान खरीदी व धान परिवहन में करोड़ों का घोटाला सामने आने के बाद भारतीय किसान संघ ने घोटाले में शामिल अधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्यवाही की मांग की है। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव व मुख्य सचिव अनुराग जैन के नाम लिखे पत्र के बारे में जानकारी देते हुये अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि जबलपुर जिले में धान उपार्जन व परिवहन में शासकीय विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने मिलीभगत कर गंभीर अनियमित्तायें की हैं। जिसमें न केवल शासन को करोड़ों रूपये की क्षति पहुंची है, बल्कि शासकीय सिविल सेवा नियमों का भी स्पष्ट उल्लंघन हुआ है। इसलिये सरकार को ऐसे भृष्ट कदाचरण के दोषी अधिकारियों पर तत्काल निलंबन की कार्यवाही करनी चाहिये। किसान संघ के प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटैल ने अपने बयान में कहा कि धान घोटाले में शामिल अधिकारियों, कर्मचारियों, समिति प्रबंधकों, वेयरहाउस मालिकों, सर्वेयरों के द्वारा अनैतिक तरीके से अर्जित संपत्ति की भी जांच की जाये। साथ ही जिले में आगामी गेंहू उपार्जन प्रक्रिया से इन सभी दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों को बाहर रखा जाये। श्री पटैल ने कहा कि इन्हीं अधिकारियों की मिलीभगत से पैदा धान घोटाले के कारण किसानों का करोड़ों रूपये का भुगतान अटका है।

लोगों ने संचय किया बारिश का पानी, जिससे बढ़ा भू-जल स्तर, अब हमेशा रहता है हैंडपंप में पानी

पानी बचाने की मिसाल बना पन्ना जिले का फुलवारी गांव

अलग खबर

हरिभूमि, जबलपुर

जिला मुख्यालय से 38 किलोमीटर की दूर फुलवारी गांव में कुल 162 परिवार रहते हैं। 500 आबादी वाला यह गांव दशकों से पानी की कमी और इसके खारेपन की समस्या से जूझ रहा था। जनवरी से ही गांव के कुएं और बोरवेल सूखने लगते थे, जिससे ढाई किलोमीटर पैदल चलकर गांव की महिलाओं को दूसरे गांव से पानी लाना पड़ता था। महिलाएं झुंड बनाकर इटवा तिलहा गांव पानी लेने जाया करती थीं। पानी की कमी इस गांव की पहचान बन चुकी थी। जनवरी 2025 में यहां जल जीवन मिशन ने हर घर नल से जल पर काम करना शुरू किया। सरकार के साथ ही एक निजी संस्था समर्थन ने भी ग्रामीणों की मदद के लिए आगे आया। दरअसल, समर्थन पन्ना जिले के 32 पंचायतों के 40 गांवों में जल जीवन मिशन और अटल भू-जल योजना में सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। इन्हीं में फुलवारी भी शामिल है।

गांव में जल संकट को देखते हुए संस्था ने वर्षा जल संचयन पर कार्य करने की योजना बनाई। ग्रामीणों को वर्षा जल संचयन के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। हालांकि यह काम इतना आसान नहीं था। क्योंकि ग्रामीण सुबह होते ही मजदूरी के लिए गांव से निकल जाते थे। संस्था ने महिलाओं को जागरूक करना शुरू किया।

शुरुआती संघर्ष और लोगों की मानसिकता बदलने में ज्यादा समय नहीं लगा

समर्थन के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. योगेश कुमार बताते हैं कि संस्था ने यह पहल शुरू की तो गांव के लोगों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। उनका मानना था कि जल संचयन संरचना का निर्माण व्यर्थ है और इससे कोई लाभ नहीं होगा। कई ग्रामीणों ने संस्था पर अविश्वास जताया और उनके प्रयासों को नकार दिया। वे इसे एक सरकारी या गैर-सरकारी योजना समझकर नजरअंदाज कर रहे थे, लेकिन संस्था के ब्लॉक समन्वयक कमल ने गांव की महिला कविता, राखी और माया को जल मित्र बनाया और उन्हें साथ लेकर ग्रामीणों को जागरूक करने लगे।

स्कूल की अनुमति मिलते ही आया बदलाव

उनकी मेहनत का पहला परिणाम तब देखने को मिला जब पंचायत की मदद से गांव के स्कूल ने अपनी छत पर वर्षा जल संचयन संरचना के निर्माण की अनुमति दे दी गई। बस यहीं से बदलाव शुरू हो गया। गांव के स्कूल में एक हैंडपंप था, जो दिसंबर और जनवरी में सूख जाया करता था। संस्था ने स्कूल की छत से वर्षा जल को पाइप के माध्यम से ज़मीन के अंदर भेजने के लिए एक जल संचयन संरचना बनाई। कुछ ही महीनों में इसका असर दिखने लगा। जो हैंडपंप सर्दियों में ही पानी देना बंद कर देता था, वह अब साल भर पानी देने लगा। सबसे बड़ी बात यह थी कि पहले पानी खारा होता था, लेकिन अब मीठा पानी मिलने लगा। यह बदलाव ग्रामीणों के लिए चौंकाने वाला था। जो लोग पहले जल संचयन संरचनाओं के निर्माण को लेकर संदेह में थे, वे अब इसे अपनाने के लिए आगे आने लगे।

गांव में बड़ा बदलाव

स्कूल में हुए इस सकारात्मक बदलाव को देखते हुए ग्रामीणों की सोच बदल गई। अब ग्रामीण खुद जल संचयन के लिए संरचनाओं के निर्माण के लिए आगे आने लगे। फरवरी 2025 तक गांव में 57 जल संचयन संरचनाएं बनाई गईं। पहले संस्था पाइप और अन्य सामग्री उपलब्ध कराती थी, लेकिन अब गांव के लोगों ने स्वयं इस पहल में योगदान देना शुरू कर दिया।

गांव के लोगों ने अपने पैसों से खरीदे पाइप

गांव के 40 से 45 परिवारों ने अपने पैसे से पाइप खरीदे, जिससे लगभग 90 हजार रुपए का योगदान दिया। इन संरचनाओं की मदद से गांव में छतों से गिरने वाले लगभग 5 लाख लीटर बारिश के पानी को जमीन के अंदर पहुंचाया जा रहा है। इसका सीधा प्रभाव भूजल स्तर पर पड़ा और पानी की समस्या अब बीते समय की बात हो गई।

देशी पिस्टल, 2 कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। गोहलपुर थाना अतंर्गत अमखेरा रोड अमन नगर के पास पिस्टल लेकर घूम रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक देशी पिस्टल और दो कारतूस जब्त किए है। गोहलपुर थाना प्रभारी श्रीमति प्रतीक्षा मार्को ने बताया कि समता कालोनी गोहलपुर निवासी 30 वर्षीय राहुल उर्फ मुन्नू साहू गत दिवस पिस्टल रखे वारदात करने की फिराक में अमखेरा रोड अमन नगर के पास घूम रहा था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक देशी पिस्टल और दो कारतूस जब्त की है। बताया गया है कि आरोपी शातिर अपराधी प्रवृत्ति का है जिसके विरूद्ध अवैध वसूली, मारपीट, तोड़फोड़, आर्म्स एक्ट, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, आबकारी एक्ट के 10 अपराध पूर्व से पंजीबद्ध है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240